नई दिल्ली। बुधवार, 12 अगस्त, 2026
रावण कृष्ण पक्ष अमावस्या, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 12, अंक : 218 / मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12

दैनिक

विश्व केसरी

नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित

सिर्फ पत्रकारिता...

vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari

@ खेल कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में पदक जीतने वाले...
@ विचार प्रकृति और संस्कृति का अनूठा संगम हरेली तिहार...
@ व्यापार कच्चे तेल में उछाल से भारतीय शेयर बाजार लाल...

एअर इंडिया फ्लाइट टर्बुलेंस मामला : गांजा पीकर पायलट उड़ा रहा था विमान

एजेंसी ■ नई दिल्ली

फुकेट से दिल्ली आ रही एअर इंडिया की फ्लाइट AI2379 के पायलट - इन - कमांड की साइकोएक्टिव पदार्थों की जांच दूसरी बार पॉजिटिव आई है। सूत्रों के मुताबिक, 4 अगस्त की घटना के बाद दोनों पायलटों का अनिवार्य स्क्रीनिंग टेस्ट कराया गया था। सह-पायलट की जांच में ऐसी कोई चिंता सामने नहीं आई, जबकि पायलट-इन-कमांड की शुरुआती रिपोर्ट के बाद सैंपल को पुष्टि के लिए अधिकृत प्रयोगशाला भेजा गया था, जहां टेस्ट पॉजिटिव आया।

क्या पायलट-इन-कमांड की कंफर्मेटरी रिपोर्ट भी पॉजिटिव आई?

सूत्रों के अनुसार, शुरुआती जांच में पायलट-इन-कमांड के सैंपल में आगे विश्लेषण की जरूरत सामने आई थी। इसके बाद नमूना निर्धारित प्रयोगशाला में कंफर्मेटरी टेस्ट के लिए भेजा गया। अब इस जांच की रिपोर्ट भी पॉजिटिव आई है। सूत्रों के मुताबिक, पायलट के सैंपल में साइकोएक्टिव पदार्थ की मौजूदगी पाई गई है। पायलट की जांच में गांजा के इस्तेमाल की पुष्टि हुई है। दोनों पायलटों को जांच पूरी होने तक उड़ान ड्यूटी से हटा दिया गया है।

उड़ान के दौरान कैसे अचानक 300 फीट की ऊंचाई खोई?

एअर इंडिया की फ्लाइट AI2379 ने 4 अगस्त को फुकेट से दिल्ली के लिए उड़ान भरी थी। क्रूज के दौरान विमान ने अचानक करीब 300 फीट की ऊंचाई खो दी थी। एयरबस-320 विमान में 137 यात्री सवार थे, जिनमें तीन शिशु भी शामिल थे। इसके अलावा विमान में आठ क्रू सदस्य थे। दिल्ली में सुरक्षित लैंडिंग के बाद 13 यात्रियों और चार केबिन क्रू सदस्यों को अस्पताल ले जाया गया था।

क्या विमान में तकनीकी गड़बड़ियों की भी जांच हो रही है?

इस घटना की जांच में विमान से जुड़ी कुछ कथित तकनीकी गड़बड़ियों को भी शामिल किया गया है। सूत्रों के मुताबिक, उड़ान के दौरान ऑटोपायलट डिस्कनेक्ट होने, हाइड्रोलिक सिस्टम में तीन बार समस्या आने और अन्य तकनीकी दिक्कतों की जानकारी सामने आई थी। बताया गया कि ऑटोपायलट डिस्कनेक्ट होने के बाद सह-पायलट ने मैनुअल कंट्रोल संभाला। इसके बाद फ्लाइट-कंट्रोल स्टॉल मैसेज भी सामने आया और कुछ इंडिकेटर स्विच थोड़ी देर के लिए बंद हो गए। जांच में यह देखा जा रहा है कि इन तकनीकी समस्याओं, टर्बुलेंस और अचानक ऊंचाई कम होने की घटनाओं के बीच कोई संबंध था या नहीं।

AAIB जुटा रहा तकनीकी और मेडिकल सबूत

एअर इंडिया की फुकेट-दिल्ली फ्लाइट से जुड़ी घटना की जांच कर रहे एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो ने कहा है कि वह मामले से जुड़े सभी जरूरी सबूत व्यवस्थित तरीके से जुटाने, सुरक्षित रखने और उनकी जांच करने में लगा है। जांच में तकनीकी, संचालन, मेडिकल और मानव कारकों से जुड़े पहलुओं को शामिल किया जा रहा है। जांच एजेंसी ने बताया कि विमान और उसके सिस्टम की जांच के साथ रिकॉर्ड किए गए फ्लाइट डेटा, संचालन और रखरखाव से जुड़े दस्तावेज, मेडिकल जानकारी और संबंधित लोगों के बयान भी जुटाए जा रहे हैं।

झारखंड के छात्र आंदोलन आरोप को लेकर घिरे राहुल

भाजपा ने लगाया दोहरा रवैया अपनाने का आरोप

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भाजपा ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर छात्र आंदोलनों को लेकर दोहरा रवैया अपनाने का आरोप लगाया है। पार्टी का कहना है कि कांग्रेस जहां नीट परीक्षा में कथित अनियमितताओं और दिल्ली पुलिस की कार्रवाई को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाती है, वहीं झारखंड में इसी तरह के छात्र आंदोलन और पुलिस कार्रवाई पर अपेक्षाकृत नरम रुख दिखा रही है जबकि वहां कांग्रेस सत्तारूढ़ गठबंधन का हिस्सा है।

भाजपा नेताओं ने कहा कि राहुल गांधी ने झारखंड के मुद्दे पर खुद से कोई स्पष्ट रुख नहीं अपनाया और मीडिया के सवाल पूछने के बाद ही अपनी पार्टी की स्थिति सामने रखी। वहीं, संसद परिसर में वायनाड सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा से भी इस मुद्दे पर जवाब मांगा गया। संसद में प्रवेश के दौरान प्रियंका गांधी को प्रदर्शन का सामना करना पड़ा। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने आरोप लगाया कि छात्र आंदोलन और पुलिस कार्रवाई के बावजूद राहुल गांधी झारखंड नहीं गए।

भाजपा ने कांग्रेस पर अपने सहयोगी झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की आलोचना नहीं करने का आरोप लगाते हुए इसे राजनीतिक पाखंड बताया।

सोमवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने राहुल गांधी और कांग्रेस की आलोचना करते हुए कहा कि पार्टी संसद की कार्यवाही बाधित कर रही है और छात्र आंदोलनों के मुद्दे पर दोहरे मापदंड अपना रही है।

संसद के मौजूदा मानसून सत्र के दौरान विपक्षी दलों के हंगामे के कारण दोनों सदनों की कार्यवाही कई बार स्थगित हो चुकी है। कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्ष नीट पेपर लीक, प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई और अयोध्या राम मंदिर चढ़ावे में अनियमितता जैसे मुद्दे उठा रहा है।

सोमवार को मीडिया के सवालों के जवाब में राहुल गांधी ने कहा था कि कांग्रेस झारखंड में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों के खिलाफ बल प्रयोग की निंदा करती है। उन्होंने कहा कि छात्रों को विरोध प्रदर्शन का अधिकार है और उनकी समस्याओं का समाधान केवल संवाद से ही संभव है।

भारत-अमेरिका स्पेस सहयोग को नई उड़ान

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत-अमेरिका सिविल स्पेस जॉइंट वर्किंग ग्रुप (सीएसजेडब्ल्यूजी) की 9वीं बैठक भारत ने आयोजित की। इस बैठक का आयोजन 5-6 अगस्त 2026 को बेंगलुरु में इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन (इसरो) के हेडक्वार्टर में किया गया था।

इसरो के चेयरमैन/स्पेस विभाग के सचिव डॉ. वी. नारायणन और भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने ओपनिंग सेगमेंट में बात की और द्विपक्षीय स्पेस सहयोग को और मजबूत करने की अहमियत पर जोर दिया। बैठक के बाद अमेरिकी राजदूत गोर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'नासा ने इसरो को अपने मून बेस प्रोग्राम में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है, जिससे अमेरिका-भारत डीप स्पेस पार्टनरशिप और गहरी होगी। यह खबर तब आई जब स्टेट डिपार्टमेंट और नासा ने बेंगलुरु में 9वें सिविल स्पेस जॉइंट वर्किंग ग्रुप की बैठक को साझा किया, जिससे अमेरिका-भारत की पहल को आगे बढ़ाया गया।'

बैठक को भारत की तरफ से इसरो के यूआर राव सैटेलाइट सेंटर के डायरेक्टर मिस्टर एम. शंकरन ने और अमेरिका की तरफ से ओशन्स और अमेरिका के महासागर और अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण एवं वैज्ञानिक मामलों के ब्यूरो के वर्तमान सहायक विदेश सचिव डॉ. वेस्ली ब्रूक्स और इंटरनेशनल और इंटरएजेंसी रिलेशंस के लिए नासा एसोसिएट एडमिनिस्ट्रेटर मिस कैथलीन कारिका ने सहअध्यक्षता की। इस बैठक में अमेरिका-भारत ट्रांसफॉर्मिंग द रिलेशनशिप यूटिलाइजिंग स्ट्रेटेजिक टेक्नोलॉजी (टीआरयूएसटी) पहल के तहत नागरिक और वाणिज्यिक अंतरिक्ष सहयोग को आगे बढ़ाने पर केंद्रित थी। यह पहल प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा फरवरी 2025 में जारी संयुक्त नेताओं के बयान के अनुरूप थी। दोनों पक्षों ने पिछले साल संयुक्त नासा-इसरो सिंथेटिक अपर्चर रडार (एनआईएसएआर) मिशन की सफल लॉन्च के बाद सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। साथ ही, भविष्य में विज्ञान और मानव अंतरिक्ष उड़ान तकनीक में सहयोग की संभावनाओं पर भी बात हुई।

सरकारी ई-मार्केटप्लेस पारदर्शिता से सार्वजनिक खरीद प्रक्रिया में बदलाव : पीएम मोदी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) पारदर्शी प्रक्रियाओं, व्यापक भागीदारी और बेहतर अवसरों के माध्यम से भारत में सार्वजनिक खरीद को बदल रहा है। साथ ही, व्यवसायों के लिए अधिक प्रतिस्पर्धी और समावेशी पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण कर रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में ये टिप्पणियां कीं, जिसमें उन्होंने वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल द्वारा 9 अगस्त 2016 को लॉन्च होने के बाद से सरकारी ई-मार्केटप्लेस प्लेटफॉर्म द्वारा की गई प्रगति पर लिखे गए एक लेख को साझा किया। प्रधानमंत्री ने अपने पोस्ट में कहा, 'पारदर्शी खरीद, व्यापक भागीदारी और बेहतर अवसर...इसी तरह सरकारी ई-मार्केटप्लेस इंडिया सार्वजनिक खरीद प्रक्रिया में बदलाव ला रहा है।' प्रधानमंत्री ने कहा कि इस प्लेटफॉर्म के विकास में प्रौद्योगिकी का महत्वपूर्ण योगदान रहा है और इसने देश में व्यापार करने में आसानी को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई है। प्रधानमंत्री मोदी के अनुसार, सरकारी ई-मार्केटप्लेस ने पिछले 10 वर्षों में अधिक प्रतिस्पर्धी और समावेशी खरीद प्रणाली के निर्माण में मदद की है। उन्होंने कहा, 'प्रौद्योगिकी को केंद्र में रखते हुए सरकारी ई-मार्केटप्लेस प्लेटफॉर्म ने पिछले 10 वर्षों में अधिक प्रतिस्पर्धी और समावेशी पारिस्थितिकी तंत्र बनाकर विशेष रूप से एमएसएमई और महिला उद्यमियों को सशक्त बनाकर 'व्यवसाय करने में आसानी' को मजबूत किया है।' प्रधानमंत्री ने कहा कि यह मंच सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के साथ-साथ महिला उद्यमियों को सरकारी खरीद के अवसरों तक बेहतर पहुंच प्रदान करके उन्हें सशक्त बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण के रूप में उभरा है। प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों को गोयल के लेख को पढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया ताकि वे इस मंच की उपलब्धियों और भारत में सार्वजनिक खरीद के आधुनिकीकरण में इसकी भूमिका को गहराई से समझ सकें। सरकारी विभागों और सार्वजनिक क्षेत्र के संस्थानों द्वारा खरीद प्रक्रिया को डिजिटाइज करने के लिए सरकार द्वारा शुरू किया गया सरकारी ई-मार्केटप्लेस प्लेटफॉर्म एक ऑनलाइन बाजार के रूप में कार्य करता है।

सीरिया के पूर्व राष्ट्रपति बशर अल असद को मौत की सजा

एजेंसी ■ दमिश्क

सीरिया के पूर्व राष्ट्रपति बशर अल-असद और कई पूर्व अधिकारियों को कोर्ट ने मौत की सजा सुनाई है। स्थानीय मीडिया ने मंगलवार को बताया कि उन्हें विरोधियों को गैर-कानूनी तरीके से हिरासत में रखने, पूर्व नियोजित हत्या, यातना और मानवता विरोधी अपराधों का दोषी माना गया है।

कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि उनका पद सबसे ऊंचा था, लेकिन उन्होंने उसका मान नहीं रखा और कानून का उल्लंघन किया। सीरियन अरब न्यूज एजेंसी (एसएएनए) ने बताया कि कोर्ट ने बशर अल-असद के ममेरे भाई और दारा शहर में पूर्व राजनीतिक सुरक्षा चीफ, अतेफ नजीब को भी मौत की सजा सुनाई है। पूर्व राष्ट्रपति कोर्ट में मौजूद नहीं थे फिलहाल वो रूस में निर्वासित जीवन बिता रहे हैं।

कोर्ट ने 'भगोड़े' लौए अली अल-अली, माहेर हाफिज अल-असद, फहद जस्सम अल-फ्रीज, मोहम्मद अयमान अयूश, कुसे इब्राहिम महयूब, वाफिक सालेह नासिर और तलाल फारेस अल-अयसामी को भी सजा-ए-मौत का फरमान सुनाया। सीरिया के पूर्व राष्ट्रपति असद की सरकार 8 दिसंबर, 2024 को हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएस) और उससे जुड़े आतंकी समूह के हमले के बाद गिर गई थी।

पीओके में खुलेआम हो रहा मानवाधिकारों का उल्लंघन : एमईए

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में प्रदर्शनकारियों और वहां की जनता के साथ हो रहीं हिंसा की निंदा की। मंगलवार को विदेश मंत्रालय की प्रेस ब्रीफिंग में प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की कि वो मानवाधिकार हनन के लिए पाकिस्तान से जवाब तलब करे।

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में हो रही हिंसा में भारत के रुख को लेकर पूछे सवाल पर जायसवाल ने कहा, 'हमारी पड़ोस में हो रही गतिविधियों पर पूरी और करीबी नजर है। हम देख रहे हैं कि कैसे पाकिस्तान में मानवाधिकारों का हनन किया जा रहा है। अब तक 90 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। लोगों की मांगों का जवाब बुलेट और नेट बंदी से दिया जा रहा है। सब देख रहे हैं कि कैसे पाकिस्तान लोगों का उत्पीड़न कर रहा है।' उन्होंने दुनिया को इस पर ध्यान देने की अपील की। उन्होंने कहा, 'मानवाधिकार का हनन होते हमने देखा। हमने देखा लोगों को किस कदर मारा गया, उनके साथ ज्यादती हुई। इसने एक बार फिर जता दिया कि पाकिस्तान को मानवाधिकार के क्षेत्र में अभी बहुत कुछ करने की जरूरत है।

झारखंड में छात्रों पर लाठीचार्ज को लेकर संसद में घमासान, विपक्ष पर राजनीति करने का आरोप

एजेंसी ■ नई दिल्ली

झारखंड में विधानसभा का घेराव करने जा रहे छात्रों पर लाठीचार्ज का मुद्दा सड़क से लेकर संसद तक गर्माया हुआ है। कांग्रेस गृह मंत्री अमित शाह से सदन में जवाब देने की मांग पर अड़ी हुई है, वहीं भाजपा ने झारखंड सरकार की छात्रों पर लाठीचार्ज की कार्रवाई की निंदा करते हुए विपक्ष पर राजनीति करने का आरोप लगाया है।

कांग्रेस सांसद तारिक अनवर ने आईएएनएस से कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सदन में आकर जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा, 'उम्मीद करते हैं कि गृह मंत्री अमित शाह और प्रधानमंत्री मोदी लोकसभा और राज्यसभा में अपना दर्शन देंगे। यह मांग विपक्ष की ओर से लगातार हो रही है। मुझे इस बात पर हैरानी होती है कि लोकसभा जो देश की सबसे बड़ी पंचायत है, वहां पर पीएम मोदी और गृहमंत्री शाह को आने में आखिर क्या संकोच है।'

तारिक अनवर ने कहा कि लोकतंत्र में प्रधानमंत्री, गृहमंत्री या विपक्ष का कोई भी नेता हो, उसका सदन के प्रति दायित्व बनता है। उन्होंने कहा, 'सभी जानते हैं कि लोकतंत्र में प्रधानमंत्री, गृह मंत्री या फिर कोई विपक्ष का नेता हो, कोई भी हो, उसका सदन के प्रति कुछ दायित्व है और उनका सदन में आना आवश्यक है।' भाजपा सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल ने झारखंड में जेपीएससी छात्रों पर हुए लाठीचार्ज की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा, 'झारखंड में छात्रों के साथ गलत हो रहा है। छात्र वहां पर सही मांग के साथ धरना दे रहे हैं। वे शांतिपूर्ण धरना दे रहे हैं।' सिग्रीवाल ने आरोप लगाया, 'शांतिपूर्ण प्रदर्शन के बावजूद राज्य सरकार ने बल प्रयोग किया और छात्रों पर बर्बरतापूर्वक आंसू गैस के गोले दागे। इस कार्रवाई के लिए मैं झारखंड सरकार की कठोर शब्दों में भर्त्सना करता हूं। सरकार को तुरंत छात्रों से वार्ता करके उनकी मांगों को मानना चाहिए।'

भाजपा नेता रोहन गुप्ता ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा, 'छात्रों के नाम पर राजनीति करने वालों की पोल छात्रों ने ही खोलकर रख दी है। जंतर-मंतर पर जो लोग राजनीति कर रहे हैं, उसे पूरे देश ने देखा। झारखंड में छात्रों के ऊपर लाठीचार्ज हो रहा है लेकिन विपक्ष सिर्फ बयान पर बयान दे रहा है।' उन्होंने सवाल उठाया, 'इस समय राहुल गांधी कहां हैं? क्या झारखंड देश से बाहर है? क्या सिर्फ बयान से काम हो जाएगा? छात्रों को सिर्फ सहानुभूति नहीं बल्कि निर्णायक कार्रवाई से मतलब है। भाजपा सरकार ने छात्रों के साथ बैठकर हर मुद्दे पर चर्चा की लेकिन विपक्ष ने सिर्फ राजनीति की। छात्रों पर किसी भी प्रकार की बर्बरता नहीं होनी चाहिए।'

तीर तेवर — सागर कुमार

छत्तीसगढ़ के गरीबों के पक्के घर की बुलंद आवाज बने बृजमोहन

छत्तीसगढ़ में 9.81 लाख ग्रामीण आवास पूर्ण

विश्व केसरी■

नई दिल्ली । छत्तीसगढ़ के गरीब और ग्रामीण परिवारों के पक्के घर के सपने को रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने लोकसभा में मंगलवार को मजबूती से स्वर दिया। सांसद बृजमोहन अग्रवाल की पहल पर केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अंतर्गत छत्तीसगढ़ में हुए आवास निर्माण और जारी केंद्रीय सहायता का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया।

केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2021-22 से 2025-26 के दौरान छत्तीसगढ़ को 15,45,080 ग्रामीण आवासों का लक्ष्य दिया गया। इनमें 13,55,436 आवास स्वीकृत किए गए और 9,81,442 पक्के आवासों का निर्माण पूरा हो चुका है। इसके अतिरिक्त 3,73,994 आवास निर्माणाधीन हैं। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ में स्वीकृत आवासों में से 72.41 प्रतिशत आवास पूरे हो चुके हैं, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर यह दर लगभग 61.85 प्रतिशत है। यह उपलब्धि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गरीब-कल्याणकारी नीतियों और छत्तीसगढ़ में योजना के प्रभावी क्रियान्वयन का परिणाम है। पिछले पांच वर्षों में केंद्र सरकार ने छत्तीसगढ़ को 9,269.61 करोड़ रुपए का केंद्रीय अंश जारी किया। केंद्र और राज्य के हिस्से को मिलाकर प्रदेश में कुल 16,046.93 करोड़ रुपए का उपयोग ग्रामीण आवास निर्माण में किया गया है। योजना की शुरुआत से अब तक छत्तीसगढ़ को कुल 26,42,224 ग्रामीण आवासों का लक्ष्य आवंटित किया जा चुका है। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा, 'छत्तीसगढ़ में

पूर्ण हुए 9.81 लाख आवास केवल मकान नहीं हैं। ये गरीब माताओं की चिंता का समाधान, बेटियों की सुरक्षा, बच्चों के सपनों की छत और लाखों परिवारों के सम्मान का प्रतीक हैं।' उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गरीब परिवारों को केवल आवास नहीं, बल्कि सम्मान, सुरक्षा और बेहतर भविष्य का विश्वास दिया है। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण ने गांवों की तस्वीर और लाखों परिवारों की जिंदगी बदल दी है। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा, 'छत्तीसगढ़ मेरा परिवार है। प्रदेश का प्रत्येक पात्र परिवार पक्के घर में रहे, यही मेरा संकल्प है। निर्माणाधीन 3.74 लाख आवास पूरे होने के बाद इतने ही और परिवारों के जीवन में खुशहाली और सुरक्षा का नया अध्याय जुड़ेगा।' केंद्र सरकार ने बताया कि पिछले पांच वित्तीय वर्षों में देशभर में 2.13 करोड़ ग्रामीण आवासों का लक्ष्य आवंटित किया गया। इनमें 1.95 करोड़ आवास स्वीकृत किए गए और 1.21 करोड़ आवासों का निर्माण पूरा हो चुका है। इसके अतिरिक्त 74.59 लाख आवास निर्माणाधीन हैं। इस अवधि में केंद्र सरकार द्वारा राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को 1,31,100.02 करोड़ रुपए का केंद्रीय अंश जारी किया गया। केंद्र और राज्यों के हिस्से को मिलाकर योजना के अंतर्गत कुल 2,17,896.40 करोड़ रुपए का उपयोग हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण को 31 मार्च 2029 तक विस्तारित करते हुए देशभर में 4.95 करोड़ पक्के ग्रामीण आवासों के निर्माण का लक्ष्य निर्धारित किया है। अभी तक राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को 4.18 करोड़ आवासों का लक्ष्य आवंटित किया जा चुका है।

नौसेना के अगली पीढ़ी के अपतटीय गश्ती पोत 'श्रुति' को जीआरएसई यार्ड में किया गया लॉन्च

विश्व केसरी■

कोलकाता। गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) लिमिटेड ने 2026-27 के अंत तक नौसेना को पांच युद्धपोत सौंपने की योजना बनाई है। यह घोषणा जीआरएसई के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक कमोडोर पीआर हरि, आईएन (सेवानिवृत्त) ने मंगलवार 11 अगस्त को कोलकाता में श्रुति नामक अगली पीढ़ी के अपतटीय गश्ती पोत (एनजीओपीवी) के शुभारंभ के दौरान की।

श्रुति पोत जीआरएसई द्वारा निर्मित चार एनजीओपीवी में से दूसरी है, जिसे लॉन्च किया गया है। पहले पोत संघमित्रा को इस वर्ष 20 मई को लॉन्च किया गया था।

कमोडोर हरि ने कहा, 'हम इन चार एनजीओपीवी सहित नौ युद्धपोतों का निर्माण कर रहे हैं। हम इस वित्तीय वर्ष के अंत तक इनमें से पांच युद्धपोत सौंप देंगे। इसके अलावा, हम शेष दो एनजीओपीवी को भी तब तक लॉन्च कर देंगे।'

जिन युद्धपोतों की डिलीवरी की जाएगी, उनमें उन्नत स्टील्थ गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट विंध्यगिरि और चार पनडुब्बी रोधी उथले जल नौकाएं (एएसडब्ल्यूएसडब्ल्यूसी) शामिल हैं। श्रुति का शुभारंभ भारतीय नौसेना के युद्धपोत उत्पादन एवं अधिग्रहण नियंत्रक (सीडब्ल्यूपी एंड ए) वाइस एडमिरल संजय साधु की पत्नी मानिका साधु ने पारंपरिक अनुष्ठानों और श्लोकों के उच्चारण के बीच किया। इस अवसर पर वाइस एडमिरल संजय साधु मुख्य अतिथि थे। एनजीओपीवी पहले निर्मित अपतटीय गश्ती पोतों की तुलना में कहीं अधिक बड़े युद्धपोत होंगे और इनकी सहनशक्ति भी अधिक होगी। इन जहाजों में उन्नत सेंसर और उपकरण भी लगे होंगे।

पश्चिम एशिया के मौजूदा हालात को देखते हुए भारत और सऊदी अरब का संपर्क में रहना महत्वपूर्ण : राजदूत

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। सऊदी अरब में भारतीय दूतावास का कार्यभार संभालने से पहले भारत के नामित राजदूत विपुल ने कहा कि भारत और सऊदी अरब के बीच 'ऐतिहासिक और विशेष संबंध' हैं। उन्होंने भरोसा जताया कि आने वाले वर्षों में दोनों देशों के रिश्ते नई ऊंचाइयों तक पहुंचेंगे।

अरब न्यूज को दिए एक इंटरव्यू में विपुल ने कहा कि उन्हें इस बात पर गर्व और सम्मान महसूस हो रहा है कि भारत सरकार ने उन्हें सऊदी अरब में सेवा देने की

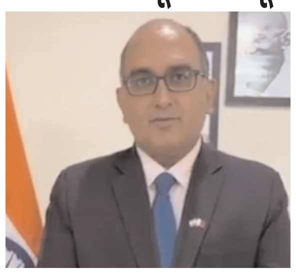

जिम्मेदारी सौंपी है। दो जून को विदेश मंत्रालय (एमईए) ने विपुल को सऊदी अरब में भारत का राजदूत नियुक्त किया था। वह जल्द ही अपना नया कार्यभार संभालेंगे। फिलहाल वह कतर में भारत के राजदूत के रूप में कार्यरत हैं।

भाजपा ने साजिश के तहत झारखंड में कराया आंदोलन : विजय वडेट्टीवार

विश्व केसरी■

मुंबई। कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार ने मंगलवार को वंदे मातरम बिल, शरद पवार की पीएम मोदी से मुलाकात और झारखंड में छात्रों के विरोध-प्रदर्शन सहित कई मुद्दों पर प्रतिक्रिया दी। झारखंड में छात्रों के विरोध-प्रदर्शन पर विजय वडेट्टीवार ने आईएएनएस से कहा, 'झारखंड का आंदोलन भाजपा समर्थित है। जंतर-मंतर के आंदोलन का महत्व कम करने के लिए साजिश के तहत झारखंड में आंदोलन शुरू कराया गया। भाजपा ने पश्चिम बंगाल से युवाओं को लाकर आंदोलन कराया।

राहुल गांधी हमेशा बच्चों के साथ रहे हैं। छात्रों के हक के लिए राहुल गांधी लड़ते आ रहे हैं।' विजय वडेट्टीवार ने एक्स पर लिखा, 'जब देश के युवा 20 दिनों तक जंतर-मंतर पर विरोध-प्रदर्शन कर रहे थे, तो न तो मोदी और न ही शाह और न ही उनके किसी मंत्री ने प्रदर्शनकारियों से मुलाकात की।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 7)
- : : मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर ::-
Email ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र. /34373/ न. पा. नि. जोन क्र. 7/2026
रायपुर, दिनांक 11-08-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 34373
वार्ड का नाम 38 - स्वामी आत्मानंद वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 33 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR715D00254** जो ज की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **PRAKASHCHAND JAIN** पिता/पति श्री श्रीमती **GULAB CHAND JAIN** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **BHAWNA JAIN** पिता / पति श्री श्रीमती **TRIHIL JAIN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / दान विलेख । वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
(जोन कमिश्नर)
जोन (7)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 7)
- : : मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर ::-
Email ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र. /34365/ न. पा. नि. जोन क्र. 7/2026
रायपुर, दिनांक 11-08-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 34365
वार्ड का नाम 23 शहीद मनमोहन सिंह बक्शी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 23 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR812E0073B** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **SHYAMA DEVI BEVA** पिता/पति श्री/श्रीमती **BRIJBALLABH PRASAD SHARMA** के नाम से दर्ज है जिसको श्री श्रीमती **FANINDRA KUMAR SHARMA** पिता/पति श्री श्रीमती **BRIJBALLABH SHARMA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / B1, मृत्यु प्रमाण पत्र शपथ पत्र / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पक्षात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
(जोन कमिश्नर)
जोन (7)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 7)
-: : मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर ::-
Email ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र. /.33921/ न. पा. नि. जोन क्र. 7/2026
रायपुर, दिनांक 11-08-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 33921
वार्ड का नाम 23 शहीद मनमोहन सिंह बक्शी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 23 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR812E00073** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **SHYAMA DEVI BEVA** पिता/पति श्री श्रीमती **BRIJBALLABH PRASAD SHARMA** के नाम से दर्ज है जिसको श्री श्रीमती फणीन्द्र कुमार शर्मा पिता/पति श्री श्रीमती स्व बृजबल्लभ प्रसाद शर्मा ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पक्षात प्राप्त दावा आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
(जोन कमिश्नर)
जोन (7)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 7)
- : : मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर::-
Email ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र. /.34375/ न. पा. नि. जोन क्र.7/2026
रायपुर, दिनांक 11-08-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 34375
वार्ड का नाम 24 - सरदार वल्लभ भाई पटेल वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 24 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR818D00297** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **Dukalha** पिता/पति श्री श्रीमती **Chatur Sahu** के नाम से दर्ज है जिसको श्री श्रीमत 1. अनुसुईया साहू पति फगुवा राम साहू 2. तुलसी साहू पति पुनीत राम साहू 3. रेवती साहू पति स्व महादेव साहू 4. रेखा बाई साहू पति द्वारिका साहू पिता/पति श्री श्रीमती....ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / सपथ पत्र / मृत्यु प्रमाण पत्र / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है,

प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
(जोन कमिश्नर)
जोन (7)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 3)
- : : शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुरः :-
Email ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र. /34321.... / न. पा. नि. / जोन क्रं
रायपुर 2 दिनांक 11-08-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 34321
वार्ड का नाम - 12 - कालीमाता वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 12 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR330B00063** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **P.K.MUKHRJI** पिता / पति श्री/श्रीमती **SHIVDAS** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती श्रीमती सुरेखा शर्मा पिता / पति श्री/श्रीमती पति महेश कुमार शर्मा ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है , प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे 7 निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी 7 जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

सूचना जारी करे '
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 7)
- : : मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर ::-
Email ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र. /34374/ न. पा. नि. जोन क्र.7/2026
रायपुर, दिनांक 11-08-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 34374
वार्ड का नाम - 25 - संत रामदास वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 25 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR818F0858C** ज जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **SHAILENDRA SINGH** पिता/पति श्री श्रीमती **BHUPENDRA SINGH TOAMAR** के नाम से दर्ज है जिसको श्री श्रीमती कमला बाई पटेल पिता / पति श्री श्रीमती दिरपाल सिंह पटेल ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
(जोन कमिश्नर)
जोन (7)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 7)
- : : मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर ::-
Email ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र. /34313 / न. पा. नि. जोन क्रं -7 /2026
रायपुर 2 दिनांक 11-08-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 34313
वार्ड का नाम - 36 - तात्यापारा वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 36 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR717D00280** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **SHANTI DEVI** पिता / पति श्री/श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती 01. तारा सिंह आहूजा, 02. श्री अविनाश आहूजा, 03. श्री जयन्त आहूजा पिता / पति श्री/श्रीमती 01. पिता जोगेन्द्र लाल आहूजा, 02. पिता स्व. जगदीश आहूजा, 03. पिता स्व. जगदीश आहूजा ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र ,दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत वसीयत नामा /वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है 7 यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा /आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी 7 जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

सूचना जारी करे '
डॉ. तृप्ति पाणिग्रही
(जोन कमिश्नर)
जोन (7)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 1)
- : : संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुरः-
Email ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र. /33525..../ न. पा. नि. जोन क्र.1/2026
रायपुर, दिनांक 28-07-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 33525
वार्ड का नाम - 5- बंजारी माता वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 5 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. **RPR105B0203A** जो की निगम अभिलेख श्री /श्रीमती **VIMLA TIWARI** पिता/पति श्री श्रीमती **LATE.R.D.TIWARI** के नाम से दर्ज है जिसको श्री श्रीमती 01. **RAVINDRA KUMAR TIWARI** 02. **YATHARTH TIWARI** पिता/पति श्री श्रीमती 01. **S/O LATE. RAJDEV TIWARI** 02. **S/O LATE. ARVIND KUMAR TIWARI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र प्रापथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / 01. **FOUTI NAMANTARAN** 02.Bv 03. **DEATH CERTIFICATE** 04. TAX RASHID 05. PURAN PROPERTY PEPAR 06. **VASIYATNAMA KE AADHAR PAR** / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पक्षात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 9)
-:: पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. /34246..../ न. पा. नि. जोन के 9/2026
रायपुर, दिनांक 10-08-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 34246
वार्ड का नाम 11-डॉ. भीमराव अम्बेडकर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 11 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. **RPR227J00009** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **HARNEK SINGH CHHATRI** पिता/पति श्री श्रीमती **EKBAL SINGH CHHATRI** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती मनप्रीत कौर पिता/पति श्री श्रीमती सतपाल सिंह गुरुदत्ता ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 9)
-:: पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. /34192..../ न. पा. नि. जोन के 9/2026
रायपुर, दिनांक 10-08-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 34192
वार्ड का नाम 11-डॉ. भीमराव अम्बेडकर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 11 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. **RPR227000065** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **NOHAR LAL MANHARE** पिता/पति श्री श्रीमती **ANANDI MANHARE** के नाम से दर्ज है जिसको श्री श्रीमती कृष्णा कुमार साहू पिता/पति श्री श्रीमती बाबूलाल साहू ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार। शपथ पत्र, मलमा बिक्रीनामा, टैक्स रसीद वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 1)
- : : संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर : : -
Email ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र. /33906..../ न. पा. नि. / जोन क्रं- 1/2026
रायपुर, दिनांक 30-07-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 33906
वार्ड का नाम 5 बंजारी माता वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 5 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR105H0568A** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **SUMAN LATA SHARMA** पिता / पति श्री/श्रीमती **NARESH SHARMA** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **SHIV NANDAN CHAUBEY** पिता / पति श्री/श्रीमती **THAGAI CHAUBEY** ने मृत्यु प्रमाण पत्र , सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 1)
- : : संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर : : -
Email ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र. /34287..../ न. पा. नि. / जोन क्रं 1/2026
रायपुर, दिनांक 11-08-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 34287
वार्ड का नाम 15 - कन्हैयालाल बाजारी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 15 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR108F00154** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **SAVITA AGRAWAL** पिता / पति श्री / श्रीमती **SANTOSH AGRAWAL** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **PALLAVI YAD** पिता / पति श्री/श्रीमती **BRIJGOPAL YADAU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 1)
- : : संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर : : -
Email ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र. /.34286..../ न. पा. नि. / जोन क्रं 1/2026
रायपुर, दिनांक 11-08-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 34286
वार्ड का नाम 15 कन्हैयालाल बाजारी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 15 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR108F0154A** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **SAVITA AGRAWAL** पिता / पति श्री / श्रीमती **SANTOSH AGRAWAL** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **ISHULATA YADU** पिता / पति श्री / श्रीमती **BRIJGOPAL YAD** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे 7 निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी 7 जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 1)
- : : संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर : : -
Email ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र. /34292.... / न. पा. नि. / जोन क्रं 1/2026
रायपुर, दिनांक 10-08-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 34292
वार्ड का नाम 5 बंजारी माता वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 5 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR105D0425A** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **VINAY SAHU** पिता / पति श्री/श्रीमती **LATE. MOHAN LAL SAHU** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **MORAJDHWAJ SAHU** पिता / पति श्री/श्रीमती **LATE.RAMESH SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / **MALMA BIKRINAMA SAPATH PATRA ADHAR CARD TAX RASID** / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है 7 यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे 7 निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 1)
- : : संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर : : -
Email ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र. /34294..../ न. पा. नि. / /जोन क्रं 1/2026
रायपुर, दिनांक 10-08-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 34294
वार्ड का नाम 5 बंजारी माता वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 5 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR105D00424** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **VINAY KUMAR SAH** पिता / पति श्री/श्रीमती **LATE MOHAN SAHU** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **MORAJDHWAJ SAHU** पिता / पति श्री/श्रीमती **LATE. RAMESH SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / **MALMA BIKRI NAMA SAPTH PATRA ADHAR CARD TAX RASID /** वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 2)
- : : शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर : : -
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्र. /34330..../ न. पा. नि. जोन क्र- 2/2026
रायपुर, दिनांक 11-08-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 34330
वार्ड का नाम 26-दानवीर भामाशाह वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 26 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR109B00209** जो की निगम अभिलेख श्री श्रीमती **VIJAY KUMAR RAM KRISHNA SAHU** पिता/पति श्री श्रीमती **VIJAY KUMAR** के नाम से दर्ज है जिसको श्री /श्रीमती श्रीमती मधु अग्रवाल पिता/पति श्री श्रीमती श्री प्रदीप अग्रवाल ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 2)
- : : शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर : : -
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्र. /34329..../ न. पा. नि. जोन क्र. 2/2026
रायपुर, दिनांक 11-08-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 34329
वार्ड का नाम 13 - राजीव गांधी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 13 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR222E00013** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **PURSOTTAM BHAI, SHANTI LAL, RAMESH BHAI S/O LATE ARJUN BHAI PATEL, LILA BEN W/O VASANT BHAI** पिता/पति श्री/श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती शांति लाल पटेल पिता / पति श्री श्रीमती श्री अर्जुन भाई पटेल ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / बटवारा नामा विलेख वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 2)
- : : शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर : : -
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्र. /34317..../ न. पा. नि. जोन क्र. 2/2026
रायपुर, दिनांक 11-08-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 34317
वार्ड का नाम 28 - शहीद हेमूकालाणी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 28 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. **RPR223N00051** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MRS. RESHMA KHATWANI** पिता/पति श्री श्रीमती **KISHORE KHATWANI** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती श्रीमती कोमल मेंघानी पिता/पति श्री श्रीमती श्री किशोर खटवानी ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत दानपत्र / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 2)
- : : शहीद स्मारक स्कूल भवन, स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर ::-
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्र. /34277..../ न. पा. नि. जोन क्र. 2/2026
रायपुर, दिनांक 11-08-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 34277
वार्ड का नाम 28 - शहीद हेमूकालाणी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 28 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. **RPR225A00418** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SMT. ANITA WASHWANI** पिता/पति श्री श्रीमती **RAJESH WASHWANI** के नाम से दर्ज है जिसको श्री श्रीमती श्रीमती संध्या गुप्ता पिता/पति श्री श्रीमती हरि नारायण गुप्ता ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार। पंजीकृत विक्रय विलेख वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
(जोन कमिश्नर)
जोन (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 2)
- : : शहीद स्मारक स्कूल भवन, स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर ::-
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्र. /34288..../ न. पा. नि. जोन क्र. 2/2026
रायपुर, दिनांक 11-08-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 34288
वार्ड का नाम 13 - राजीव गांधी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 13 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR223G00023** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **PRABHASHANKAR JOSHI** पिता/पति श्री/श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको श्री श्रीमती श्री जगदीश चन्द्र जोशी पिता/पति श्री श्रीमती स्व. श्री प्रभा शंकर जोशी ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार // वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

मध्य प्रदेश में सरकारी योजनाओं के लिए खेती की भूमि के अधिग्रहण पर मुआवजा चार गुना: सीएम मोहन यादव

विश्व केसरी

भोपाल । मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने एक बार फिर दोहराया है कि राज्य की सरकार खेती और किसानों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। सरकारी योजनाओं के लिए किसानों की कृषि भूमि अधिग्रहित किए जाने पर उन्हें चार गुना मुआवजा दिया जाएगा।

मंत्रालय से भोपाल की करौंद कृषि उपज मंडी परिसर में हुए बलराम कृषि महोत्सव को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि हमारी सरकार खेती और किसान के हितों की रक्षा के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने किसानों से अपनी जमीन हर हाल में सुरक्षित रखने की अपील की।

उन्होंने कहा कि भूमि हमारी माता है। यह हमारा उदर-पोषण करती है। इसे किसी को न बेचें। मुख्यमंत्री यादव ने किसानों को भरोसा देते हुए कहा कि किन्हीं भी शासकीय योजनाओं के निर्माण के लिए कृषि भूमि का अधिग्रहण करने पर किसानों को एक-दो नहीं, पूरे चार गुना मुआवजा दिया जाएगा।

सीएम मोहन यादव ने किसानों से कहा कि आपके खेत सरकार के लिए देवस्थल है और आपका एक-एक दाना हमारे लिए प्रसाद के समान है। आपके पसीने की हरेक बूंद के सम्मान के लिए हमारी सरकार हमेशा आपके साथ है। उन्होंने कहा कि बलराम कृषि महोत्सव किसानों की मेहनत, समर्पण और कृषि क्षेत्र में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को सम्मान देने का माध्यम है।

उन्होंने वीसी से बलराम कृषि महोत्सव में मौजूद किसानों से संवाद भी किया। मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि हमारी सरकार ने किसानों को आर्थिक सुरक्षा देने के उद्देश्य से 'कवच' योजना शुरू की है। इससे सहकारी खातों की पुरानी गड़बड़ियां दूर कर 5 हजार किसानों को ऋण और विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलाया गया है।

किसानों को बिना ब्याज के ऋण और ऋण चुकाने के लिए पूरे 12 महीने का समय देने की व्यवस्था भी इस योजना में की गई है।

दक्षिण कोरिया: मार्शल लॉ प्रकरण में पब्लिक ब्रॉडकास्टर 'केटीवी' के पूर्व प्रमुख पर 'विद्रोह प्रचार' का आरोप तय

विश्व केसरी

सोल । पूर्व राष्ट्रपति यून सुक योल ने 2024 में जब मार्शल लॉ की घोषणा की थी तो सरकारी प्रसारक केटीवी के प्रमुख ली उन-वू ने उसके पक्ष में खबरें ब्रॉडकास्ट कराई थीं। इसे विशेष जांच दल ने 'विद्रोह का प्रचार' मानते हुए उनके खिलाफ आरोप तय किए हैं। जांच दल ने उन्हें गिरफ्तार किए बिना मुकदमे के लिए भेज दिया है।

योनहाप न्यूज एजेंसी के मुताबिक उन पर आरोप है कि 3 दिसंबर 2024 को मार्शल लॉ लागू किए जाने के बाद करीब 10 दिनों तक ली ने केटीवी पर ऐसे समाचार बार-बार प्रसारित करवाए, जिनमें यून के मार्शल लॉ को वैध बताया गया। जांच दल का कहना है कि इस दौरान आपातकालीन कदम की आलोचना करने वाली खबरों को दबाया और हटाया भी गया।

दक्षिण कोरिया के आपराधिक कानून की धारा 90 के तहत विद्रोह को उकसाने या उसका प्रचार करने पर कम से कम तीन साल की सजा का प्रावधान है।

विशेष जांच दल ने इस मामले में कथित विद्रोह की अवधि 4 दिसंबर 2024 तक नहीं, बल्कि 14 दिसंबर 2024 तक मानी है। 14 दिसंबर को नेशनल असेंबली ने यून सुक योल के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पारित किया था।

ली उन-वू पर पहले भी यून के मार्शल लॉ के खिलाफ आलोचनात्मक सामग्री को सेंसर करने के आरोप में अलग मुकदमा चल चुका है। उस मामले में उन्हें जून में एक साल की सस्पेंडेड जेल सजा सुनाई गई थी। हालांकि, उस समय विशेष जांच दल ने उन्हें 'विद्रोह के प्रचार' के आरोप से मुक्त कर दिया था। मई में मौजूदा विशेष जांच दल ने ली की गिरफ्तारी का वारंट भी मांगा था, लेकिन अदालत ने इसे खारिज करते हुए कहा था कि आरोपों को लेकर विवाद की गुंजाइश है। केटीवी, संस्कृति, खेल और पर्यटन मंत्रालय से संबद्ध कोरिया पॉलिसी ब्रॉडकास्टिंग सर्विस के तहत संचालित होता है।

सीरिया के पूर्व राष्ट्रपति बशर अल असद को कोर्ट ने सुनाई मौत की सजा

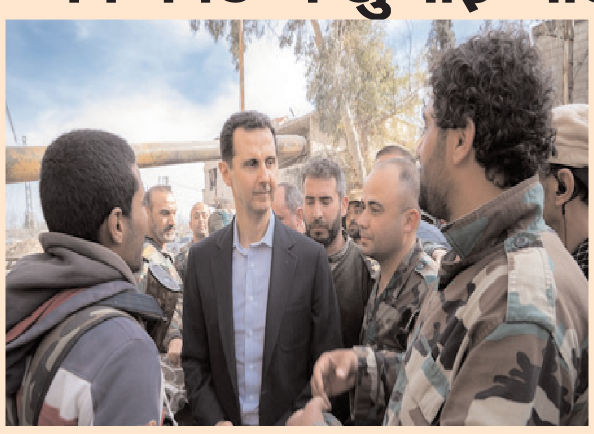

विश्व केसरी

दमिश्क । सीरिया के पूर्व राष्ट्रपति बशर अल-असद और कई पूर्व अधिकारियों को कोर्ट ने मौत की सजा सुनाई है। स्थानीय मीडिया ने मंगलवार को बताया कि उन्हें विरोधियों को गैर-कानूनी तरीके से हिरासत में रखने, पूर्व नियोजित हत्या, यातना और मानवता विरोधी अपराधों का दोषी माना गया है।

कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि उनका पद सबसे ऊंचा था, लेकिन उन्होंने उसका मान नहीं रखा और कानून का उल्लंघन किया । सीरियन अरब न्यूज एजेंसी (एसएएनए) ने बताया कि कोर्ट ने बशर अल-असद के ममेरे भाई और दारा शहर में पूर्व राजनीतिक सुरक्षा चीफ, अतेफ नजीब को भी मौत की सजा सुनाई है। पूर्व राष्ट्रपति कोर्ट में मौजूद नहीं थे फिलहाल वो रूस में निर्वासित जीवन बिता रहे हैं।

कोर्ट ने 'भगोड़े' लौए अली अल-अली, माहेर हाफिज अल-असद, फहद जस्सम अल-फ्रीज, मोहम्मद अयमान अयूश, कुसे इब्राहिम महयूब, वाफिक सालेह नासिर और तलाल फारेस अल-अयसामी को भी सजा-ए-मौत का फरमान सुनाया।

सीरिया के पूर्व राष्ट्रपति असद की सरकार 8 दिसंबर, 2024 को हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएस) और उससे जुड़े आतंकी समूह के हमले के बाद गिर गई थी। सीरिया में अपनी सरकार गिरने के बाद बशर अल-असद अपने परिवार के साथ मॉस्को चले गए थे।

यमन के पास कमर्शियल जहाज पर हूती का हमला, क्रू के तीन सदस्यों की मौत

विश्व केसरी

सना। यमन के हूती समूह ने मंगलवार को बाब अल-मंदाब स्ट्रेट से गुजर रहे एक कमर्शियल जहाज पर हमला किया। सरकार के समर्थन में काम करने वाले एक यमन मीडिया आउटलेट ने बताया कि इस हमले में क्रू के तीन सदस्य मारे गए।

शुरुआती जानकारी के अनुसार, सरकार समर्थक नेशनल रेजिस्टेंस फोर्सेज के अलजौम्हौरिया टीवी ने बताया कि हमले में जहाज पर सवार दो पाकिस्तानी नागरिक और एक इंडोनेशियाई नागरिक मारे गए।

रिपोर्ट में जहाज की पहचान नहीं बताई गई और न ही हमले में इस्तेमाल किए गए हथियार के बारे में बताया गया। जहाज को कितना नुकसान हुआ है या बाकी क्रू की हालत कैसी है, इस बारे में तुरंत कोई जानकारी नहीं मिली।

न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, हूती विद्रोहियों ने अभी तक इस हमले पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

यह घटना हाल ही में यमन के पास के पानी में कमर्शियल शिपिंग पर हूतियों के बढ़ते हमलों के साथ-साथ पड़ोसी सऊदी अरब में सरकारी इलाकों और टारगेट पर मिसाइल और ड्रोन हमलों के बीच हुई है।

इससे पहले 20 जुलाई को, हूतियों ने लाल सागर में सऊदी से जुड़े शिपिंग पर प्रतिबंध लगाने का ऐलान किया और इसे हूतियों के कब्जे वाले इलाकों की सऊदी नाकाबंदी बताया।

यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार ने सोमवार को कहा कि वह लगातार हूतियों के हमलों का जवाब देगी। सरकार के कब्जे वाले इलाकों में मिसाइल और ड्रोन हमलों की बढ़ती लहर से बड़े पैमाने पर लड़ाई का खतरा बढ़ गया है।

सरकारी सबा न्यूज एजेंसी के अनुसार, यमन की प्रेसिडेंशियल लीडरशिप काउंसिल (पीएलसी) के चेयरमैन रशद अल-अलीमी ने कहा कि सरकारी सेनाएं इस नई बढ़ोतरी का सामना करने के लिए बेहतर तरीके से तैयार हैं और अब हूती को सैन्य टकराव का समय और दायरा तय करने की इजाजत नहीं देंगी।

सऊदी की राजधानी रियाद में यमन की राजनीतिक प्रक्रिया का समर्थन करने वाले देशों के राजदूत के साथ एक मीटिंग के दौरान, अल-अलीमी ने कहा कि सरकार ने 2022 में संयुक्त राष्ट्र की मध्यस्थता से हुए युद्धविराम के बाद बनी शांति को बनाए रखने की कोशिश की थी, लेकिन वह शांति के अपने वादे को हूतियों को बिना किसी नतीजे के हमले करने का मौका नहीं देगी।

सबा न्यूज एजेंसी ने अल-अलीमी के हवाले से बताया, 'सरकार ने इस बढ़ोतरी की शुरुआत नहीं की, न ही उसने इसकी मांग की।'

उन्होंने कहा कि हाल के हमलों से पता चलता है कि सैन्य और राजनीतिक हालात बदल गए हैं। मारिब, हद्रामौत और पश्चिमी तट पर हमले अब बिना खर्च के नहीं होंगे।

झारखंड में छात्रों के प्रदर्शन से दिल्ली पुलिस की ज्यादती से ध्यान नहीं भटका सकती केंद्र सरकार : कांग्रेस

विश्व केसरी

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने मंगलवार को झारखंड में विधानसभा घेराव के दौरान प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई की निंदा की। साथ ही, उन्होंने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि वह झारखंड का मुद्दा उठाकर 20 जुलाई को संसद मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों पर हुई कथित पुलिस ज्यादती से ध्यान नहीं भटका सकती।

केसी वेणुगोपाल की यह प्रतिक्रिया उस समय आई, जब दिन में संसद के मकर द्वार के बाहर एनडीए और विपक्षी सांसदों ने एक-दूसरे के खिलाफ प्रदर्शन किया।

जहां एनडीए ने विपक्ष पर संसद की कार्यवाही बाधित करने का आरोप लगाया, वहीं विपक्ष ने मांग की कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सदन में मौजूद होकर प्रदर्शनकारी छात्रों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई, खासकर पैलेट गन के इस्तेमाल के मुद्दे पर जवाब दें।

संसद भवन के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए केसी वेणुगोपाल ने कहा कि छात्रों के खिलाफ कहीं भी की गई पुलिस कार्रवाई निंदनीय है।

उन्होंने कहा, 'जब भी दिल्ली में छात्रों पर हुए अत्याचार का गंभीर सवाल उठाया जाता है, तो वे यही जवाब देते हैं।

छात्रों पर जहां भी हमला होता है, हम उसकी निंदा करते हैं। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी यही कहा था लेकिन झारखंड का मुद्दा उठाकर आप दिल्ली में हुई ज्यादती से ध्यान नहीं भटका सकते। 'केसी वेणुगोपाल राहुल गांधी की सोमवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर की गई उस पोस्ट का जिक्र कर रहे थे, जिसमें उन्होंने झारखंड में परीक्षा संबंधी कथित अनियमितताओं के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस कार्रवाई को गलत बताया था।

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा था, 'झारखंड में प्रदर्शन कर रहे छात्रों के खिलाफ बल प्रयोग गलत है। छात्रों को शांतिपूर्ण प्रदर्शन का अधिकार है और केवल संवाद से ही समाधान निकल सकता है।

केरल राज्य सड़क परिवहन निगम की मदद के लिए आगे आई सहकारी संस्था, नई बस सौंपने का फैसला

विश्व केसरी

तिरुवनंतपुरम । एक सहकारी संस्था ने आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहे केरल राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी) की मदद के लिए कदम आगे बढ़ाया है। संस्था ने अपने जनकल्याण कोष से एक नई बस खरीदकर राज्य परिवहन निगम को सौंपने का फैसला किया है।

कलिकट सिटी सर्विस कोऑपरेटिव सोसाइटी ने करीब 40 लाख रुपए खर्च कर केएसआरटीसी के लिए नई बस खरीदी है। प्रस्ताव है कि यह बस कोझिकोड-पालक्काड-मुथालामाडा-परंबिकुलम रूट पर चलाई जाए।

परिवहन मंत्री सीपी जॉन ने मंगलवार को पहल का स्वागत करते हुए कहा कि यह इस बात का बेहतरीन उदाहरण है कि लोगों की भागीदारी से सार्वजनिक क्षेत्र की संस्थाओं को कैसे मजबूत किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि यह कदम अन्य सहकारी संस्थाओं, स्थानीय निकायों और जनप्रतिनिधियों के लिए भी एक आदर्श मॉडल बन सकता है। सरकार एक प्रस्ताव पर सक्रिय रूप से विचार कर रही है, जिसके तहत सहकारी संस्थाओं को अपने जनकल्याण कोष का इस्तेमाल केएसआरटीसी की मदद के लिए करने की अनुमति दी जा सके। इस संबंध में जल्द ही सकारात्मक फैसला आने की उम्मीद है। यह पहल ऐसे समय में हुई है, जब केएसआरटीसी पुराने बस बेड़े का विस्तार और आधुनिकीकरण करने की कोशिश कर रहा है। सरकार ने सड़कों पर 2,000 नई बसें उतारने का लक्ष्य रखा है। मंत्री ने कहा कि लोगों की भागीदारी से होने वाली ऐसी पहलें इस लक्ष्य को हासिल करने में मददगार साबित हो सकती हैं।

चीनी रॉकेट लॉन्ग मार्च 7ए लॉन्च के कुछ ही सेकंड बाद विस्फोट का हुआ शिकार, संचार उपग्रह हुआ नष्ट; चीन ने शुरू की जांच

विश्व केसरी

नई दिल्ली। चीन के अंतरिक्ष कार्यक्रम को सोमवार रात बड़ा झटका लगा, जब लॉन्ग मार्च 7ए रॉकेट प्रक्षेपण (लॉन्च) के कुछ ही समय बाद हवा में विस्फोट का शिकार हो गया। इस दुर्घटना में वह संचार उपग्रह भी नष्ट हो गया, जिसे रॉकेट पृथ्वी की कक्षा में स्थापित करने के लिए ले जा रहा था। यह घटना चीन के अंतरिक्ष मिशनों में अपेक्षाकृत दुर्लभ विफलताओं में से एक मानी जा रही है।

सीएनएन की रिपोर्ट में कहा गया है कि रॉकेट ने चीन के हैनान द्वीप स्थित वेनचांग स्पेस लॉन्च सेंटर से उड़ान भरी थी। लॉन्च के लगभग 85 सेकंड बाद रॉकेट हवा में टूट गया और एक विशाल अग्निगोले में बदल गया। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें रॉकेट को उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद बिखरते हुए देखा जा सकता है।

रॉकेट में झोंगशिंग-4बी (चाइनासैट-4बी) संचार उपग्रह लगाया गया था, जिसका उपयोग दुनिया भर में रेडियो, टेलीविजन और अन्य संचार सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए किया जाना था। हादसे के कारण यह मिशन पूरी तरह विफल हो गया।

घटना के करीब तीन घंटे बाद चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने मिशन की विफलता की पुष्टि की। एजेंसी ने बताया कि उड़ान के दौरान रॉकेट में 'तकनीकी असामान्यता' उत्पन्न हुई, जिसके कारण मिशन सफल नहीं हो सका।

रिपोर्ट के मुताबिक, इस दुर्घटना को लेकर चीन के सरकारी मीडिया में अपेक्षाकृत कम जानकारी दी गई। वहीं चीनी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म शियाओहोंगशू और डोयिन पर भी लॉन्च के वीडियो मुख्य रूप से सरकारी या राज्य समर्थित अकाउंट्स तक सीमित दिखाई दिए। निजी उपयोगकर्ताओं द्वारा पोस्ट किए गए कई वीडियो सर्च परिणामों से हटाए गए या उनकी दृश्यता कम कर दी गई।

इस विफलता के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि रॉकेट में तकनीकी खराबी किस वजह से आई और उड़ान के शुरुआती चरण में ही वह क्यों नष्ट हो गया।

गौरतलब है कि लॉन्ग मार्च 7ए चीन के सबसे महत्वपूर्ण प्रक्षेपण वाहनों में से एक माना जाता है और इसे बीजिंग के अंतरिक्ष कार्यक्रम का 'वर्कहॉर्स' कहा जाता है। इसका विकास चाइना एकेडमी ऑफ लॉन्च व्हीकल टेक्नोलॉजी ने किया है, जो सरकारी कंपनी चाइना एयरोस्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी कॉरपोरेशन (सीएएससी) की सहायक इकाई है।

यह लॉन्ग मार्च 7ए का 18वां मिशन था। इससे पहले इस रॉकेट को केवल एक बार, वर्ष 2020 में अपनी पहली उड़ान के दौरान असफलता का सामना करना पड़ा था। इसके बाद से यह कई सफल मिशनों को पूरा कर चुका था।

तमिलनाडु: चेन्नई पुलिस ने रिश्वतखोरी से निपटने के लिए शुरू किया स्पेशल एंटी-करप्शन सेल

विश्व केसरी

चेन्नई । ग्रेटर चेन्नई पुलिस ने एक खास 'एंटी-करप्शन स्पेशल सेल' शुरू किया है। इसका मकसद उन पुलिसकर्मियों के खिलाफ जनता की शिकायतें लेना है, जिन पर सरकारी काम करने के बदले रिश्वत मांगने का आरोप है। यह कदम पुलिस बल में पारदर्शिता बढ़ाने और जनता का भरोसा मजबूत करना है।

मंगलवार को इस पहल की घोषणा करते हुए ग्रेटर चेन्नई पुलिस कमिश्नर ए. अमलराज ने कहा कि यह स्पेशल सेल नागरिकों को पुलिसकर्मियों से जुड़े भ्रष्टाचार के मामलों की रिपोर्ट करने के लिए जरिया बनेगा।

उन्होंने कहा कि जो लोग पुलिसकर्मियों से रिश्वत की मांग का सामना करते हैं, वे एंटी-करप्शन स्पेशल सेल से 78717-23000 पर संपर्क कर सकते हैं। शिकायतें सीधे नंबर पर कॉल करके या व्हाट्सएप के जरिए जानकारी भेजकर दर्ज कराई जा सकती हैं। पुलिस ने भरोसा दिलाया कि शिकायत करने वालों की पहचान और अन्य जानकारी पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी ताकि लोग बिना किसी डर के भ्रष्टाचार के मामलों की रिपोर्ट कर सकें।

कमिश्नर के अनुसार, कॉन्स्टेबल से लेकर सीनियर अधिकारियों तक, ज्यादातर पुलिसकर्मी अपनी जिम्मेदारियां ईमानदारी से निभाते हैं और गैर-कानूनी तरीके से पैसे या फायदा नहीं मांगते। हालांकि, कुछ पुलिसकर्मियों की गलत हरकतें पूरी फोर्स की साख को नुकसान पहुंचा सकती हैं और जनता के बीच पुलिस पर बने भरोसे को कम कर सकती हैं।

इसलिए, ऐसे मामलों की पहचान करने और विश्वसनीय शिकायतें मिलने पर तुरंत कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए यह नया सेल बनाया गया है। ग्रेटर चेन्नई पुलिस ने कहा कि स्पेशल सेल के जरिए मिली हर जानकारी या शिकायत की अच्छी तरह से जांच की जाएगी। अगर जांच के दौरान रिश्वतखोरी के आरोप सही पाए जाते हैं, तो संबंधित पुलिसकर्मियों के खिलाफ उचित और तुरंत कार्रवाई की जाएगी।

विचार

विश्व केसरी

संपादकीय

जिसका डर था वही हुआ! किम जोंग उन ने उतारे 50000 सैनिक, खुशी से झूम उठे पुतिन

अभिनय आकाश

रूस और यूक्रेन की जंग को 4 साल से ज्यादा बीत चुका है। दुनिया को लगा था कि यह युद्ध थमेगा लेकिन यह तो और भी भयानक होता जा रहा है। तबाही का मंजर ऐसा है कि इसका असर सिर्फ कीव या फिर मॉस्को पर नहीं है बल्कि पूरी दुनिया पर दिखाई दे रहा है। पड़ता दिखाई दे रहा है। लेकिन अब इस जंग में एक ऐसी एंट्री हुई है जिसने नाटो से लेकर अमेरिका तक की रातों की नींद उड़ा दी है। पुतिन के सबसे भरोसेमंद दोस्त किम जोंग उन ने अब सिर्फ मिसाइलों से ही नहीं बल्कि अपने 50000 खूंखार सैनिकों को युद्ध के मैदान में उतारने का बड़ा ऐलान कर दिया है। बहुत बड़ा फैसला ले ली है। इस खबर ने राष्ट्रपति जेलेंस्की को हिला कर रख दिया है।

पिछले कुछ सालों से रूस और यूक्रेन के बीच हमले फिर से भीषण हो गए। रूसी रक्षा मंत्रालय का दावा है कि उन्होंने यूक्रेन के 150 से ज्यादा ड्रोन को मार गिराया और रूस ने यूक्रेन के खारकीव और ओसा जैसे बड़े शहरों पर बारूद की ऐसी बारिश की है कि चारों तरफ सिर्फ मलबा ही मलबा नजर आ रहा है। लेकिन यूक्रेन भी शांत नहीं बैठा है। कुछ ही घंटे पहले यूक्रेन ने सीमा के करीब 12,000 कि.मी. दूर रूस के एक महत्वपूर्ण तेल रिफाइनरी सेंटर पर अब तक का सबसे बड़ा ड्रोन हमला किया है। इस हमले में 12 लोगों की जान भी गई है और 39 घायल बताए जा रहे हैं। जैसा कि रटर्स की रिपोर्ट में है। यानी जंग अब सीमा से निकल कर रूस के दिल तक पहुंच गई है।

नाटो की मदद और किम जोन की एंट्री?

जब अमेरिका, जर्मनी और ब्रिटेन जैसे देश यूक्रेन को घातक हथियार भेज रहे हैं तो पुतिन ने भी अपना सबसे बड़ा पत्ता खोल दिया है और रिपोर्ट के मुताबिक उत्तर कोरिया ने रूस में 300 से 500

सैनिक तैनात करने का फैसला किया है। जेलस्की अब बुरी तरह से घबराए हुए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट करके बताया कि कैसे उत्तर कोरियाई सैनिक अब सीधे रूस की तरफ से लड़ेंगे। जेलंस्की ने दक्षिण कोरिया से एयर डिफेंस सिस्टम लेने के लिए मदद की गुहार लगाई है। उन्होंने साफ कह दिया है कि हमें ड्रोन और एयर डिफेंस के मामले में तुरंत सहयोग चाहिए क्योंकि खतरा अब दो गुना हो चुका है। अब बात सिर्फ सैनिकों तक सीमित नहीं है दोस्तों। उत्तर कोरिया ने अपनी एक घातक मिसाइल यूनिट भी रूस भेज दी है। करीब 90 जांबाज सैनिक वाली यह यूनिट रूस की 112वीं मिसाइल ब्रिगेड के साथ मिलकर काम करेगी। इतना ही नहीं रूस इस तैनाती के जरिए 120 उत्तर कोरियाई बैलेस्टिक मिसाइलें और छह भारी भरकम लांचर युद्ध में झोंकने वाला है। पहले किम जोंग सिर्फ गोला बारूद भेज रहे थे लेकिन अब पहली बार उत्तर कोरिया की पूरी मिसाइल यूनिट रूसी धरती पर तैनात है। यह रूस और उत्तर कोरिया के सैन्य संबंधों का सबसे बड़ा और खतरनाक विस्तार है।

आखिर किम जोंग उन इतना रिस्क क्यों ले रहे हैं?

जून 2024 में जब राष्ट्रपति पुतिन पयोंग योंग पहुंचे थे तब दोनों देश के बीच एक ऐतिहासिक रक्षा संधि हुई। इस संधि में साफ लिखा है कि अगर किसी भी देश पर बाहरी हमला होता है तो दूसरा देश तुरंत सैन्य मदद करेगा। यह ठीक वैसा ही है जैसा नाटो का आर्टिकल पांच काम करता है। साल 204 की शुरुआत में भी उत्तर कोरिया ने रूस के कुछ क्षेत्र में 14,000 सैनिक भेजे थे जिन्होंने यूक्रेनी सेना को पीछे धकेलने में बहुत बड़ी भूमिका निभाई।

प्रकृति और संस्कृति का अनूठा संगम हरेली तिहार

आचार्य ललित मुनि

लोक संस्कृति में प्रकृति और जीवन एक दूसरे से अलग नहीं माने जाते। पेड़ पौधों, नदियों, पर्वतों और पशुओं के साथ साथ मनुष्य की आजीविका के साधनों तक में ईश्वरीय चेतना का अनुभव किया जाता है। छत्तीसगढ़ का हरेली तिहार इसी जीवन दर्शन का सजीव उदाहरण है। यह केवल कृषि पर्व नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, श्रम के सम्मान और लोक संस्कृति का उत्सव है।

हरेली शब्द का अर्थ ही हरियाली से जुड़ा है। वर्षा ऋतु के आगमन के साथ जब धरती हरी चादर ओढ़ लेती है और धान की फसल खेतों में लहलहाने लगती है, तब किसान प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त करता है। यह समय खेती के सबसे महत्वपूर्ण दौर का होता है। जुताई और बुआई का कार्य लगभग पूरा हो चुका होता है और किसान अच्छी वर्षा तथा भरपूर फसल की कामना करता है।

देश के अनेक भागों में सावन की अमावस्या को हरियाली अमावस्या के रूप में मनाया जाता है, लेकिन छत्तीसगढ़ में यही पर्व हरेली तिहार के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है। यहां झूले डालने की परंपरा नहीं है, बल्कि कृषि, पशुधन और लोक परंपराओं का विशेष महत्व दिखाई देता है।

हरेली के दिन किसान अपने कृषि उपकरणों जैसे हल, नांगर, कुदाली, गैंती, फावड़ा, रापा और अन्य औजारों को साफ कर एक स्थान पर रखकर उनकी पूजा

करते हैं। यह परंपरा बताती है कि भारतीय किसान अपने श्रम के साधनों को केवल उपकरण नहीं, बल्कि जीवन का आधार मानता है। इसी दिन बैलों की भी पूजा की जाती है, क्योंकि खेती में उनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है।

इस अवसर पर घरों में गुड़ का चीला सहित अनेक पारंपरिक व्यंजन बनाए जाते हैं। अधिकांश परिवार अपने कुलदेवता और ग्राम देवता की पूजा करते हैं। कुछ क्षेत्रों में स्थानीय परंपराओं के अनुसार विशेष अनुष्ठान भी संपन्न किए जाते हैं। यह पर्व सामाजिक और पारिवारिक एकता को भी मजबूत बनाता है।

हरेली से जुड़ी अनेक लोक परंपराओं के पीछे गहरा वैज्ञानिक आधार भी दिखाई देता है। इस दिन गांवों में गाय, बैल और भैंसों को अरंड और नमक खिलाने की परंपरा है। यादव समाज के लोग घर घर जाकर पशुओं को यह खिलाते हैं। इसके साथ ही वे किसानों को दशमूल कंद और वन गोंदली अर्थात जंगली प्याज भी देते हैं। परिवार इनका सेवन प्रसाद के रूप में करता है।

वर्षा ऋतु में घरों के दरवाजे पर नीम की डालियां लगाने की परंपरा भी प्रचलित है। कई स्थानों पर भेलवा के पत्ते भी लगाए जाते हैं। लोक मान्यताओं के साथ साथ इन परंपराओं का स्वास्थ्य विज्ञान से भी संबंध है। नीम में रोगाणुरोधी गुण होते हैं, जबकि दशमूल और जंगली प्याज जैसी वनौषधियां शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में सहायक मानी जाती हैं। इसी प्रकार अरंडी और खम्हार के पत्तों का उपयोग पशुओं की सुरक्षा के लिए किया जाता रहा है।

हरेली का सबसे आकर्षक पक्ष गेड़ी है। बांस से बनी ऊंची गेड़ी पर संतुलन बनाकर चलना छत्तीसगढ़ की विशिष्ट लोक परंपरा है।

बच्चे और युवा गेड़ी पर चढ़कर गांव में घूमते हैं तथा प्रतियोगिताओं में भाग लेते हैं। पहले वर्षा के दिनों में जलभराव वाले क्षेत्रों में आवागमन के लिए भी गेड़ी उपयोगी थी। आज यह छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान बन चुकी है।

हरेली के दिन गांवों और कस्बों में नारियल फेंक, बैल दौड़, कबड्डी आदि प्रतियोगिता भी आयोजित होती है। पूजा के बाद चौक चौराहों पर युवाओं की टोलियां जुटती हैं और देर रात तक यह प्रतियोगिता चलती है। इससे पर्व में उत्साह और सामुदायिक सहभागिता का वातावरण बनता है।

छत्तीसगढ़ में हरेली का संबंध केवल कृषि से नहीं, बल्कि लोक तंत्र साधना और पारंपरिक ज्ञान से भी माना जाता है। लोक मान्यता है कि इसी दिन से बैगा और गुनिया अपने शिष्यों को विभिन्न मंत्रों और पारंपरिक उपचार विधियों की शिक्षा देना आरंभ करते हैं, इसे पाठ-पीढा देना भी कहते हैं।

ग्रामीण समाज में यह ज्ञान लोक चिकित्सा, सर्पदंश, विष उपचार और अन्य पारंपरिक उपचार पद्धतियों से जुड़ा रहा है। इन परंपराओं के साथ अनेक लोक विश्वास भी जुड़े हैं, जो आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में किसी न किसी रूप में जीवित हैं।

हरेली के अवसर पर गांव का लोहार और अन्य परंपरागत कारीगर भी किसानों के घर जाकर शुभ कार्य करते हैं। वे चौखट पर कील ठोकते हैं, औषधीय वनस्पतियां घर में लगाने की सलाह देते हैं और बदले में किसान उन्हें धान, चावल तथा अन्य उपहार देकर सम्मानित करते हैं। यह व्यवस्था गांव की पारंपरिक सामाजिक और आर्थिक संरचना का महत्वपूर्ण हिस्सा रही है।

आज आधुनिक जीवन शैली के कारण हरेली की अनेक परंपराएं धीरे धीरे कम होती जा रही हैं। फिर भी कृषि उपकरणों की पूजा, बैलों का सम्मान, गेड़ी चलाना और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना आज भी इस पर्व की आत्मा बने हुए हैं। हरेली हमें यह संदेश देता है कि मनुष्य का विकास प्रकृति से जुड़कर ही संभव है।

बदलते परिवेश में आज भी हरेली केवल एक लोक पर्व नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की उस जीवन दृष्टि का उत्सव है जिसमें धरती, जल, वन, पशु, औजार और मनुष्य सभी एक दूसरे के पूरक हैं। यही कारण है कि हरेली आज भी छत्तीसगढ़ की लोक चेतना, कृषि संस्कृति और प्रकृति संरक्षण की अमूल्य धरोहर के रूप में पूरे उत्साह के साथ मनाया जाता है।

ईरान युद्ध से अमेरिका में बेचैनी: तेल, ट्रंप और ट्रेजरी पर बढ़ता बोझ

सुजीत कुमार

ईरान के साथ युद्ध अमेरिका के लिए अब केवल पश्चिम एशिया का सैन्य संघर्ष नहीं रह गया है। यह धीरे-धीरे अमेरिकी अर्थव्यवस्था, घरेलू राजनीति, ऊर्जा सुरक्षा और वैश्विक रणनीति के लिए एक साथ चुनौती बन गया है। जिस सैन्य अभियान से ईरान पर निर्णायक दबाव बनाने की उम्मीद थी, वही अब वॉशिंगटन के लिए यह सवाल खड़ा कर रहा है कि इस युद्ध का अंत कब और किस कीमत पर होगा?

सबसे बड़ा खतरा तेल है। पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने के साथ कच्चे तेल की कीमतों और आपूर्ति को लेकर अनिश्चितता बढ़ती है। होर्मुज जलडमरूमध्य में किसी भी बड़े व्यवधान का असर केवल एशिया या यूरोप पर नहीं पड़ेगा, बल्कि वैश्विक तेल बाजार के जरिए अमेरिका तक पहुंचेगा। अमेरिकी तेल उत्पादन मजबूत होने के बावजूद वह वैश्विक कीमतों से अलग नहीं रह सकता। तेल महंगा होने का सीधा मतलब पेट्रोल, परिवहन, विमानन और उत्पादन लागत में बढ़ोतरी है। इसका दबाव अंततः अमेरिकी उपभोक्ता की जेब और महंगाई के आंकड़ों पर पड़ता है।

यहीं से दूसरी समस्या पैदा होती है—अमेरिकी केंद्रीय बैंक की नीति। यदि युद्ध के कारण ऊर्जा कीमतें लंबे समय तक ऊंची रहती हैं तो महंगाई पर नियंत्रण कठिन होगा। ऐसे माहौल में ब्याज दरों में तेजी से कटौती की गुंजाइश घट सकती है। यानी युद्ध का असर केवल पेट्रोल पंप तक सीमित नहीं रहेगा; इसका प्रभाव मकान, कर्ज, निवेश और कारोबार तक पहुंच सकता है।

सैन्य अभियान जितना लंबा चलेगा, अमेरिकी खजाने पर उतना ही दबाव बढ़ेगा। लड़ाकू विमानों, मिसाइलों, ड्रोन, नौसैनिक तैनाती और पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैनिकों एवं ठिकानों की सुरक्षा पर होने वाला खर्च अरबों डॉलर तक पहुंच सकता है। इसके साथ अमेरिका को यूरोप और इंडो-पैसिफिक जैसे अन्य रणनीतिक क्षेत्रों में अपने संसाधनों का संतुलन भी बनाए रखना होगा।

लेकिन ट्रंप प्रशासन की सबसे बड़ी परीक्षा घरेलू राजनीति में है। अमेरिकी जनता के लिए विदेश में युद्ध तब तक स्वीकार्य हो सकता है जब तक उसकी कीमत सीमित दिखाई दे। यदि युद्ध लंबा खिंचता है, अमेरिकी सैनिकों को नुकसान होता है, तेल महंगा होता है और महंगाई फिर सिर उठाती है तो विपक्ष के लिए सरकार को घेरने का मजबूत मुद्दा तैयार हो सकता है।

ट्रंप के सामने इसलिए दोहरी मुश्किल है। पीछे हटना अमेरिकी शक्ति और विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर सकता है, जबकि युद्ध बढ़ाना आर्थिक और राजनीतिक कीमत बढ़ा सकता है।

युद्ध में सैन्य बढ़त हासिल करना और स्थायी राजनीतिक समाधान हासिल करना दो अलग बातें हैं। ईरान पर हमला उसकी सैन्य क्षमता को नुकसान पहुंचा सकता है, लेकिन इससे जरूरी नहीं कि तेहरान की राजनीतिक इच्छाशक्ति खत्म हो जाए। क्षेत्र में मौजूद उसके सहयोगी समूह और महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों पर दबाव की क्षमता अमेरिका के लिए लंबे समय तक चुनौती बनी रह सकती है।

यही इस युद्ध का सबसे बड़ा अमेरिकी विरोधाभास है—जितना ज्यादा दबाव, उतना ज्यादा आर्थिक जोखिम; और जितनी जल्दी वापसी, उतना बड़ा रणनीतिक सवाल।

वॉशिंगटन के लिए अब असली लक्ष्य केवल ईरान को झुकाना नहीं, बल्कि ऐसा रास्ता निकालना है जिससे युद्ध समाप्त हो, तेल बाजार स्थिर हो, अमेरिकी सैनिक सुरक्षित लौटें और घरेलू अर्थव्यवस्था पर इसका बोझ सीमित रहे। ईरान युद्ध इसलिए ट्रंप प्रशासन की सिर्फ विदेश नीति की परीक्षा नहीं है। यह अमेरिकी अर्थव्यवस्था, नेतृत्व और राजनीतिक विश्वसनीयता—तीनों की अग्निपरीक्षा बन चुका है।

बोध कथा

अपने जीवन को श्रेष्ठ, संपन्न, मूल्यवान एवं मंगलमय बनाएं

एक संत के पास बहुत सारे सेवक रहते थे । एक सेवक ने गुरुजी के आगे अरदास की – महाराज जी मेरी बहन की शादी है तो आज एक महीना रह गया है तो मैं दस दिन के लिए वहां जाऊंगा । कृपा करें ! आप भी साथ चले तो अच्छी बात है । गुरु जी ने कहा बेटा देखो टाइम बताएगा ।

नहीं तो तेरे को तो हम जानें ही देंगे उस सेवक ने बीच-बीच में इशारा गुरु जी की तरफ किया कि गुरुजी कुछ ना कुछ मेरी मदद कर दे ! आखिर वह दिन नजदीक आ गया. सेवक ने कहा गुरु जी कल सुबह जाऊंगा मैं । गुरु जी ने कहा – ठीक है बेटा !

सुबह हो गई. जब सेवक जाने लगा तो गुरुजी ने उसे 5 किलो अनार दिए और कहा ले जा बेटा भगवान तेरी बहन की शादी खूब धूमधाम से करें, दुनिया याद करें कि ऐसी शादी तो हमने कभी देखी ही नहीं ! और साथ में दो सेवक भेज दिये – जाओ तुम शादी पूरी करके आ जाना ।

जब सेवक घर से निकले तो जिसकी बहन की शादी थी वह सेवक से बोला – गुरुजी को पता ही था ।

चुटकुले

संता का बेटा बंटी ने बंता के बेटे पप्पू से पूछा: यार, तुमने स्कूल आना क्यों छोड़ दिया

पप्पू: मेरे पापा कह रहे थे कि, एक जगह बार-बार जाने से इज्जत कम हो जाती है।

डॉक्टर: कल रात को क्या खाया था

लड़की: बर्गर, पिज्जा और कोक!

डॉक्टर: देखो ये फेसबुक नहीं है, सच बताओ

लड़की: जी... बासी रोटी और टिंडे की सब्जी!

पप्पू: चैटिंग किसे कहते हैं

गप्पू: पता नहीं, तुम ही बताओ!

पप्पू: जो एक दूसरे का थोबड़ा देखे बिना ही एक दूसरे को पकाते हैं, आधुनिक समाज में उसे ही चैटिंग कहते हैं!

संता बंता से बोला: जब तेरे पास मोबाइल है

और मेरे पास भी मोबाइल है,

तो तूने लेटर क्यों भेजा

बंता: ओए, मैंने तुझको कॉल किया था... तो किसी दीदी ने उठाया और बोलीं प्लीज ट्राय लेटर

व्यंग्य केसरी

रिकॉर्ड तोड़ने नहीं आई बारिश

डॉ. मुकेश 'असीमित'

इस बार बड़ी मायूसी से बरसात का इंतजार हो रहा है। लगता है, बारिश अपना वादा भूल गई है। मौसम विभाग, अखबार, समाचार चैनल, सरकार और बाढ़ नियंत्रण विभाग,सबको उसने भरोसा दिलाया था कि इस बार भी वह पुराने सारे रिकॉर्ड तोड़ देगी। लगता है, इस बार उसने किसी चुनावी घोषणा-पत्र से प्रेरणा नहीं ली कि बारिश और वादे में रिकॉर्ड तथा उम्मीदों को तोड़ना जायज है।

वैसे भी रिकॉर्ड और वायदों में गहरा रिश्ता होता है। दोनों बनते ही टूटने के लिए हैं। हमारे यहाँ तो रिकॉर्ड ही क्या, सरकारें, गठबंधन, सड़कें, पुल और सरकारी इमारतें तक सिर्फ टूटने के लिए ही बनती हैं। कई बार उद्घाटन की पट्टिका मजबूत रह जाती है और उसके पीछे की पूरी इमारत धराशायी हो जाती है। रेलवे विभाग का एक टिकटघर, जिसका अभी उद्घाटन भी नहीं हुआ और सुना है कि उसके टूटने का नंबर आ गया, इस सिद्धांत को और मजबूती प्रदान करता है।

खिलाड़ी भी रिकॉर्ड बनाते

पिछले वर्षों में बारिश ने रिकॉर्ड तोड़ने की अपनी जिम्मेदारी बड़ी ईमानदारी से निभाई थी। नदियाँ खतरे के निशान के ऊपर चली गई थीं, नाले अपनी मर्यादा तोड़कर सड़कों पर आ गए थे और सड़कें बहकर नालों में पहुँच गई थीं। पानी ने समाजवाद की ऐसी मिसाल कायम की कि कॉलोनी, बाजार, अस्पताल और सरकारी दफ्तर,सबको बराबर डुबो दिया। बड़े आदमी की एसयूवी और छोटे आदमी की साइकिल, दोनों एक ही पानी में तैरती दिखाई दीं।

इस बार न नदी खतरे के निशान से ऊपर निकली, न नाले ने सड़क पर कब्जा किया। शहर के नाले अपनी सूनी कोख लिए बैठे हैं। उन्हें उम्मीद थी कि रिकॉर्डतोड़ बारिश आएगी, उनमें कचरा, पॉलिथीन और प्रशासनिक दावों का जल भर जाएगा; फिर वे उफनकर समाचार चैनलों पर छा जाएँगे। संवाददाता घुटनों तक पानी में खड़ा होकर बताएगा, 'आप देख सकते हैं, मेरे पीछे पूरा शहर जलमग्न है।' दर्शक भी पानी की गहराई का अनुमान संवाददाता की पैंट देखकर लगाएंगे।

समाचार चैनलों की परेशानी और भी बड़ी है। बारिश रिकॉर्ड तोड़ती तो उन्हें कई दिनों तक सोनम और सिया की सनसनीखेज खबरों से कुछ राहत मिलती। वे डूबती कार, बहती मोटरसाइकिल और नाव बने ट्रैक्टर दिखा सकते थे। किसी अधबने पुल के बह जाने पर बहस होती, 'पुल कमजोर था या पानी राष्ट्रविरोधी? 'फिलहाल तो विकास के रिकॉर्ड ही टूट रहे हैं। ये विकास के बोल-वचन वाले रिकॉर्ड, जो नेताजी और अधिकारियों के गले से बजते हैं, उनके गले में टूटी हुई कैसेट की तरह अटके हुए हैं। चुनाव आते ही वह कैसेट बजने लगती है, 'हमने अभूतपूर्व विकास किया... अभूतपूर्व विकास किया... अभूतपूर्व विकास... 'लेकिन एक बात बता दें,सड़कें, पुल और इमारतें भले ही टूट जाएँ, उनके रिकॉर्ड बहुत मजबूत होते हैं। पचास साल तक के रखरखाव के रिकॉर्ड, बिल, फॉरवर्डिंग नोट और कार्य-निष्पादन से जुड़े दस्तावेज दफ्तरों में सुरक्षित बने रहते हैं। सड़क का क्या है, उसकी नियति में टूटना है।

इतिहास

12 अगस्त का इतिहास भारत और दुनिया में कई महत्वपूर्ण घटनाओं, उपलब्धियों और ऐतिहासिक बदलावों से जुड़ा हुआ है। 1948 में इसी दिन स्वतंत्र भारत ने पहली बार ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीता था, और 1919 में भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के जनक डॉ. विक्रम साराभाई का जन्म हुआ था? भारत और विश्व इतिहास की प्रमुख घटनाएं (12 अगस्त): 1602: मुगल बादशाह अकबर के नवरत्न मंत्री अबुल फजल की हत्या जहांगीर (सलीम) की शह पर कर दी गई? 1765: इलाहाबाद की संधि के साथ भारत में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के शासन और राजनीतिक दखल की औपचारिक शुरुआत हुई? 1833: अमेरिका के शिकागो शहर की स्थापना हुई? 1948: आजादी के बाद पहली बार ओलंपिक में हिस्सा ले रही भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने ब्रिटेन को उसी की धरती पर 4-0 से हराकर पहला स्वर्ण पदक जीता।

बिजली के बढ़ते दाम और स्मार्ट मीटर के विरोध में कांग्रेस का धरना-प्रदर्शन व पुतला दहन : छाबड़ा

विश्व केसरी

बेमेतरा (अनिल तिवारी)। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार एवं जिला कांग्रेस कमेटी बेमेतरा के नेतृत्व में, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बेरला के तत्वाधान में बिजली के बढ़ते दाम, स्मार्ट मीटर से उपभोक्ताओं पर पड़ रहे अतिरिक्त आर्थिक बोझ तथा प्रदेश सरकार की जनविरोधी नीतियों के विरोध में प्रदेशव्यापी आंदोलन के तहत बेमेतरा विधानसभा अंतर्गत पिरदा चौक, नगर पंचायत भिंभौरी में ब्लॉक स्तरीय धरना-प्रदर्शन एवं पुतला दहन कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में जिला कांग्रेस कमेटी बेमेतरा के अध्यक्ष आशीष छाबड़ा कांग्रेसजनों एवं क्षेत्रवासियों के साथ शामिल हुए और प्रदेश सरकार की नीतियों के खिलाफ मजबूती से आवाज बुलंद की। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी करते हुए बिजली के बढ़े हुए दाम वापस लेने, स्मार्ट मीटर पर रोक लगाने तथा आम उपभोक्ताओं को राहत देने की मांग की। विरोध स्वरूप प्रदेश सरकार का पुतला दहन किया गया। बिजली आम जनता की मूलभूत आवश्यकता है, कोई विलासिता नहीं। प्रदेश सरकार द्वारा लगातार बिजली के दामों में वृद्धि किए जाने से गरीब, किसान, मजदूर, मध्यमवर्गीय परिवारों और छोटे व्यवसायियों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। पहले से ही महंगाई की मार झेल रही जनता के लिए बिजली के बढ़े हुए बिल दोहरी मार साबित हो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि स्मार्ट मीटर के नाम पर आम उपभोक्ताओं को राहत देने के बजाय नई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कई उपभोक्ताओं में अधिक बिजली बिल आने को लेकर असंतोष है। सरकार को उपभोक्ताओं की समस्याओं का निराकरण करना चाहिए तथा बिजली के बढ़े हुए दाम तत्काल वापस लेकर स्मार्ट मीटर के स्थान पर पुराने सामान्य मीटर लगाने की दिशा में निर्णय लेना चाहिए। कांग्रेस का यह आंदोलन किसी राजनीतिक स्वार्थ के लिए नहीं, बल्कि आम जनता के हक, अधिकार और आर्थिक हितों की लड़ाई है। कांग्रेस पार्टी हमेशा जनहित के मुद्दों पर जनता के साथ खड़ी रही है। बिजली के बढ़े हुए दाम वापस लेने, 400 यूनिट तक बिजली बिल हाफ योजना पुनः लागू करने, स्मार्ट मीटर पर रोक लगाने और उपभोक्ताओं को राहत देने की मांग को लेकर कांग्रेस का संघर्ष आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

उन्होंने कहा कि जब तक आम जनता को राहत नहीं मिलती, कांग्रेस सड़क से लेकर सदन तक जनता की आवाज मजबूती से उठाती रहेगी।

कांग्रेस की प्रमुख मांगें

1. बिजली के दामों में की गई बढ़ोतरी तत्काल वापस ली जाए। 2. 400 यूनिट तक बिजली बिल हाफ योजना पुनः शुरू की जाए। 3. सभी उपभोक्ताओं के स्मार्ट मीटर तत्काल हटाकर पुराने सामान्य मीटर लगाए जाएं। 4. स्मार्ट मीटर के कारण अधिक आए बिजली बिलों की जांच कर अतिरिक्त वसूली गई राशि उपभोक्ताओं को वापस की जाए। 5. बिजली वितरण व्यवस्था को पारदर्शी, उपभोक्ता हितैषी एवं जवाबदेह बनाया जाए। 6. ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में नियमित, निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।

कार्यक्रम के दौरान कांग्रेसजनों ने प्रदेश सरकार की नीतियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की तथा विरोध स्वरूप पुतला दहन कर अपना आक्रोश व्यक्त किया।

इस अवसर पर रवि परगनिहा नेतराम निषाद विवेक राजपूत शुभम वर्मा राजेश दुबे चंद्रविजय धीवर चन्द्रशेखर परगनिहा नवाज खान सीमा टिकरिहा नेहा सुराना रामखिलावन परगनिहा चेतन बंजारे नरेंद्र धीवर चेतन साहू प्रवीण शर्मा निलेश वर्मा राजकुमार सेन गोविंदा राजपूत गुडडु सेन शुभांक परगनिहा सहित ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बेरला के पदाधिकारीगण, मंडल अध्यक्षगण, सेवादल, महिला कांग्रेस, किसान कांग्रेस, अनुसूचित जाति कांग्रेस, अनुसूचित जनजाति कांग्रेस, युवा कांग्रेस, एनएसयूआई सहित विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारी, वरिष्ठ कांग्रेसजन तथा बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

विधायक रोहित साहू की 17 किमी कांवड़ यात्रा का हुआ भव्य स्वागत

जलाभिषेक के बाद हुई झमाझम बारिश को श्रद्धालुओं ने माना भोलेनाथ का प्रसाद

विश्व केसरी

राजिम/फिंगेश्वर (शेखर मिश्रा)। सावन मास की पवित्र बेला में फिंगेश्वर से राजिम तक निकली विधायक रोहित साहू की 17 किलोमीटर लंबी कांवड़ यात्रा आस्था, भक्ति और जनसहभागिता का केंद्र बनी। फिंगेश्वर के फणिकेश्वर नाथ महादेव से पवित्र जल लेकर विधायक रोहित साहू ने सपरिवार (परिवार सहित) सैकड़ों कार्यकर्ताओं एवं शिवभक्तों के साथ पैदल यात्रा की और राजिम के पावन कुलेश्वर नाथ महादेव में विधि-विधान से जलाभिषेक कर यात्रा का समापन किया।

कांवड़ यात्रा के दौरान कहीं भी बारिश नहीं हुई। यात्रा पूर्ण होने और कुलेश्वर नाथ महादेव में जलाभिषेक के कुछ घंटे बाद आसमान में बादल घिर आए और झमाझम बारिश हुई। सावन में भगवान शिव के जलाभिषेक के कुछ ही घंटों बाद हुई इस बारिश को श्रद्धालुओं ने विशेष आध्यात्मिक संयोग माना। लोगों के बीच यह चर्चा रही कि कांवड़ यात्रा के माध्यम से भगवान शिव को जल अर्पित करने के बाद बरसीं बारिश की बूंदें मानो भोलेनाथ का प्रसाद और आशीर्वाद हैं।

फणिकेश्वर नाथ से कुलेश्वर नाथ तक 17 किमी की आस्था यात्रा

कांवड़ यात्रा का शुभारंभ फिंगेश्वर के प्रसिद्ध फणिकेश्वर नाथ महादेव मंदिर से हुआ। पूजा-अर्चना के बाद विधायक रोहित साहू ने कांवड़ में पवित्र जल धारण किया और सपरिवार सैकड़ों शिवभक्तों के साथ राजिम की ओर पैदल प्रस्थान किया। यात्रा के दौरान पूरे मार्ग में हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष गूंजते रहे।

विधायक के परिवार के सदस्यों ने भी पूरी यात्रा में सक्रिय सहभागिता निभाई। इसके अलावा बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि, सरपंच, जनपद सदस्य, पंच और आम शिवभक्त शामिल हुए। यात्रा ने फिंगेश्वर से राजिम तक धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक सहभागिता की भी तस्वीर प्रस्तुत की।

बोरसी, किरवईऔर राजिम में हुआ भव्य स्वागत

कांवड़ यात्रा के मार्ग में जगह-जगह ग्रामीणों एवं श्रद्धालुओं ने कांवड़ यात्रियों का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। बोरसी किरवई तथा राजिम के सुंदरलाल शर्मा चौक में विशेष स्वागत कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन स्थानों पर बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे और कांवड़ यात्रियों के लिए जलपान सहित अन्य व्यवस्थाएं की गईं। भजन-संगीत, धार्मिक जयघोष और श्रद्धालुओं की सहभागिता ने यात्रा को उत्सव का रूप प्रदान किया।

कस्तूरबा विद्यालय ने तिरंगा रैली निकालकर लोगों को किया जागरूक

विश्व केसरी

बेमेतरा (अनिल तिवारी)। राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी का संदेश देने के उद्देश्य से स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हर घर तिरंगा अभियान के तहत कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय बेमेतरा में दिनांक 11.0 8.26 को तिरंगा रैली निकाली गई जिसमें सभी बालिकाएं तथा समस्त शिक्षक स्टाफ ने उत्साह के साथ भागीदारी निभाई रैली के दौरान वंदे मातरम तिरंगे झंडे की जय, भारत माता की जयकारे के साथ तिरंगा हमारी शान, भारत की पहचान के नारे लगाते हुए लोगों को जागरूक किया।

इस प्रकार के कार्यक्रम राष्ट्रीय एकता की भावना को बढ़ाते हैं साथ ही देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी का संदेश भी देते हैं । रैली मुख्य मार्ग से होते हुए कोबिया ग्राम के बाद जिले के सबसे बड़े शिक्षा संस्थान डाइट बेमेतरा पहुंची। जहां पर डाइट प्राचार्य जे के घृतलहरे द्वारा रैली का आत्मीय स्वागत किया गया। उनके साथ उप प्राचार्य डॉ कमल कपूर बंजारे, व्याख्याता जी एल खुटियारे, प्रहलाद कुमार टिकरिहा, द्वारा रैली का स्वागत अभिनंदन व समर्थन किया गया। उनके द्वारा बच्चों का उत्साहवर्धन भी किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय की अधीक्षिका भारती धृतलहरे, ममता गुरुपंच, राज किरण मिश्रा, गायत्री साहू सावित्री यादव, दीप्ति नौरंगी, अनिता साहू की सक्रिय भागीदारी रही।

आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में बजरंग दल का प्रदर्शन, पुतले को दी प्रतीकात्मक फांसी

विश्व केसरी

केशकाल (चिराग उपाध्याय)। हिन्दू देवी-देवताओं एवं पवित्र शिवलिंग को लेकर सोशल मीडिया के सार्वजनिक मंच फेसबुक पर की गई कथित अभद्र एवं आपत्तिजनक टिप्पणियों के विरोध में विश्व हिन्दू परिषद एवं बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को केशकाल में जोरदार प्रदर्शन किया।

धार्मिक आस्था से जुड़े विषय पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर कार्यकर्ताओं में नाराजगी देखने को मिली। संगठन के कार्यकर्ताओं ने संबंधित लोगों के विरुद्ध नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की मांग करते हुए अनुविभागीय कार्यालय पहुंचकर शिकायत पत्र सौंपा। कार्यकर्ताओं ने शिकायत पत्र के माध्यम से प्रशासन का ध्यान सोशल मीडिया पर प्रसारित कथित आपत्तिजनक टिप्पणियों की ओर आकर्षित कराया। उन्होंने मामले की जांच कर जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध कानून के तहत कार्रवाई करने की मांग की। कार्यकर्ताओं का कहना था कि सार्वजनिक मंचों पर धार्मिक आस्थाओं से जुड़े विषयों को लेकर की जाने वाली कथित आपत्तिजनक टिप्पणियों से सामाजिक एवं धार्मिक भावनाएं प्रभावित होती हैं, इसलिए ऐसे मामलों में प्रशासन को गंभीरता से कार्रवाई करनी चाहिए।

बस स्टैंड में जुटे कार्यकर्ता, जमकर की नारेबाजी

शिकायत पत्र सौंपने के बाद विश्व हिन्दू परिषद एवं बजरंग दल के कार्यकर्ता केशकाल बस स्टैंड में एकत्रित हुए। यहां कार्यकर्ताओं ने कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले अरुण पन्नालाल के नाम से पुतला तैयार किया। पुतले के गले में जूतों की माला पहनाकर कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए अपना विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने धार्मिक आस्थाओं के सम्मान और सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक सामग्री के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठाई। इसके बाद कार्यकर्ताओं ने बस स्टैंड परिसर में पुतले को प्रतीकात्मक रूप से फांसी देकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। संगठन की ओर से बताया गया कि पुतले का दहन सावन के अंतिम सोमवार को किए जाने की योजना है।

धार्मिक भावनाओं से खिलवाड़ स्वीकार नहीं : नीरज अग्निहोत्री

प्रदर्शन के दौरान बजरंग दल के पूर्व जिला संयोजक नीरज अग्निहोत्री ने कहा कि हिन्दू देवी-देवताओं और धार्मिक आस्थाओं के विरुद्ध की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणियों से समाज की भावनाएं आहत हुई हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी धर्म या धार्मिक आस्था के प्रति अपमानजनक टिप्पणी सामाजिक सौहार्द के लिए उचित नहीं है। उन्होंने प्रशासन से मामले की जांच कर संबंधित लोगों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने की मांग की।

वंदे मातरम के गीतों से गूंजे स्कूल बच्चों ने जवानों के साथ लगाए पौधे

विश्व केसरी

बीजापुर (के. संतोष)। स्वतंत्रता दिवस नजदीक है और स्कूलों में भी देशभक्ति से जुड़े कार्यक्रम शुरू हो गए हैं। सोमवार को केंद्रीय विद्यालय बीजापुर और प्राथमिक विद्यालय गुंजेपरती में 'वंदे मातरम' कार्यक्रम आयोजित किया गया। बच्चों ने देशभक्ति गीत गाए। इस दौरान सीआरपीएफ की 229वीं वाहिनी के अधिकारी और जवान भी उनके साथ मौजूद रहे। कार्यक्रम के बाद सभी ने स्कूल परिसर में पौधे लगाए।

कार्यक्रम की शुरुआत 'वंदे मातरम' और देशभक्ति गीतों के सामूहिक गायन से हुई। बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ इसमें हिस्सा लिया। गृह मंत्रालय और सीआरपीएफ महानिदेशालय के निर्देश पर 7 से 15 अगस्त तक चल रहे 'वंदे मातरम' अभियान के तीसरे चरण के तहत यह आयोजन किया गया।

पढ़ाई के साथ जिम्मेदारी समझें बच्चे- 229वीं वाहिनी के द्वितीय कमान अधिकारी राजेश कुमार सिंह ने विद्यार्थियों से बातचीत करते हुए कहा कि देश का भविष्य युवाओं के हाथ में है। इसलिए उनमें अनुशासन, कर्तव्य और देश के प्रति जिम्मेदारी की भावना होना जरूरी है। उन्होंने बच्चों से पढ़ाई के साथ समाज के लिए भी कुछ करने की सीख दी। केंद्रीय विद्यालय के प्रधानाचार्य दशरथ बारमीरा, शिक्षक और विद्यार्थी कार्यक्रम में मौजूद रहे। अंत में सभी ने एक साथ 'वंदे मातरम' का गायन किया।

पौधे लगाने के साथ देखभाल का संकल्प- कार्यक्रम में देशभक्ति के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया। 229वीं वाहिनी के अधिकारियों, शिक्षकों और विद्यार्थियों ने स्कूल परिसर में पौधे लगाए। लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करने और उन्हें सुरक्षित रखने का संकल्प लिया गया।

- 7 से 15 अगस्त तक 'वंदे मातरम' कार्यक्रम
- केंद्रीय विद्यालय बीजापुर और गुंजेपरती में आयोजन
- विद्यार्थियों ने गाए देशभक्ति गीत
- सीआरपीएफ की 229वीं वाहिनी के अधिकारी-जवान रहे मौजूद
- स्कूल परिसर में किया पौधरोपण

उफनते बरघाट नाले में बहे युवक की जान बचाने वाले पुलिस एवं साहसी ग्रामीणों को मिला सम्मान!

विश्व केसरी

कसडोल (प्रवीण धोमने)। जिला बलौदाबाजार-भाटापारा के थाना कसडोल अंतर्गत बलार रोड स्थित बरघाट नाला में आई भीषण बाढ़ के दौरान अपनी जान की परवाह न करते हुए उफनते नाले में फंसे युवक की सकुशल जान बचाने वाली रेस्क्यू टीम का आज दिनांक 11.08.2026 को जिला पुलिस कार्यालय बलौदाबाजार में भव्य सम्मान किया गया। पुलिस अधीक्षक गौरव राय द्वारा इस अदम्य साहस एवं उत्कृष्ट कार्य के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन में शामिल कसडोल पुलिस बल, डायल 112 की टीम तथा ग्राम असनींद के जांबाज नागरिकों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस विशेष अवसर पर उप पुलिस अधीक्षक (यातायात) संजय साहू एवं पुलिस अधीक्षक कार्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

उल्लेखनीय है कि दिनांक 08.08.2026 की रात्रि बलार रोड स्थित बरघाट नाला में भारी बारिश के कारण जलस्तर अत्यधिक बढ़ गया था और बहाव भीषण था। मना करने के बावजूद एक युवक नाला पार करने के प्रयास में पैर फिसलने से तेज बहाव में बह गया और कुछ दूर जाकर नाले के बीच स्थित एक पेड़ के सहारे फंस गया। सूचना मिलते ही थाना कसडोल पुलिस, डायल 112 की टीम और स्थानीय ग्रामीणों ने तत्काल मौके पर पहुँचकर अंधेरी रात और जानलेवा बहाव के बीच योजनाबद्ध तरीके से रस्सी के सहारे रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर युवक को सुरक्षित बाहर निकाला था।

एसपी गौरव राय द्वारा सम्मानित किए गए शूरवीर

कसडोल पुलिस एवं डायल 112 रेस्क्यू टीम :

1. PSI उमेश कुमार टंडन (थाना कसडोल), 2. प्र.आर. 159 संतकुमार बिंझवार, 3. आर. 596 अजय बंजार, 4. आर. 324 रवि प्रकाश कंवर, 5. आर. 538 विशंभर लहरें, 6. आर. 941 राजकुमार प्रजापति (डायल 112), 7. चालक केशव प्रसाद साहू (डायल 112)

ग्राम असनींद (बरघाट) के साहसी ग्रामीण : 1. बिकेंद्र ध्रुव, 2. हेमंत ध्रुव, 3. गौतम ध्रुव, 4. सरोज कुमार ध्रुव, 5. गणेश राम ध्रुव, 6. भागीरथी कोसले, 7. फागु पटेल, 8. संजय ध्रुव।

समारोह के दौरान पुलिस अधीक्षक गौरव राय (IPS) ने पूरी टीम की तत्परता और अदम्य साहस की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि 'विषम परिस्थितियों में समय पर लिया गया सही निर्णय और पुलिस-जनता का आपसी सहयोग ही किसी नागरिक की जान बचा सका। ग्राम असनींद के ग्रामीणों ने जो नागरिक कर्तव्य और साहस दिखाया है, वह संपूर्ण समाज के लिए प्रेरणादायी है।' साथ ही उन्होंने जिले के नागरिकों से पुनः अपील की है कि वर्षा काल के दौरान उफनते नदी-नालों एवं रपटों को पार करने का जोखिम कतई न उठाएं और सुरक्षा नियमों का पालन करें।

टाटामारी में आज सजेगा हरेली तिहार का रंग, प्रकृति और लोक संस्कृति का होगा संगम

हरियाली के बीच पारंपरिक अंदाज में मनेगा हरेली पर्व, ग्रामीण संस्कृति और छत्तीसगढ़ी परंपराओं की दिखेगी झलक

विश्व केसरी

केशकाल (चिराग उपाध्याय)। छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति, परंपरा और प्रकृति से जुड़े प्रमुख पर्व हरेली तिहार को लेकर टाटामारी में आज विशेष उत्साह देखने को मिलेगा। हरियाली से आच्छादित टाटामारी की प्राकृतिक वादियों के बीच हरेली पर्व का आयोजन प्रकृति और लोक संस्कृति के अनूठे संगम के रूप में सामने आएगा। पर्व को लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं और आयोजन को लेकर लोगों में उत्साह का माहौल है।

हरेली छत्तीसगढ़ की समृद्ध कृषि एवं लोक परंपरा से जुड़ा महत्वपूर्ण पर्व है। इस दिन किसान कृषि उपकरणों की पूजा कर अच्छी फसल, सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना करते हैं। वहीं ग्रामीण अंचलों में पारंपरिक खेल, लोकगीत, सांस्कृतिक गतिविधियां और पारंपरिक खान-पान इस पर्व के उत्साह को और बढ़ाते हैं।

टाटामारी की वादियों में दिखेगा लोक संस्कृति का रंग

प्राकृतिक सुंदरता के लिए पहचान रखने वाली टाटामारी में हरेली पर्व का आयोजन खास आकर्षण का केंद्र रहेगा। चारों ओर फैली हरियाली, पहाड़ी वातावरण और प्राकृतिक सौंदर्य के बीच पारंपरिक तरीके से हरेली मनाए जाने से यहां आने वाले लोगों को छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति को करीब से देखने और समझने का अवसर मिलेगा।

आयोजन के दौरान पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ हरेली की संस्कृति को जीवंत करने का प्रयास किया जाएगा। ग्रामीण जीवन, कृषि परंपरा और प्रकृति के प्रति छत्तीसगढ़वासियों की आस्था को विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से प्रस्तुत किया जाएगा।

कृषि संस्कृति और प्रकृति संरक्षण का संदेश

हरेली केवल उत्सव नहीं, बल्कि खेती-किसानी और प्रकृति के प्रति सम्मान का पर्व भी है। कृषि उपकरणों की पूजा के साथ किसान अच्छी बारिश और बेहतर फसल की कामना करते हैं। वहीं यह पर्व लोगों को प्रकृति के संरक्षण और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी का संदेश भी देता है। टाटामारी में आयोजित होने वाला हरेली तिहार प्राकृतिक परिवेश के साथ इस संदेश को और प्रभावी बनाएगा। आयोजन के माध्यम से नई पीढ़ी को छत्तीसगढ़ की पारंपरिक संस्कृति, लोक मान्यताओं और ग्रामीण जीवनशैली से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।

पर्यटकों के लिए भी बनेगा आकर्षण

टाटामारी की प्राकृतिक खूबसूरती के बीच हरेली पर्व का आयोजन स्थानीय लोगों के साथ पर्यटकों के लिए भी आकर्षण का केंद्र बन सकता है।

लोक संस्कृति और प्राकृतिक पर्यटन के इस मेल से क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान को नई पहचान मिलने की उम्मीद है।

आयोजन को लेकर क्षेत्रवासियों में उत्साह है। हरेली तिहार के माध्यम से जहां छत्तीसगढ़ की समृद्ध परंपराओं को सहेजने का संदेश दिया जाएगा, वहीं टाटामारी की प्राकृतिक सुंदरता और लोक संस्कृति को एक साथ देखने का अवसर भी लोगों को मिलेगा, आयोजन को लेकर वन विभाग पूरी तन्मयता से लगी हुई है।

हरेली तिहार छत्तीसगढ़ का पारंपरिक तिहार

विश्व केसरी

बेमेतरा (अनिल तिवारी)। साजा विकासखंड खंड अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला अकोला में हरेली तिहार धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। शाला के प्रधानपाठक हिम कल्याणी सिन्हा ने इस अवसर पर बच्चों को बताया कि हरेली तिहार हमारे छत्तीसगढ़ का पहला तिहार है जो सावन मास के अमावस्या को मनाया जाता है, इस तिहार में किसान भाई विशेष रूप से कृषि और पर्यावरण के प्रति आभार व्यक्त करते है खेती किसानी के औजारों जैसे नागर, गैति, कुदाल फ़ावड़े के साथ गोधन पशूधन गाय बैलों को नहलाकर आटा एवं नमक की गोली बनाकर खिलाते है और पूजन करते है, घरों में नीम की टहनियाँ लगाई जाती है, मान्यता है की कीटों एवं बीमारियों से रक्षा होती है, बच्चें और युवा इस तिहार में गेड़ी चढ़ने का आंनद लेते है, पारम्परिक व्यंजन बनाकर त्यौहार मनाते है, बालिकाएं हरा रंग की साड़ी पहनकर शाला आयी हरेली गीत पर नृत्य प्रस्तुत किये, सहायक शिक्षक हेमलता ठाकुर सभी बच्चों का उत्साह वर्धन की, गेड़ी कुदाल आदि का पूजन किये, शाला में नीम का टहनी लगाएं, सभी बच्चों का ग़ुलाल लगाकर मुँह मीठा किये, हर्षो उल्लास के साथ शाला में हरेली का त्यौहार मनाएं, इस अवसर पर रेशमा, मीना यादव, प्रिया, लीलम सभी उपस्थित रही।

कच्चे तेल में उछाल से भारतीय शेयर बाजार लाल निशान में बंद, सेंसेक्स 388 अंक फिसला

विश्व केसरी

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार के कारोबारी सत्र में गिरावट के साथ बंद हुआ। दिन के अंत में सेंसेक्स 388.19 अंक या 0.49 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 78,154.25 और निफ्टी 112.10 अंक या 0.46 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,471.70 पर था।

बाजार में बिकवाली का दबाव सबसे अधिक एफएमसीजी और रियल्टी स्टॉक्स में देखने को मिला। सूचकांकों में निफ्टी एफएमसीजी 1.17 प्रतिशत और निफ्टी रियल्टी 0.99 प्रतिशत की कमजोरी के साथ टॉप लूजर्स थे। निफ्टी मेटल 0.95 प्रतिशत, निफ्टी इन्फ्रा 0.86 प्रतिशत, निफ्टी कमोडिटीज 0.84 प्रतिशत, निफ्टी कंजप्शन 0.63 प्रतिशत, निफ्टी प्राइवेट बैंक 0.56 प्रतिशत, निफ्टी ऑटो 0.55 प्रतिशत और निफ्टी इंडिया डिफेंस 0.44 प्रतिशत की गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए।

दूसरी तरफ निफ्टी फार्मा 1.02 प्रतिशत, निफ्टी आईटी 0.61 प्रतिशत, निफ्टी हेल्थकेयर 0.32 प्रतिशत और निफ्टी ऑयल एंड गैस 0.08 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ।

लार्जकैप की अपेक्षा मिडकैप और स्मॉलकैप में मिलाजुला कारोबार हुआ। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 11.85 अंक या 0.02 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 63,843.85 पर और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 43.20 अंक या 0.22 प्रतिशत की तेजी के साथ 19,857.15 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स पैक में इटरनल, इन्फोसिस, टाइटन, एचसीएल टेक और टीसीएस गेनर्स थे।

अल्ट्राटेक सीमेंट, एक्सिस बैंक, इंडिगो, भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस, पावर ग्रिड, आईटीसी, एमएंडएम, टाटा स्टील, एचयूएल, एशियन पेंट्स, बजाज फिनसर्व, एलएंडटी, सन फार्मा, मारुति सुजुकी, एसबीआई, ट्रेंट, एचडीएफसी बैंक, टेक महिंद्रा, एनटीपीसी, आईसीआईसीआई बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक और बीईएल लूजर्स थे।

जानकारों के मुताबिक, कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से उछाल ने बाजार का ध्यान फिर से महंगाई के जोखिमों की ओर खींच लिया, जिससे अच्छे नतीजों के बावजूद निवेशकों का उत्साह कम हो गया। होर्मुज स्ट्रेट में रुकावट और अमेरिका-ईरान बातचीत को लेकर चिंताओं ने बाजार के मूड को सतर्क बनाए रखा, खासकर भारत और अमेरिका में महंगाई के अहम आंकड़ों के आने से पहले। इसके चलते, ऊर्जा की अधिक लागत से सबसे ज्यादा प्रभावित होने वाले सेक्टर पर दबाव पड़ा, जबकि फार्मा और कुछ आईटी कंपनियों के शेयरों में बढ़त देखी गई। फिर भी, विदेशी निवेश की मजबूत आवक और कंपनियों की अच्छी कमाई से गिरावट का जोखिम सीमित बना हुआ है।

एसआईपी पर निवेशकों का भरोसा कायम, जुलाई में इनफ्लो करीब 32,000 करोड़ रुपए रहा

विश्व केसरी

मुंबई । सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए निवेश पर निवेशकों का भरोसा कायम है और जुलाई में इनफ्लो बढ़कर 31,961 करोड़ रुपए हो गया है, जून में यह 31,781 करोड़ रुपए पर था। यह जानकारी एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) की ओर से मंगलवार को दी गई।

यह लगातार चौथा महीना है, जब एसआईपी इनफ्लो 30,000 करोड़ रुपए से अधिक रहा है। यह मई में 30,954 करोड़ रुपए, अप्रैल में 31,115 करोड़ रुपए और मार्च में 32,087 करोड़ रुपए था, जो कि अब तक का ऑल-टाइम हाई है।

जुलाई में सभी फंड्स में फोलियो की संख्या बढ़कर 28.08 करोड़ हो गई है, जो कि 27.85 करोड़ थी।

एम्फी के डेटा के मुताबिक, जुलाई में इक्विटी म्यूचुअल फंड का कुल इनफ्लो 15 प्रतिशत घटकर 24,697 करोड़ रुपए रह गया है जो कि जून में 28,973 करोड़ रुपए था।

इसकी इक्विटी म्यूचुअल फंड की 11 श्रेणियों में स्मॉलकैप फंड्स में सबसे अधिक 7,767 करोड़ रुपए का इनफ्लो देखने को मिला है।

मिडकैप म्यूचुअल फंड श्रेणी में 6,192 करोड़ रुपए का दूसरा सबसे अधिक निवेश आया। इसके बाद फ्लेक्सीकैप फंड का नंबर रहा, जिसमें महीने के दौरान 4,709 करोड़ रुपए का निवेश हुआ। लार्ज एंड मिडकैप फंड और मल्टीकैप फंड में क्रमशः 3,425 करोड़ रुपए और 3,227 करोड़ रुपए का निवेश आया।

अन्य स्कीम्स में एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स (ईटीएफ) को 9,512.05 करोड़ रुपए का निवेश प्राप्त हुआ। वहीं गोल्ड ईटीएफ में 1,558.75 करोड़ रुपए और इंडेक्स फंड्स में 1,536.60 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश आया।

डेट-ओरिएंटेड स्कीम्स में लिक्विड फंड्स निवेशकों की सबसे पसंदीदा श्रेणी रहे, जिनमें 1,19,065.85 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश आया।

फिच ने भारत की 'बीबीबी-' रेटिंग को बरकरार रखा, वित्त वर्ष 27 में जीडीपी वृद्धि दर 6.4 प्रतिशत रहने का अनुमान

विश्व केसरी

नई दिल्ली। वैश्विक रेटिंग एजेंसी फिच ने मंगलवार को भारत की दीर्घकालिक जारीकर्ता डिफॉल्ट रेटिंग को 'बीबीबी-' पर स्थिर आउटलुक के साथ बरकरार रखा और अल्पकालिक जारीकर्ता डिफॉल्ट रेटिंग को 'एफ3' पर कायम रखा। यह भारत की मजबूत विकास संभावनाओं और ठोस बाह्य वित्तीय बुनियादी स्थिति को दर्शाता है।

फिच रेटिंग्स ने एक नोट में कहा कि व्यापक आर्थिक स्थिरता बनाए रखने और नीतिगत विश्वसनीयता में सुधार का मजबूत रिकॉर्ड आगे भी मजबूत वृद्धि का आधार बनेगा और ऊर्जा संकट से उत्पन्न निकट अवधि की व्यापक आर्थिक चुनौतियों के बावजूद अर्थव्यवस्था का लचीलापन क्षमता को बढ़ाएगा।

रेटिंग एजेंसी ने कहा किऊर्जा संकट से उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है।

फिच ने कहा, 'हमारा अनुमान है कि मार्च 2027 में समाप्त होने वाले वित्त वर्ष में जीडीपी वृद्धि 6.4 प्रतिशत रहेगी। यह पिछले तीन वर्षों के औसत 7.4 प्रतिशत से कम है, लेकिन फिर भी 'बीबीबी' रेटिंग वाले देशों के 2.0 प्रतिशत के औसत से तीन गुना से अधिक है।'

फिच ने आगे कहा कि हाल के वर्षों में भारत की अर्थव्यवस्था विभिन्न झटकों के प्रति लचीली रही है और 'हमें उम्मीद है कि यह रुझान जारी रहेगा।'

फिच ने कहा, 'अमेरिका-ईरान संघर्ष से जुड़ी अनिश्चितता के कारण कुछ जोखिम अभी भी बने हुए हैं, क्योंकि भारत एक बड़ा शुद्ध ऊर्जा आयातक है। हालांकि, हमें विकास की संभावनाओं के लिए लंबे समय तक बने रहने वाले जोखिम की उम्मीद नहीं है।'

ऊर्जा संकट के कारण महंगाई बढ़ रही है, लेकिन फिच ने कहा, 'हमें उम्मीद है कि यह भारतीय रिजर्व बैंक की 2-6 प्रतिशत की सीमा के भीतर रहेगी। वित्त वर्ष 2027 में औसत महंगाई 4.1 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जबकि वित्त वर्ष 2026 में यह 2.1 प्रतिशत थी। महंगाई के स्थिर होने के संकेत हैं और मुख्य महंगाई करीब 4 प्रतिशत पर स्थिर बनी हुई है।'

राजकोषीय नीति ने ऊर्जा संकट के कारण महंगाई पर पड़ने वाले प्रभाव को सीमित किया है, जिससे भारतीय रिजर्व बैंक पर दबाव कम हुआ है। वैश्विक रेटिंग एजेंसी ने कहा, 'हमें उम्मीद है कि ऊर्जा संकट के दूसरे दौर के प्रभावों और अल नीनो के जोखिमों से निपटने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक इस साल के अंत में अपनी नीतिगत दर में 25 आधार अंकों की बढ़ोतरी कर इसे 5.5 प्रतिशत कर सकता है।

पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने से कीमती धातुओं ने पकड़ी रफ्तार, सोने-चांदी में 2 प्रतिशत से ज्यादा तक की बढ़ोतरी

विश्व केसरी

नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच लगातार बढ़ते तनाव के बीच हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन मंगलवार को घरेलू कमोडिटी मार्केट में कीमती धातुओं की कीमतों (सोने-चांदी) में तेजी देखने को मिली। शुरुआती कारोबारी में पीले धातु (सोने) की कीमतों में 1.5 प्रतिशत यानी 2,000 रुपए से ज्यादा की बढ़ोतरी दर्ज की गई, जबकि चांदी की कीमतों में 2 प्रतिशत से ज्यादा यानी 5,000 रुपए से ज्यादा की बढ़त दर्ज की गई।

मंगलवार को अक्टूबर डिलीवरी वाला सोना अपने पिछले बंद 1,53,099 रुपए से 1.04 प्रतिशत यानी 1,600 रुपए की बढ़त के साथ 1,54,699 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला। वहीं सत्र के दौरान इसने 2,338 रुपए यानी 1.52 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,55,437 रुपए का इंट्रा-डे हाई टच किया।

हालांकि खबर लिखे जाने तक पीली धातु 895 रुपए यानी 0.58 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,53,994 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार करते हुए नजर आई।

वहीं, सितंबर डिलीवरी वाली चांदी अपने पिछले बंद 2,36,867 रुपए से 3,132 रुपए यानी 1.32 प्रतिशत की उछाल के साथ 2,39,999 रुपए प्रति किलोग्राम पर खुली और दिन के दौरान इसने 5,132 रुपए यानी 2.16 प्रतिशत का उच्चतम स्तर छुआ।

हालांकि खबर लिखे जाने तक यह सफेद धातु 371 रुपए यानी 0.16 प्रतिशत की गिरावट के साथ 2,36,496 रुपए प्रति किलोग्राम पर ट्रेड करती नजर आई।

दरअसल, सोने और चांदी की कीमतों पर वैश्विक व्यापक आर्थिक बदलावों, भू-राजनीतिक जोखिमों और घरेलू मांग में परिवर्तन का गहरा प्रभाव पड़ रहा है।

अमेरिका की उदार मौद्रिक नीति की उम्मीदें बढ़ने से सोने की कीमतों में नई मजबूती आई है, वहीं डॉलर के कमजोर होने से इसकी मांग और भी बढ़ गई है।

वहीं, सिल्वर में निवेश में रुचि और उपभोक्ताओं की बदलती प्राथमिकताओं के समर्थन से इसकी कीमतों को सपोर्ट मिला। हालांकि, मुद्रास्फीति के आंकड़ों और केंद्रीय बैंक के संकेतों के प्रति दृष्टिकोण संवेदनशील बना हुआ है, जिससे कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव की संभावना है। साथ ही, सोने की ऊंची कीमतों का असर व्यापक अर्थव्यवस्था पर भी पड़ रहा है।

भारत में जल्द शुरू हो सकता है पॉलीमर नोटों का ट्रायल, सरकार ने 10 और 20 रुपए के 2 अरब नोटों को दी मंजूरी

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत में मुद्रा प्रणाली को अधिक टिकाऊ और सुरक्षित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए केंद्र सरकार ने 10 रुपए और 20 रुपए के पॉलीमर बैंक नोटों के फील्ड ट्रायल को मंजूरी दे दी है। मंगलवार को संसद को दी गई जानकारी के अनुसार, सरकार ने दोनों मूल्यवर्गों में एक-एक अरब (100 करोड़) पॉलीमर नोट जारी करने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान कर दी है।

राज्यसभा में एक लिखित उत्तर में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बताया कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने अपने केंद्रीय निदेशक मंडल की सिफारिश के आधार पर आरबीआई अधिनियम, 1934 की धारा 25 के तहत यह प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा था। इस प्रस्ताव में फील्ड ट्रायल के बाद सफल परिणाम मिलने पर इन मूल्यवर्गों में पॉलीमर नोटों को नियमित रूप से जारी करने की भी योजना शामिल है।

वित्त मंत्री ने कहा, 'सरकार ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। आरबीआई के अनुसार, इन पॉलीमर बैंक नोटों को मौजूदा कागज आधारित नोटों के साथ समानांतर रूप से जारी करने का प्रस्ताव है।'

पॉलीमर बैंक नोट विशेष प्रकार के प्लास्टिक आधारित पदार्थ से बनाए जाते हैं। ये पारंपरिक कागजी नोटों की तुलना में अधिक टिकाऊ होते हैं और नमी, धूल तथा सामान्य घिसावट का बेहतर सामना कर सकते हैं। दुनिया के कई देशों जैसे ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और ब्रिटेन में पहले से ही पॉलीमर नोटों का उपयोग किया जा रहा है।

पॉलीमर नोटों की आयु कागजी नोटों की तुलना में अधिक होती है, जिससे बार-बार नोट छापने की आवश्यकता कम होती है। इसके अलावा इनमें उन्नत सुरक्षा विशेषताएं जोड़ना भी आसान होता है, जिससे नकली नोटों पर अंकुश लगाने में मदद मिल सकती है।

निर्मला सीतारमण ने संसद को बताया कि आरबीआई की ओर से सरकार को सूचित किया गया है कि इन नोटों के लिए आवश्यक खरीद प्रक्रिया अभी शुरुआती चरण में है। इसलिए फिलहाल यह बताना संभव नहीं है कि पॉलीमर नोटों को आम जनता के बीच कब तक जारी किया जाएगा और इस पूरी परियोजना पर कितना खर्च आएगा।

इस महीने की शुरुआत में आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक के बाद आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि पॉलीमर नोटों का पायलट प्रोजेक्ट अभी जारी है।

उन्होंने न्यूज एजेंसी आईएएनएस से कहा था, 'पॉलीमर नोटों पर अभी परीक्षण चल रहा है। बाजार में लाने से पहले इन नोटों की पूरी तरह जांच की जाएगी।'

इस दौरान, आरबीआई गवर्नर ने यह भी संकेत दिया कि केंद्रीय बैंक फील्ड ट्रायल के नतीजों का विस्तृत मूल्यांकन करने के बाद ही व्यापक स्तर पर इनके प्रचलन को लेकर अंतिम फैसला करेगा।

संजय मल्होत्रा के अनुसार, आरबीआई का लक्ष्य वित्त वर्ष 2027-28 तक पॉलीमर नोटों को प्रचलन में लाना है। यदि ट्रायल सफल रहता है, तो यह भारतीय मुद्रा प्रणाली में एक बड़ा बदलाव साबित हो सकता है।

जेम पर यूपी का शानदार प्रदर्शन, 1 लाख करोड़ रुपए से अधिक की खरीद और तीन राष्ट्रीय पुरस्कार

विश्व केसरी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश ने सरकारी खरीद के डिजिटल मंच जेम यानी गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस पर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। वर्ष 2017 में जेम की शुरुआत के बाद से प्रदेश ने इसके माध्यम से 1 लाख करोड़ रुपए से अधिक की खरीद कर ली है। देश के सभी राज्यों की जेम के जरिए हुई कुल खरीद में उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी 30 प्रतिशत से अधिक है। इसी शानदार प्रदर्शन के लिए प्रदेश को जेम के 10वें स्थापना दिवस पर एक साथ तीन प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कार मिले हैं।

10 अगस्त को नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित जेम के 10वें स्थापना दिवस समारोह में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने उत्तर प्रदेश को 'जेम ओवरऑल एक्सीलेंस अवार्ड', 'हाईएस्ट जीएमवी सिंस इनसेप्शन' और 'बेस्ट आउटरीच इनिशिएटिव्स फॉर कैपेसिटी बिल्डिंग' से सम्मानित किया। उत्तर प्रदेश की ओर से प्रमुख सचिव, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग, शशि भूषण लाल सुशील ने ये पुरस्कार ग्रहण किए। तीन अलग-अलग श्रेणियों में मिला यह सम्मान जेम पर उत्तर प्रदेश के लगातार बेहतर प्रदर्शन की राष्ट्रीय स्तर पर पहचान है।

उत्तर प्रदेश को मिला जेम ओवरऑल एक्सीलेंस अवार्ड जेम पर प्रदेश के समग्र प्रदर्शन के लिए है। हाईएस्ट जीएमवी सिंस इनसेप्शन पुरस्कार जेम की स्थापना से अब तक प्रदेश द्वारा की गई 1 लाख करोड़ रुपए से अधिक की खरीद को दर्शाता है। वहीं बेस्ट आउटरीच इनिशिएटिव्स फॉर कैपेसिटी बिल्डिंग पुरस्कार जेम के बारे में लोगों को जागरूक करने, प्रशिक्षण देने और अधिक से अधिक विभागों, अधिकारियों तथा कारोबारियों को इससे जोड़ने के प्रयासों के लिए मिला है।

म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री में जुलाई में आया 2.35 लाख करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश, एयूएम बढ़कर 85.76 लाख करोड़ रुपए पहुंचा: एम्फी डेटा

विश्व केसरी

नई दिल्ली । एम्फी यानी एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) द्वारा मंगलवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, जुलाई में म्यूचुअल फंड स्कीम्स में 2.35 लाख करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश (नेट इन्फ्लो) दर्ज किया गया। इसके साथ ही भारतीय म्यूचुअल फंड उद्योग का कुल एसेट्स अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) बढ़कर 85.76 लाख करोड़ रुपए के स्तर पर पहुंच गया।

जुलाई में सबसे अधिक निवेश ऋण आधारित (डेट-ओरिएंटेड) योजनाओं में देखने को मिला, जिसमें 1.88 लाख करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश आया, जिसने कुल निवेश प्रवाह में प्रमुख योगदान दिया।

वहीं, इक्विटी म्यूचुअल फंड स्कीम्स में भी निवेशकों की रुचि बनी रही। जुलाई के दौरान इक्विटी-उन्मुख फंडों में 24,697 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश दर्ज किया गया, जो यह दर्शाता है कि शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद निवेशकों का लंबी अवधि के निवेश पर भरोसा कायम है।

एएमएफआई के आंकड़ों के अनुसार, 31 जुलाई 2026 तक म्यूचुअल फंड उद्योग का कुल एयूएम 85,75,656.52 करोड़ रुपए रहा। वहीं, जुलाई के दौरान औसत एयूएम 86,33,798.38 करोड़ रुपए दर्ज किया गया। उद्योग में सबसे बड़ा योगदान ओपन-एंडेड स्कीम्स का रहा, जिनमें 2,36,595 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश आया और इनका कुल एयूएम बढ़कर 85.59 लाख करोड़ रुपए हो गया।

इक्विटी स्कीम्स में स्मॉल-कैप फंड्स ने सबसे अधिक निवेश आकर्षित किया। जुलाई में इनमें 7,767.50 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश आया। इसके बाद मिड-कैप फंड्स में 6,192.31 करोड़ रुपए और फ्लेक्सी-कैप फंड्स में 4,709.08 करोड़ रुपए का निवेश दर्ज किया गया।

इसके अलावा, लार्ज एंड मिड-कैप फंड्स में 3,425.34 करोड़ रुपए तथा मल्टी-कैप फंड्स में 3,227.29 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश हुआ। सेक्टोरल और थीमैटिक फंड्स में भी 1,328.27 करोड़ रुपए का निवेश देखने को मिला। हालांकि, सभी इक्विटी श्रेणियों में तेजी नहीं रही। लार्ज-कैप फंड्स से 1,321.69 करोड़ रुपए की निकासी हुई। वहीं ईएलएसएस स्कीम्स से 959.13 करोड़ रुपए और डिविडेंड यील्ड फंड्स से 169.16 करोड़ रुपए का शुद्ध बहिर्वाह (आउटफ्लो) दर्ज किया गया।

जुलाई में हाइब्रिड फंड्स में कुल 11,490.56 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश आया, जिनमें आर्बिट्राज फंड्स सबसे आगे रहे, जिन्होंने 6,502.44 करोड़ रुपए आकर्षित किए। इसके बाद मल्टी-एसेट एलोकेशन फंड्स में 3,753.38 करोड़ रुपए का निवेश दर्ज किया गया।

चाहे नसों के किसी भी कोने में क्यों न छुप जाए गंदगी, अंदर से खींच लेगें ये 5 सुपरफूड, शरीर में बलबलाने लगेगा खून!

स्वस्थ शरीर बनाए रखने में खून अहम भूमिका निभाता है. यह शरीर के अलग-अलग हिस्सों तक ऑक्सीजन, पोषक तत्व, हार्मोन और दूसरी ज़रूरी चीज़ें पहुंचाता है. हालांकि, खराब खान-पान, शारीरिक गतिविधि की कमी, तनाव और अस्वस्थ जीवनशैली जैसी चीज़ें कोलेस्ट्रॉल, ट्राइग्लिसराइड्स और ब्लड शुगर लेवल जैसे हेल्थ पर बुरा असर डाल सकती हैं. ऐसे में अपनी डाइट में पोषक तत्वों से भरपूर चीज़ें शामिल करना फायदेमंद हो सकता है...

हमारे शरीर में खून का काम बेहद महत्वपूर्ण है. यह ऑक्सीजन और जरूरी पोषक तत्वों को शरीर के अलग-अलग हिस्सों तक पहुंचाने के साथ-साथ हार्मोन और अन्य जरूरी पदार्थों के परिवहन में भी मदद करता है. साथ ही, शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता में भी रक्त की अहम भूमिका होती है.

अक्सर कहा जाता है कि गलत खान-पान की वजह से खून में गंदगी जमा हो जाती है और इसे साफ करने के लिए कुछ खास चीजों का सेवन करना चाहिए. हालांकि, शरीर में खून को 'डिटॉक्स' करने का काम मुख्य रूप से लिवर और किडनी जैसे अंग करते हैं. इसलिए किसी एक फूड को खून साफ करने वाला चमत्कारी उपाय मानने के बजाय ऐसी चीजों को डाइट में शामिल करना बेहतर है, जो लिवर, हृदय और मेटाबॉलिक हेल्थ को सपोर्ट करें. आइए जानते हैं ऐसे 5 फूड्स के बारे में...

1. ग्रेपफ्रूट

ग्रेपफ्रूट में विटामिन सी और कई तरह के एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं. इसमें मौजूद कुछ पौधों के यौगिक शरीर में ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और सूजन से लड़ने में मदद कर सकते हैं. संतुलित डाइट के हिस्से के तौर पर इसका सेवन सेहत के लिए फायदेमंद हो सकता है. हालांकि, कुछ दवाओं के साथ ग्रेपफ्रूट का सेवन इंटरैक्शन कर सकता है, इसलिए नियमित दवा लेने वाले लोगों को डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए.

2. ब्लूबेरी

ब्लूबेरी को एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर फलों में गिना जाता है. इसमें एंथोसायनिन जैसे पौधों के यौगिक पाए जाते हैं, जो शरीर को ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से बचाने में मदद कर सकते हैं. लिवर शरीर में कई जरूरी मेटाबॉलिक प्रक्रियाओं में शामिल होता है, इसलिए लिवर-फ्रेंडली संतुलित डाइट में ब्लूबेरी जैसे फल शामिल किए जा सकते हैं.

पेट की गर्मी ने कर दिया है बेहाल? गैस-जलन के साथ शरीर में भी लग रही तपिश तो अपनाएं ये 5 देसी उपाय

पेट की गर्मी, जलन और गैस ने कर रखा है परेशान? खान-पान में इन 5 आसान चीजों को शामिल करके पेट की गर्माहट को शांत करने में मदद मिल सकती है. जानिए कौन से घरेलू विकल्प देंगे राहत और किन बातों का रखें ध्यान.

पेट में गर्मी या जलन महसूस होना काफी असहज हो सकता है. कई बार इसके साथ गैस, ब्लोटिंग, खट्टी डकार और बेचैनी जैसी परेशानियां भी होने लगती हैं. ऐसी स्थिति में व्यक्ति को भारीपन महसूस हो सकता है और रोजमर्रा के कामों में भी मन नहीं लगता. इसके पीछे खान-पान और लाइफस्टाइल से जुड़ी कई वजहें हो सकती हैं.

बहुत ज्यादा मसालेदार या तला-भुना खाना, देर रात भोजन करना, जरूरत से ज्यादा खाना, शराब का अधिक सेवन और लंबे समय तक बैठे रहना इसके लक्षणों को बढ़ा सकता है. कुछ दवाओं, खासकर दर्द निवारक दवाओं के अधिक इस्तेमाल और पेप्टिक अल्सर जैसी समस्याओं में भी पेट में जलन हो सकती है.

ऐसी परेशानी में खान-पान को हल्का रखना और शरीर को पर्याप्त पानी देना मददगार हो सकता है. कुछ आसान विकल्पों को डाइट में शामिल किया जा सकता है.

पेट की गर्मी से राहत के लिए 5 चीजें

1. छाछ को डाइट में करें शामिल

छाछ हल्का पेय है और भोजन के साथ इसे लेना कई लोगों को अच्छा लगता है. इसमें मौजूद प्रोबायोटिक बैक्टीरिया पाचन तंत्र के लिए फायदेमंद हो सकते हैं. पेट में जलन या भारीपन महसूस होने पर मसालेदार खाने की जगह हल्का भोजन और छाछ का सेवन किया जा सकता है. हालांकि, अगर डेयरी प्रोडक्ट लेने से गैस या परेशानी बढ़ती है तो इसे लेने से बचें.

पेट की जलन में कुछ लोगों को ठंडा दूध थोड़ी देर के लिए राहत दे सकता है, लेकिन इसे हर व्यक्ति के लिए पेट की गर्मी का इलाज नहीं माना जा सकता.

दूध से कुछ लोगों में एसिडिटी या पेट की परेशानी बढ़ भी सकती है. इसलिए अगर दूध पीने के बाद आराम के बजाय जलन, गैस या ब्लोटिंग बढ़ती है तो इसे छोड़ देना बेहतर है.

3. हल्का और सादा चावल खाएं

पेट खराब होने या जलन महसूस होने पर सादा उबला हुआ चावल आसानी से पचने वाले भोजन का विकल्प हो सकता है।

होंठ से निकल रही सूखी पपड़ियां, जानें मानसून में लिप्स को हाइड्रेट रखने का तरीका

लिप्स ड्राईनेस की समस्या मानसून में होने वाली बहुत कॉमन प्रॉब्लम है. लेकिन इसके लिए आपको किसी महंगे प्रोडक्ट की जरूरत नहीं है. घरेलू उपायों से भी आप होंठों को हाइड्रेट रख सकते हैं. यहां जानिए लिप्स को हाइड्रेट और सॉफ्ट रखने के आसान उपाय.

आमतौर पर होंठ सर्दियों में फटते हैं, लेकिन मानसून में भी यह समस्या काफी आम है. हवा में नमी होने के बावजूद कम पानी पीना, बार-बार होंठों पर जीभ फेरना और धूप के संपर्क में आना होंठों को रूखा बना देता है. इसकी वजह से होंठों पर सूखी पपड़ियां जमने लगती हैं, त्वचा निकलने लगती है और कभी-कभी जलन या दर्द भी महसूस हो सकता है.

ऐसे में महंगे लिप केयर प्रोडक्ट्स खरीदने के बजाय कुछ आसान घरेलू उपाय अपनाकर भी होंठों को मुलायम और हाइड्रेटेड रखा जा सकता है. सही देखभाल और कुछ अच्छी आदतों की मदद से मानसून में भी आपके होंठ नरम, गुलाबी और स्वस्थ दिख सकते हैं.

शहद को प्राकृतिक मॉइश्चराइजर माना जाता है. यह होंठों की नमी बनाए रखने में मदद करता है. इसके लिए आधा चम्मच शहद होंठों पर लगाएं और 10 से 15 मिनट बाद पानी से साफ कर लें. रात में इसका इस्तेमाल करना अधिक फायदेमंद माना जाता है.

नारियल का तेल होंठों को मुलायम बनाने में मदद कर सकता है. इसकी 2-3 बूंदें लेकर हल्के हाथों से होंठों पर मसाज करें. रात को सोने से पहले लगाने पर बेहतर परिणाम मिल सकते हैं. इसे धोने की जरूरत नहीं होती. अगर घर में शहद या नारियल तेल उपलब्ध नहीं है, तो देसी घी का इस्तेमाल किया जा सकता है. रात को सोने से पहले थोड़ी मात्रा में घी होंठों पर लगाकर छोड़ दें. सुबह होंठ पहले से ज्यादा सॉफ्ट महसूस हो सकते हैं. एलोवेरा जेल त्वचा और होंठों की देखभाल के लिए लंबे समय से इस्तेमाल किया जाता रहा है. थोड़ा-सा ताजा एलोवेरा जेल होंठों पर 10 मिनट तक लगाएं और फिर पानी से साफ कर लें. हालांकि, पहली बार इस्तेमाल करने से पहले पैच टेस्ट जरूर करें क्योंकि कुछ लोगों को इससे एलर्जी हो सकती है.

होंठों पर जमी डेड स्किन हटाने के लिए एक चम्मच शहद में आधा चम्मच चीनी मिलाएं. इसे 30 से 40 सेकंड तक बहुत हल्के हाथों से होंठों पर रगड़ें. बाद में पानी से साफ करके लिप बाम लगा लें।

पार्लर जाने की जरूरत नहीं! घर पर बनाएं ये 7 होममेड फेस पैक, चेहरे पर आएगा गजब का निखार

अगर आप बिना ज्यादा खर्च किए त्वचा की देखभाल करना चाहते हैं, तो घर पर बने नेचुरल फेस पैक एक आसान विकल्प हो सकते हैं. बेसन, दही, एलोवेरा, शहद और ओट्स जैसी किचन में मौजूद चीजों से अलग-अलग स्किन टाइप के लिए फेस पैक तैयार किए जा सकते हैं. हालांकि, किसी भी DIY फेस पैक का इस्तेमाल करने से पहले पैच टेस्ट जरूर करें और त्वचा में किसी तरह की परेशानी होने पर विशेषज्ञ से सलाह लें.

स्किन को फ्रेश और ग्लोइंग बनाए रखने के लिए हमेशा महंगे प्रोडक्ट्स की जरूरत नहीं होती. किचन में मौजूद कुछ आसान चीजों से आप घर पर फेस पैक तैयार कर सकते हैं. हालांकि, हर स्किन टाइप अलग होती है, इसलिए इस्तेमाल से पहले पैच टेस्ट जरूर करें.

एक चम्मच बेसन में दही मिलाकर पेस्ट तैयार करें और चेहरे पर 10-15 मिनट लगाएं. इसके बाद पानी से धो लें. यह आसान फेस पैक त्वचा को साफ और मुलायम महसूस कराने में मदद कर सकता है.

एक चम्मच एलोवेरा जेल में आधा चम्मच शहद मिलाकर चेहरे पर लगाएं और 10 मिनट बाद धो लें. यह आसान फेस पैक खासकर रूखी त्वचा को मुलायम और मॉइस्चराइज महसूस कराने में मदद कर सकता है.

एक चम्मच बारीक पिसे ओट्स में दही मिलाकर पेस्ट बनाएं. इसे चेहरे पर लगाएं और करीब 10 मिनट बाद पानी से धो लें. त्वचा पर इसे जोर से रगड़ने से बचें, खासकर अगर स्किन सेंसिटिव है.

एक चम्मच मुल्तानी मिट्टी में पानी या गुलाब जल मिलाकर पेस्ट तैयार करें. चेहरे पर पतली परत लगाएं और सूखने से पहले धो लें.

बहुत ड्राई या सेंसिटिव स्किन वालों को इसका इस्तेमाल सावधानी से करना चाहिए.

आधे पके केले को अच्छी तरह मैश करें और इसमें थोड़ा शहद मिलाएं. इस पैक को चेहरे पर करीब 10-15 मिनट लगाकर धो लें. केला और शहद त्वचा को मुलायम और हाइड्रेटेड महसूस कराने में मदद कर सकते हैं.

खीरे को पीसकर उसमें एक चम्मच एलोवेरा जेल मिलाएं. इसे चेहरे पर 10 मिनट लगाकर धो लें. गर्मी या थकान के बाद यह पैक त्वचा को ठंडक और ताजगी का एहसास दे सकता है.

एक चम्मच दही में सिर्फ एक चुटकी हल्दी मिलाकर चेहरे पर लगाएं. 5-10 मिनट बाद इसे पानी से धो लें. हल्दी की मात्रा ज्यादा न रखें, क्योंकि इससे त्वचा पर पीला रंग रह सकता है.

किसी भी घरेलू फेस पैक को पहली बार इस्तेमाल करने से पहले पैच टेस्ट जरूर करें. जलन, खुजली, सूजन या लालिमा महसूस हो तो तुरंत धो दें.

नींबू या अन्य तेज चीजों को सीधे चेहरे पर लगाने से बचें और irritated skin पर DIY पैक न लगाएं.

ऑयली, ड्राई और संवेदनशील त्वचा की जरूरत अलग होती है. इसलिए अपनी स्किन टाइप के अनुसार ही फेस पैक चुनें. अगर त्वचा से जुड़ी कोई समस्या लगातार बनी रहती है ।

अरबी के पत्ते खाते ही क्यों होने लगती है गले में खुजली? खरीदने से लेकर पकाने तक जानें सही तरीका

अरबी के पत्तों से होने वाली चुभन का कारण प्राकृतिक कैल्शियम ऑक्सालेट क्रिस्टल हैं. सही पत्ते चुनकर, उन्हें अच्छी तरह धोकर, खट्टी सामग्री मिलाकर और पूरी तरह पकाने से खुजली की परेशानी कम की जा सकती है और पत्रा जैसी स्वादिष्ट डिश आसानी से बनाई जा सकती है.

बारिश के मौसम में अरबी के पत्ते बाजार में खूब नजर आते हैं, लेकिन इन्हें देखकर भी कई लोग खरीदने से बचते हैं. वजह वही पुरानी शिकायत अरबी के पत्ते खाने के बाद गले और जीभ में खुजली या चुभन होने लगती है. किसी के साथ यह अनुभव एक बार हो जाए तो वह दोबारा इन्हें बनाने से पहले कई बार सोचता है. जबकि गुजरात का पत्रा हो, महाराष्ट्र की आलू वड़ी या दक्षिण भारत के अलग-अलग हिस्सों में बनने वाले अरबी पत्तों के रोल, ये पत्ते बरसात के पारंपरिक स्वाद का अहम हिस्सा हैं.

असल बात यह है कि अरबी के पत्तों को चुनने, साफ करने और पकाने का सही तरीका पता होना चाहिए. कुछ आसान किचन ट्रिक्स अपनाकर इनका स्वाद बिना गले में चुभन की परेशानी के लिया जा सकता है.

अरबी के पत्ते खाने से क्यों होती है खुजली?

अरबी के पत्तों और डंठलों में प्राकृतिक रूप से कैल्शियम ऑक्सालेट के बेहद छोटे, सुई जैसे क्रिस्टल पाए जाते हैं. अगर पत्तों को ठीक तरह से तैयार या अच्छी तरह पकाए बिना खा लिया जाए, तो ये क्रिस्टल मुंह, जीभ और गले में चुभन या खुजली जैसा एहसास पैदा कर सकते हैं. यही कारण है कि कई घरों में अरबी के पत्ते बनाने से पहले खट्टी चीजें मिलाने की परंपरा रही है. इमली, दही, नींबू या कोकम जैसी खट्टी सामग्री का इस्तेमाल केवल स्वाद बढ़ाने के लिए नहीं किया जाता. पारंपरिक रेसिपीज में इनका उपयोग अरबी के पत्तों की चुभन कम करने में भी मदद करता है. इसके बाद अच्छी तरह भाप में पकाना या धीमी आंच पर पकाना जरूरी होता है. अधपके पत्ते इस परेशानी की संभावना बढ़ा सकते हैं.

स्वादिष्ट डिश की शुरुआत बाजार से ही हो जाती है. अरबी के पत्ते खरीदते समय बहुत बड़े और ज्यादा पुराने पत्तों की बजाय मध्यम आकार के ताजे पत्ते चुनना बेहतर रहता है. इनका रंग गहरा हरा होना चाहिए।

प्राचीन महिलाएं गीले बालों में धूप की धूनी क्यों देती थीं? वजह जान आप भी आज से करेंगी ये काम

दरअसल, भारतीय परंपरा में बालों को सुखाने और उनमें खुशबू बनाए रखने के लिए धूप की धूनी(Sambrani Dhoop For Hair) का इस्तेमाल किया जाता था. इसके लिए खासतौर पर सम्ब्रानी, लोबान, गुग्गुल और कुछ हर्बल चीजों का इस्तेमाल किया जाता था. इसे सिर्फ बाल सुखाने का तरीका नहीं माना जाता था, बल्कि एक तरह की पारंपरिक सेल्फ-केयर प्रैक्टिस भी माना जाता था. चलिए जानते हैं इसके फायदे और तरीके के बारे में.

आजकल हम खूबसूरत और चमकदार बालों के लिए हजारों रुपये खर्च करके महंगे शैम्पू, सीरम, कंडीशनर और हेयर स्पा का सहारा लेते हैं. लेकिन फिर भी डैंड्रफ, बाल झड़ने और स्कैल्प इन्फेक्शन जैसी परेशानियां हमारा पीछा नहीं छोड़तीं. क्या आपने कभी सोचा है कि पुराने ज़माने में, जब यह सब केमिकल वाले ब्यूटी प्रोडक्ट्स नहीं थे, तब हमारी नानी-दादी या प्राचीन भारत की महिलाएं अपने बालों को इतना घना, लंबा और खुशबूदार कैसे रखती थीं?

नेचुरोपैथ एक्सर्प आर रितविका ने बताया कि उस दौर में बालों को सुखाने और संवारने का एक बेहद अनोखा और वैज्ञानिक तरीका था, 'धूपन चिकित्सा' यानी गीले बालों को हर्बल धूप की धूनी देना.

नहाने के बाद जब बाल गीले होते थे, तो महिलाएं सुलगते हुए कोयले या उपलों पर खास जड़ी-बूटियाँ डालकर उसके धुएं से बालों को सुखाती थीं. यह सिर्फ एक पुरानी परंपरा या खुशबू का ज़रिया नहीं था, बल्कि इसके पीछे गहरा आयुर्वेदिक विज्ञान छिपा हुआ था.

बालों मे धूनी देने के जबरदस्?त फायदे-

स्कैल्प की प्राकृतिक सफाई और इन्फेक्शन से बचाव

नहाने के बाद सिर की त्वचा नमी के कारण संवेदनशील हो जाती है, जिससे बैक्टीरिया और फंगस पनपने का खतरा सबसे ज्यादा होता है. जब नीम, तुलसी, जटामानसी या गुग्गल जैसी शक्तिशाली औषधियों को सुलगाकर उसकी धूनी ली जाती है, तो इसका धुआं एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-फंगल की तरह काम करता है. यह धुआं बालों के कोने-कोने में जाकर पसीने की बदबू, गंदगी और छिपे हुए सूक्ष्म बैक्टीरिया को पूरी तरह खत्म कर देता है.

अगर आप जिद्दी डैंड्रफ और सिर की खुजली से परेशान हैं, तो धूप की धूनी से बेहतर प्राकृतिक इलाज कोई नहीं. सूखे नीम के पत्ते, कपूर और देसी गाय के गोबर से बने कंडे (उपले) पर जब जड़ी-बूटियाँ डाली जाती हैं, तो उससे निकलने वाला औषधीय धुआं स्कैल्प को गहराई से साफ करता है. यह बिना त्वचा को ड्राई किए डैंड्रफ पैदा करने वाले फंगस को जड़ से खत्म कर देता है.

बालों की जड़ों की मजबूती और नया जीवन

धूप की धूनी से निकलने वाली हल्की और प्राकृतिक गर्माहट सिर के रक्त संचार (blood circulation) को बढ़ाती है. जब स्कैल्प में ब्लड फ्लो सुधरता है, तो बालों के रोम (hair follicles) तक सही मात्रा में ऑक्सीजन और पोषण पहुँचता है. इससे बाल जड़ों से मजबूत होते हैं, उनका टूटना-झड़ना रुकता है और नए बालों के उगने में मदद मिलती है.

त्रिदोष का संतुलन और तनाव से राहत

आयुर्वेद के अनुसार, गीले बालों में ठंडक जमने से शरीर में 'वात' और 'कफ' दोष बढ़ सकता है,

जिससे सिरदर्द या जुकाम की शिकायत हो जाती है. धूप की हल्की गर्माहट वात दोष को तुरंत शांत करती है. इसके अलावा, जटामांसी और गुग्गल जैसी जड़ी-बूटियों की भीनी-भीनी प्राकृतिक सुगंध मस्तिष्क को सुकून देती है. इससे दिनभर की दिमागी थकान, मानसिक तनाव (mental fog) और सिर भारी होने की समस्या चुटकियों में गायब हो जाती है.

सकारात्मक ऊर्जा और औरा (Aura) की शुद्धि

हमारे बुजुर्ग मानते थे कि बाल हमारी नकारात्मक ऊर्जा को बहुत जल्दी सोखते हैं. धूपन केवल शारीरिक सफाई तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक आध्यात्मिक प्रक्रिया भी है. हर्बल धूप का धुआं आपके शरीर और आपके आसपास के वातावरण की नकारात्मक ऊर्जा (negative energ4) को दूर भगाता है. यह आपके औरा (ह्वह्ल्ड्ड) को शुद्ध करके मन को एक नई सकारात्मक ऊर्जा और शांति से भर देता है.

घर पर कैसे लें बालों में धूप की धूनी?

इसे आज के समय में अपनाना बहुत आसान है. एक छोटे मिट्टी के बर्तन (धूपदान) में एक छोटा सुलगता हुआ कोयला या उपले का टुकड़ा रखें. उस पर थोड़ा सा गुग्गल, लोबान, सूखे नीम के पत्ते और थोड़ा सा देसी घी डालें. जब हल्का धुआं निकलने लगे, तो अपने बालों को आगे की तरफ झुकाकर धुएं को बालों के बीच से गुजरने दें. ध्यान रखें कि धुआं बहुत तेज न हो और बर्तन बालों से सुरक्षित दूरी पर रहे.

'लव टू हेट यू : चैप्टर 2' में अलग अंदाज में नजर आएंगी मोनालिसा,

बताया- 'किरदार में कई इमोशंस और ट्विस्ट'

> कहानी में प्यार, धोखा, दर्द और कई ऐसे मोड़ हैं, जो दर्शकों की दिलचस्पी बनाए रखते हैं।

मुंबई। प्यार, रिश्तों, धोखे और गलतफहमियों के बीच उलझी कहानी 'लव टू हेट यू: चैप्टर 2' में अभिनेत्री मोनालिसा एक अलग और चुनौतीपूर्ण अंदाज में नजर आने वाली हैं। शो में उनका किरदार कई तरह की भावनाओं और परिस्थितियों से गुजरता है। यही वजह है कि अभिनेत्री के लिए यह किरदार बेहद खास है।

मोनालिसा का कहना है कि किसी कलाकार के लिए ऐसे किरदार निभाना ज्यादा दिलचस्प होता है, जिनमें भावनाओं के कई रंग देखने को मिलें।

मोनालिसा ने मीडिया से बातचीत में बताया कि उन्हें सबसे ज्यादा उनके किरदार की जटिलता पसंद आई। उन्होंने कहा, ''मुझे इस शो के बारे में जो चीज सबसे ज्यादा पसंद आई, वह यह थी कि मेरा किरदार सरल नहीं है। वह कई तरह की भावनाओं और परिस्थितियों से गुजरता है। मुझे ऐसे किरदार निभाना पसंद है, जिनमें अलग-अलग रंग दिखाने का मौका मिले।''

मोनालिसा ने आगे कहा, ''कहानी में प्यार, धोखा, दर्द और कई ऐसे मोड़ हैं, जो दर्शकों की दिलचस्पी बनाए रखते हैं। जब मैंने पूरी कहानी पढ़ी तो मुझे लगा कि इसमें बतौर कलाकार खुद को अलग तरीके से पेश करने का मौका है। मैं इस प्रोजेक्ट को लेकर बेहद उत्साहित थी।

अभिनेत्री ने बताया, ''जब आप कोई भावनात्मक किरदार निभा रहे होते हैं, तो आपको समझना पड़ता है कि वह व्यक्ति क्या महसूस कर रहा है। कभी किरदार गुस्से में होता है, कभी दुखी, कभी उलझन में। मैंने यह समझने की कोशिश की कि मेरा किरदार किसी खास स्थिति में उस तरह प्रतिक्रिया क्यों दे रही है।

उन्होंने कहा, ''मैंने अपने किरदार की भावनाओं को बहुत स्वाभाविक रखने की कोशिश की है। मेरा मानना है कि अगर किसी सीन में भावनाएं जबरदस्ती दिखाई जाएं तो वह दर्शकों से जुड़ नहीं पातीं। कलाकार जितना ज्यादा अपने किरदार को समझता है, उसके लिए भावनात्मक दृश्यों को निभाना उतना ही आसान हो जाता है। मेरे लिए भी किरदार की सोच और उसकी प्रतिक्रिया को समझना इस भूमिका की तैयारी का अहम हिस्सा रहा।''

मोनालिसा ने कहा, ''शो की कहानी में परिवार से जुड़े मुद्दे हैं, राज हैं और गलतफहमियां हैं। एक कलाकार के तौर पर आपको यह याद रखना होता है कि आपके किरदार को क्या पता है और क्या नहीं पता। कई बार आप एक भावना के साथ कोई सीन कर रहे होते हैं, लेकिन अंदर से आपको पता होता है कि कुछ और भी चल रहा है। यही चीज इसे दिलचस्प होने के साथ-साथ मुश्किल भी बनाती है।

उन्होंने कहा, ''कहानी में कुछ ऐसे पल थे, जब मैंने सोचा कि क्या वाकई ऐसा होने वाला है? मैं इसके बारे में ज्यादा कुछ नहीं बताना चाहती, क्योंकि इससे दर्शकों का मजा खराब हो जाएगा। कहानी में ऐसे कई पल जरूर हैं, जो लोगों को रुककर सोचने पर मजबूर करेंगे। मैं स्क्रिप्ट पढ़ते समय भी जानना चाहती थी कि आगे क्या होने वाला है।''

अभिनेत्री ने कहा, ''मुझे लगता है कि हर किसी ने ऐसी परिस्थितियों का सामना किया है, जहां उन्होंने किसी पर भरोसा किया और बाद में उन्हें दुख या उलझन महसूस हुई। कई बार हमें पूरी सच्चाई पता नहीं होती और हम वही देखकर प्रतिक्रिया देते हैं, जो हमारे सामने होता है। मेरा किरदार भी ऐसी ही भावनाओं से गुजरता है। मुझे लगता है कि लोग उसके इस पक्ष को समझ पाएंगे, क्योंकि रिश्ते कभी भी पूरी तरह परफेक्ट नहीं होते।

'लव टू हेट यू: चैप्टर 2' में हर्ष राजपूत और नियति फतनानी फिर से अमन और रिया के किरदारों में नजर आ रहे हैं। इनके अलावा शो में अभिमन्यु तोमर और संजना भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगी।

स्टारकास्ट

हर्ष-नियति फिर बने अमन-रिया

'लव टू हेट यू: चैप्टर 2' में हर्ष राजपूत और नियति फतनानी फिर से अमन और रिया के किरदारों में नजर आ रहे हैं। इनके अलावा शो में अभिमन्यु तोमर और संजना भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगी।

सुनील शेट्टी के बर्थडे पर बेटे अहान ने शेयर की खास तस्वीर, जैकी श्रॉफ ने भी दी शुभकामनाएं

विश्व केसरी

मुंबई । अभिनेता सुनील शेट्टी मंगलवार को अपना जन्मदिन मना रहे हैं। इस मौके पर इंडस्ट्री के दोस्तों और परिवार के लोगों ने उन्हें जमकर बधाई दी। सुनील शेट्टी का जन्म 11 अगस्त 1961 में हुआ था।

एक्टर अहान शेट्टी ने इंस्टाग्राम पर पिता सुनील शेट्टी के साथ तस्वीर पोस्ट कर उन्हें बर्थडे विश किया। उन्होंने लिखा, 'हैप्पी बर्थडे पापा, सुनील शेट्टी।'

अभिनेता जैकी श्रॉफ ने इंस्टाग्राम के जरिए अभिनेता सुनील शेट्टी को जन्मदिन की बधाई दी। अभिनेता ने स्टोरीज सेक्शन पर जैकी के साथ तस्वीर पोस्ट की। इसके साथ लिखा, 'असली भिड़ू। जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं।'

जैकी श्रॉफ और सुनील शेट्टी साथ में बहुत अच्छा बॉन्ड शेयर करते हैं। दोनों ने साथ में कई फिल्मों में काम किया है, जिनमें बॉर्डर (1997), बाजः अ बर्ड इन डेंजर, हलचल और अपना सपना मनी-मनी शामिल हैं।

सुनील शेट्टी की बात करें तो उन्होंने अपने तीन दशक से अधिक लंबे करियर में 100 से अधिक फिल्मों में काम किया है। उन्होंने 1992 की एक्शन फिल्म 'बलवान' से अपने अभिनय सफर की शुरुआत की थी। उन्हें मुख्य रूप से 90 के दशक के शीर्ष एक्शन हीरो और बाद में बेहतरीन कॉमेडी तथा संजीदा किरदारों के लिए जाना जाता है।

पहली फिल्म 'बलवान' से अभिनय की दुनिया में कदम रखने के बाद अभिनेता ने 'मोहरा', 'दिलवाले', 'गोपी किशन', और 'सपूत' जैसी फिल्मों से जबरदस्त एक्शन स्टार के रूप में पहचान बनाई, जिसके बाद उन्हें 90 के दशक के वह सबसे व्यस्त और सफल अभिनेताओं में गिना जाने लगा।

वर्ष 2000 में आई फिल्म 'हेरा फेरी' ने उनकी एक्शन हीरो की छवि को बदला। इस फिल्म में 'श्याम' का उनका किरदार अमर हो गया। उन्होंने 'धड़कन' (2000) और 'मैं हूं ना' (2004) जैसी फिल्मों में अपने शानदार नेगेटिव और संजीदा अभिनय के लिए वाहवाही बटोरी।

हर्षवर्धन राणे ने शेयर किया 'पुलिस कंपनी' का पहला लुक टेस्ट, बनेंगे 'दयानायक'

मुंबई। अभिनेता हर्षवर्धन राणे फिल्ममेकर रोम गोपाल वर्मा की अपकमिंग फिल्म 'पुलिस कंपनी' में नजर आएंगे। मंगलवार को अभिनेता ने फिल्म के लिए अपना पहला ट्रायल लुक टेस्ट की झलक शेयर की।

अभिनेता ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट किया। इसमें अभिनेता अपनी दाढ़ी हटाते नजर आ रहे हैं। अभिनेता ने इस पोस्ट के जरिए बताया कि ये लुक उनके अभी शुरुआती स्टेज का है। रामगोपाल वर्मा आगे इसमें और डिटेल्स जोड़ेंगे और धीरे-धीरे किरदार का लुक तैयार करेंगे। अभिनेता ने वीडियो पोस्ट कर लिखा, 'यह 'दयानायक' सर की दुनिया में कदम रखने के लिए मेरा पहला ट्रायल लुक टेस्ट था। रामगोपाल सर अब और परमानेंट डिटेल्स जोड़ेंगे और धीरे-धीरे लुक बनाएंगे।'

ये ट्रायल लुक उनके अपकमिंग किरदार 'दयानायक' के लिए है। फिल्म को टी-सीरीज द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा। इससे पहले रामगोपाल वर्मा ने सोशल मीडिया के जरिए फिल्म के बारे में बताया था।

फिल्म की बात करें तो यह मुंबई पुलिस के उस स्पेशल एनकाउंटर स्क्वाड और पूर्व एनकाउंटर स्पेशलिस्ट दया नायक के जीवन पर आधारित होगी, जिसमें अभिनेता हर्षवर्धन राणे मुख्य भूमिका निभाएंगे। 1997 से 2004 के बीच मुंबई अंडरवर्ल्ड और संगठित अपराध के खात्मे के लिए बनाए गए स्पेशल पुलिस स्क्वाड के ऑपरेशन।

माना जा रहा है कि यह फिल्म राम गोपाल वर्मा की पुरानी फिल्मों 'कंपनी' और 'सत्या' के अंडरवर्ल्ड जॉनर की वापसी होगी। फिल्म की स्टार कास्ट और रिलीज डेट से जुड़ी अन्य जानकारियां अभी सामने नहीं आई।

'शेर वाला गाना सुनाओ', केबीसी में प्रीति जिंटा ने बताया बच्चे अमिताभ बच्चन को ऐसे याद करते हैं

विश्व केसरी

मुंबई। क्विज रियलिटी शो 'कौन बनेगा करोड़पति' के पहले एपिसोड का आगाज हो गया। सनी देओल और प्रीति जिंटा के साथ आमिर खान भी इस सीजन के पहले गेस्ट थे।

हॉट सीट पर मजेदार बातचीत के दौरान प्रीति जिंटा ने बताया कि कैसे मेगास्टार अमिताभ बच्चन उनके घर में फेवरेट हैं। यह खुलासा अभिनेत्री ने तब किया, जब उन्होंने मेगास्टार अमिताभ बच्चन से पूछा, 'आप बताइए कि घर में फिल्म इंडस्ट्री से कौन सबसे ज्यादा पॉपुलर है। इस पर बिग बी ने मजाक में जवाब दिया, 'कोई भी नहीं।'

अभिनेत्री ने बताया कि अमिताभ बच्चन उनके घर में सबसे ज्यादा पॉपुलर हैं। उनके बच्चे अमिताभ बच्चन को उनकी फिल्म 'मिस्टर नटवरलाल' के मशहूर गाने 'मेरे पास आओ मेरे दोस्तों' से जानते हैं।

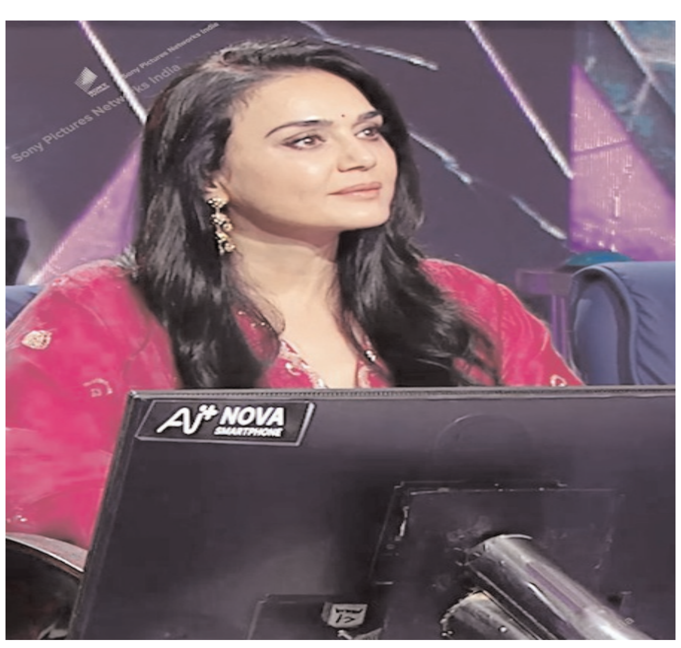

प्रीति जिंटा ने कहा, 'मेरे बच्चे आपका गाना 'मेरे पास आओ मेरे दोस्तों' गाना अच्छे से सुनते हैं। वो मुझसे कहते हैं, 'मॉम, शेर वाला गाना... मेरे पास आओ मेरे...'। वो जो आप करते हैं ना, जिंगल ट्यून्स तो मेरे बच्चे हमेशा वही करते रहते हैं।'

इस पर प्रीति स्टूडियो में हंसते-हंसते लोटपोट हो गईं। तब बिग बी ने भी मजेदार बात शेयर की कि आजकल की पीढ़ी उनकी 55 साल की सिनेमाई विरासत को कैसे देखती है।

बिग बी बोले, 'चलिए शुक्र है कि किसी फिल्म से तो हमारा संबंध रखते हैं वो.. इतने बच्चे मिलते हैं ना, वो अपने मम्मी-पापा के साथ आकर यहां बोलते हैं, सर हमारा छोटा बच्चा है 5 साल का, पिक्चर देखते ही बोलता है सर केबीसी अंकल.. यानी 50-55 साल हो गए काम करते हुए, इतनी फिल्मों में काम किया है, किसी कैरेक्टर का नाम ही नहीं लेते हैं, सिर्फ उनको केबीसी याद आता है।'

फिल्म 'मिस्टर नटवरलाल' (1979) का गाना 'मेरे पास आओ मेरे दोस्तों' अमिताभ बच्चन द्वारा पार्श्व गायक के रूप में गाया गया पहला गाना था। इस गीत को राजेश रोशन ने संगीतबद्ध किया था और आनंद बख्शी ने लिखा था।

एक फ्रेम में दिखीं कपूर परिवार की 4 पीढ़ियां, नीतू कपूर ने शेयर की दुर्लभ तस्वीर

विश्व केसरी

मुंबई। अभिनेत्री नीतू कपूर ने सोमवार को अपने सोशल मीडिया के माध्यम से कपूर खानदान की चार पीढ़ियों की हल्की-सी झलक शेयर की। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर एक तस्वीर पोस्ट की, जिसके फ्रेम में कपूर परिवार के अलग-अलग पीढ़ियों के सदस्य एक साथ नजर आ रहे हैं। इस कीमती फ्रेम में उनकी गुजर चुकी सास कृष्णा राज कपूर, बेटी रिद्धिमा कपूर साहनी और पोती समारा नजर आ रहे हैं।

तस्वीर पोस्ट कर अभिनेत्री ने लिखा, 'कपूर खानदान की 4 पीढ़ियां एक रेयर तस्वीर में।'

कृष्णा राज कपूर हिंदी सिनेमा के प्रसिद्ध शोमैन राज कपूर की पत्नी हैं। कृष्णा अभिनेता प्रेमनाथ की बहन और रीवा के पुलिस आईजी की पुत्री थीं। उन्होंने हमेशा पर्दे के पीछे रहकर कपूर परिवार को एक सूत्र में बांधे रखा।

मुंबई के चेंबूर में शुरुआती दिनों में कृष्णा ने आर्थिक मदद के लिए साड़ियों पर कढ़ाई भी की थी। माना जाता है कि राज कपूर की फिल्म 'बरसात' (1949) के निर्माण के दौरान उन्होंने अपने गहने तक बेच दिए थे। कृष्णा राज कपूर और राज कपूर के पांच बच्चे थे, रणधीर कपूर, ऋषि कपूर, राजीव कपूर, रितु नंदा और रीमा जैन।

कृष्णा राज कपूर का निधन 1 अक्टूबर 2018 को 87 साल की उम्र में कार्डियक अरेस्ट की वजह से हो गया था।

कृष्णा राज कपूर को कपूर खानदान की आधारशिला माना जाता था। उनके निधन के समय उनके बड़े बेटे रणधीर कपूर और परिवार के अन्य सदस्य मौजूद थे।

अभिनेत्री नीतू कपूर हाल ही में फिल्म 'दादी की शादी' में नजर आई थीं। इस फिल्म में रिद्धिमा, नीतू कपूर के साथ स्क्रीन शेयर किया है।

आशीष आर. मोहन की निर्देशित फिल्म 'दादी की शादी' पारिवारिक ड्रामा है, जिसमें हंसी और मस्ती देखने को मिलेगी। इसमें कपिल शर्मा और नीतू कपूर मुख्य भूमिकाओं में हैं।

'गदर 2' की तीसरी सालगिरह पर भावुक हुए फिल्ममेकर अनिल शर्मा, बोले- क्या दिन था वो

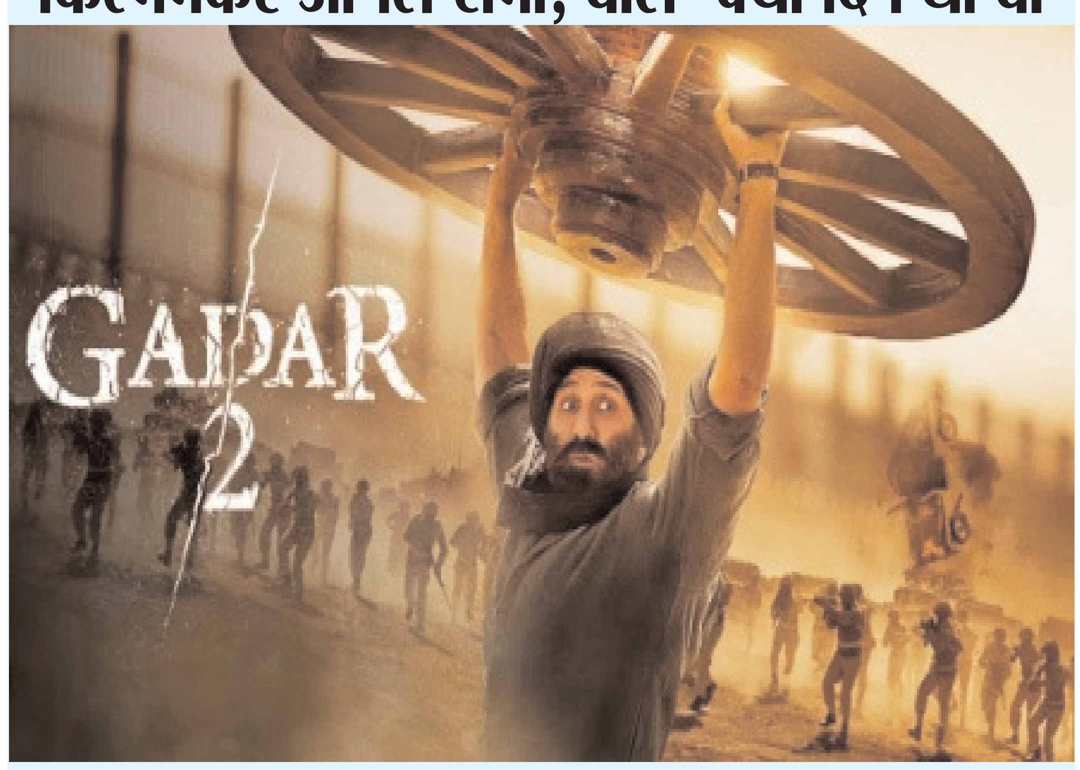

विश्व केसरी

मुंबई । फिल्ममेकर अनिल शर्मा की फिल्म 'गदर 2' को रिलीज हुए तीन साल पूरे हो गए हैं। 11 अगस्त 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई सनी देओल और अमीषा पटेल स्टारर इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त सफलता हासिल की थी। फिल्म की रिलीज को लेकर दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्साह देखने को मिला था। अब फिल्म की तीसरी सालगिरह के मौके पर अनिल शर्मा ने सोशल मीडिया पर फिल्म से जुड़ी यादें साझा की हैं।

अनिल शर्मा ने सोशल मीडिया पर 'गदर 2' का एक पोस्टर शेयर किया। इस पोस्टर में फिल्म की एडवांस बुकिंग से जुड़ी जानकारी है। उन्होंने बताया कि फिल्म की रिलीज से एक दिन पहले ही 20 लाख टिकट एडवांस में बुक हो चुके थे। इस उपलब्धि को याद करते हुए उन्होंने उस समय की अपनी और पूरी टीम की भावनाएं भी साझा कीं।

अनिल शर्मा ने लिखा, 'यूं तो 'गदर 2' को रिलीज हुए 3 साल पूरे हो गए हैं, लेकिन ऐसा लगता है जैसे कल ही तो बात हो। मैंने रिलीज से एक दिन पहले यानी 10 अगस्त को, पोस्टर डाला था कि 20 लाख टिकट एडवांस में बुक हो गए हैं और 11 अगस्त की सुबह इसी वक्त हम सबकी आंखों में खुशी के आंसू थे। क्या दिन था वो। भगवान बहुत दयालु हैं।'

'गदर 2' में सनी देओल एक बार फिर तारा सिंह के किरदार में नजर आए थे, जबकि अमीषा पटेल ने सकीना की भूमिका निभाई थी। यह फिल्म 2001 में आई सुपरहिट फिल्म 'गदरः एक प्रेम कथा' का स्क्वील था। इसमें पहली फिल्म की घटनाओं के कई साल बाद की कहानी को दिखाया गया था। फिल्म में तारा सिंह और उनके परिवार के जीवन में आए बदलावों के साथ भारत-पाकिस्तान के तनाव को भी कहानी का अहम हिस्सा बनाया गया था।

अनिल शर्मा के निर्देशन में बनी इस फिल्म की कहानी शक्तिमान तलवार ने लिखी थी। फिल्म में सनी देओल और अमीषा पटेल के अलावा उत्कर्ष शर्मा, सिमरत कौर, मनीषा वाधवा और गौरव चोपड़ा भी अहम भूमिकाओं में नजर आए थे। फिल्म की कहानी 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध की पृष्ठभूमि पर आधारित थी।

कहानी में तारा सिंह अपने बेटे जीते को पाकिस्तान की कैद से छुड़ाने के लिए एक बार फिर सीमा पार जाने का फैसला करता है। अपने बेटे को बचाने के लिए वह पाकिस्तान पहुंचता है और वहां उसे कई मुश्किल परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। फिल्म में तारा सिंह का वही मजबूत अंदाज देखने को मिला, जिसे दर्शकों ने पहली फिल्म में खूब पसंद किया था। वहीं, एक कार्यक्रम के दौरान अनिल शर्मा ने फिल्म के अगले पार्ट 'गदर 3' को लेकर भी बड़ा अपडेट दिया था। उन्होंने बताया कि फिल्म पर फिलहाल काम चल रहा है और इसकी स्क्रिप्ट तैयार करने की प्रक्रिया जारी है।

नौसेना प्रमुख ने की मॉरीशस की गृह व रक्षा सचिव से मुलाकात, समुद्री सुरक्षा पर फोकस

विश्व केसरी

भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन इन दिनों मॉरीशस की आधिकारिक यात्रा पर हैं। अपनी इस यात्रा के प्रारंभ में उन्होंने मॉरीशस सरकार में गृह एवं रक्षा मामलों की सचिव कान ओए फोंग वेंग-पूर्न, मॉरीशस पुलिस बल के पुलिस आयुक्त रामप्रसाद सूरूजबली और मॉरीशस में भारत के उच्चायुक्त अनुराग श्रीवास्तव से मुलाकात की है।

इस दौरान भारत व मॉरीशस के बीच समुद्री सुरक्षा सहयोग को और मजबूत करने सहित कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन की इन महत्वपूर्ण बैठकों में समुद्री सुरक्षा सहयोग, मॉरीशस के राष्ट्रीय तटरक्षक बल की क्षमता बढ़ाने, और दोनों देशों के विशेष आर्थिक क्षेत्रों की संयुक्त निगरानी पर फोकस रहा। इसके अलावा, दोनों देशों के समुद्री सुरक्षा बलों के बीच परिचालन संबंधों का विस्तार भी चर्चा में रहा।

भारतीय नौसेना के अनुसार, बातचीत का उद्देश्य हिंद महासागर क्षेत्र में बदलती समुद्री सुरक्षा चुनौतियों के बीच भारत और मॉरीशस के बीच समन्वय को और प्रभावी बनाना है। दोनों पक्षों ने समुद्री क्षेत्र में सूचनाओं के आदान-प्रदान, निगरानी क्षमताओं को मजबूत करने और संयुक्त अभियानों के लिए आपसी सहयोग बढ़ाने की संभावनाओं पर भी विचार किया।

भारत और मॉरीशस के बीच लंबे समय से मजबूत समुद्री साझेदारी रही है। दोनों देश हिंद महासागर में सुरक्षित और स्थिर समुद्री वातावरण सुनिश्चित करने के साझा लक्ष्य के लिए काम कर रहे हैं। यह सहयोग भारत की 'महासागर' यानी क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास की व्यापक विजन के अनुरूप है। मॉरीशस हिंद महासागर में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण स्थान पर स्थित है। ऐसे में उसके राष्ट्रीय तटरक्षक बल की निगरानी और समुद्री सुरक्षा क्षमताओं को मजबूत करना भारत की क्षेत्रीय समुद्री सुरक्षा नीति का महत्वपूर्ण हिस्सा है। भारत और मॉरीशस के समुद्री बलों के बीच पहले से ही प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण, समुद्री निगरानी और संयुक्त गतिविधियों के क्षेत्र में सहयोग होता रहा है। नई बातचीत के दौरान इस सहयोग को और व्यापक बनाने तथा दोनों देशों के समुद्री सुरक्षा तंत्र के बीच परिचालन संपर्क बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में दोनों देशों के विशेष आर्थिक क्षेत्रों की संयुक्त निगरानी का मुद्दा भी महत्वपूर्ण रहा। समुद्री क्षेत्र में अवैध गतिविधियों, तस्करी, अवैध मछली पकड़ने और अन्य समुद्री सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए दोनों देशों के बीच बेहतर समन्वय को आवश्यक माना जा रहा है। भारतीय नौसेना प्रमुख की मॉरीशस यात्रा को दोनों देशों के बीच समुद्री सुरक्षा संबंधों को नई मजबूती देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

यूक्रेन पर रूसी मिसाइल हमलों में 6 लोगों की मौत, जेलेंस्की ने की कड़े प्रतिबंधों की मांग

विश्व केसरी

नई दिल्ली। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने रूसी हमलों की निंदा करते हुए आरोप लगाया कि रूस जानबूझकर नागरिक ढांचे को नुकसान पहुंचाने की अधिकतम कोशिश कर रहा है। सोमवार रात रूस के मिसाइल हमलों में छह लोगों की मौत हो गई और 19 लोग घायल हुए हैं।

यूक्रेन के राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'जापोरिज्जिया में रूसी हमले के बाद से रात भर राहत और बचाव कार्य जारी हैं। शहर पर उत्तर कोरियाई बैलिस्टिक मिसाइलों, 'जिरकॉन' मिसाइलों और ग्लाइड बमों से हमला किया गया। यह एक बेहद गंभीर हमला था, जिसे नागरिक ढांचे को अधिकतम नुकसान पहुंचाने के इरादे से अंजाम दिया गया।' जेलेंस्की ने बताया कि इस हमले में शहर में छह लोगों की मौत हुई है और 19 लोग घायल हुए हैं। मैं पीड़ित परिवारों और उनके करीबियों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। बचावकर्मी अभी हमले वाली एक जगह पर लगी आग बुझाने में जुटे हुए हैं।

यूक्रेनी राष्ट्रपति ने बताया कि कीव में मिसाइल हमले से एक संक्रामक रोग अस्पताल की इमारत और एक औद्योगिक इकाई को नुकसान पहुंचा है। वहीं, अग्रिम मोर्चे के करीब रहने वाले समुदायों पर ड्रोन हमलों का सिलसिला रोज जारी है। उन्होंने बताया कि खेरसॉन और खार्किव में रात के दौरान बिजली सब-स्टेशनों पर हमले हुए, जिससे बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। सभी संबंधित सेवाएं परिवारों तक दोबारा बिजली पहुंचाने के लिए काम कर रही हैं। इसके अलावा डोनेत्स्क, द्नीप्रोपेत्रोव्स्क और मिकोलाइव क्षेत्रों पर भी हमले किए गए। मिसाइलों के साथ-साथ पूरे यूक्रेन में 120 से ज्यादा ड्रोन इस्तेमाल किए गए, जिनमें अधिकांश जेट इंजन वाले 'शाहेद' ड्रोन थे।

जेलेंस्की ने कहा कि रूस के हर कदम, चाहे वह बैलिस्टिक मिसाइलों का उत्पादन बढ़ाना हो, उत्तर कोरियाई हथियारों का इस्तेमाल करना हो या नई सैन्य लामबंदी की तैयारी करना हो, यह साफ दिखाता है कि मॉस्को शांति की दिशा में नहीं बल्कि संघर्ष को और बढ़ाने की तैयारी कर रहा है।

संक्षिप्त खबर

जापान के रक्षा श्वेत पत्र पर भड़का उत्तर कोरिया, बताया सैन्य विस्तार का बहाना

विश्व केसरी

सोल। उत्तर कोरिया ने मंगलवार को जापान की नवीनतम रक्षा श्वेत पत्र (डिफेंस व्हाइट पेपर) की कड़ी आलोचना करते हुए इसे देश के सैन्य विस्तार को उचित ठहराने का प्रयास बताया। साथ ही, उसने इसे जापान की 'युद्ध मशीन के संचालन' के लिए कानूनी आधार तैयार करने वाला दस्तावेज करार दिया। ये बातें अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा विश्लेषक कांग चांग-चोल ने एक लेख में कही हैं, जो उत्तर कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी केसीएनए और देश के सबसे ज्यादा पढ़े जाने वाले अखबार 'रोडोंग सिनमुन में प्रकाशित हुआ। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, कांग ने कहा कि यह 'व्हाइट पेपर' ऐसे समय में जारी किया गया है जब 'जापान दोबारा सैन्य ताकत बढ़ाने की महत्वाकांक्षा के साथ तेजी से सैन्यीकरण की ओर बढ़ रहा है।' उन्होंने आरोप लगाया कि जापान ने अपने 'लापरवाह' सैन्य विस्तार को जायज ठहराने के लिए 'व्हाइट पेपर' में बिना किसी आधार के उत्तर कोरिया को 'गंभीर और तत्काल खतरा' बताया है। कांग ने कहा, 'जापान ने अपने पिछले अपराधों को नकारने और सैन्य शक्ति बनने की महत्वाकांक्षा को राष्ट्रीय नीति बना लिया है। साथ ही वह अमेरिका और उसके सहयोगियों के साथ गठबंधन को लगातार मजबूत कर रहा है। ऐसे में पड़ोसी देशों से कथित खतरे का हवाला देना सच को उल्टा पेश करने जैसा है।'

भालुओं के बढ़ते हमले ही नहीं, लोगों की शिकायत का तरीका भी प्रशासन को कर रहा परेशान

विश्व केसरी

टोक्यो। जापान में भालुओं से लोग खौफजदा है। रिहायशी इलाकों में जब-तब ये दिख जा रहे हैं। लोग डरे सहमे हैं तो वहीं इससे निपटने वाले स्थानीय प्रशासन के कर्मचारियों पर भी काम का दबाव लगातार बढ़ रहा है। एक सरकारी सर्वेक्षण के अनुसार, भालुओं से जुड़ी शिकायतों का जवाब देने वाले 40 प्रतिशत से अधिक स्थानीय निकायों को अभद्र शिकायतों और बेहद लंबे फोन कॉल का सामना करना पड़ा।

क्योडो समाचार एजेंसी ने मंगलवार को एक रिपोर्ट के हवाले से बताया कि जापान सरकार ने इस स्थिति का आकलन करने के लिए 40 प्रीफेक्चरल और नगरपालिका प्रशासन का सर्वेक्षण किया। इनमें से 17 स्थानीय निकायों ने कहा कि भालुओं से संबंधित शिकायतों ने उनके नियमित कामकाज को प्रभावित किया। कुछ स्थानीय प्रशासन ने केंद्र सरकार से ऐसी परिस्थितियों से निपटने के लिए स्पष्ट दिशानिर्देश तैयार करने की मांग भी की है। इन 17 निकायों में से 10 ने बताया कि उन्हें ऐसी शिकायतों का जवाब देने में काफी समय लग रहा है। कई फोन कॉल एक घंटे से भी ज्यादा समय तक चले। वहीं, पांच स्थानीय निकायों ने कहा कि उनकी वेबसाइट और ईमेल के जरिए शिकायतों और संदेशों की बाढ़ आ गई। कुछ मामलों में लोगों का रवैया बेहद आक्रामक रहा।

रूसी विमानों ने यूक्रेन के सैन्य ठिकानों पर बरसाए बम, ड्रोन केंद्र भी किया ध्वस्त

विश्व केसरी

नई दिल्ली। रूसी रक्षा मंत्रालय यूक्रेनी सैन्य ठिकानों और ड्रोन नियंत्रण केंद्रों को निशाना बनाने का दावा किया। मंत्रालय ने बताया कि यूक्रेन के डोनेत्स्क, खार्किव और सूमी क्षेत्रों में हवाई हमले किए।

रूसी समाचार एजेंसी 'तास' की रिपोर्ट के अनुसार, रूस के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि रूसी एयरोस्पेस बलों ने डोनेत्स्क पीपुल्स रिपब्लिक (डीपीआर) के साथ-साथ खार्किव और सूमी क्षेत्रों में यूक्रेनी सैन्य इकाइयों के अस्थायी ठिकानों और ड्रोन नियंत्रण केंद्रों पर हमले किए।

मंत्रालय ने बताया कि रूसी सशस्त्र बलों की टोही कार्रवाई के दौरान यूक्रेनी सैनिकों के अस्थायी तैनाती स्थलों और एक मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी) नियंत्रण केंद्र की पहचान की गई। इसके बाद रूसी एयरोस्पेस बलों के विमानों ने फैब-250 हवाई बमों और एलएमयूआर एयर-लॉन्च मिसाइलों का इस्तेमाल करते हुए इन लक्ष्यों पर हवाई हमले किए। फैब-250 बम यूनिवर्सल ग्लाइडिंग और करेक्शन मॉड्यूल से लैस थे। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, हमले डोनेत्स्क पीपुल्स रिपब्लिक के डोनेत्स्कोये बस्ती के पास यूक्रेन की 63वीं अलग ब्रिगेड के अस्थायी ठिकाने पर किए गए। 'तास' की रिपोर्ट के अनुसार, खार्किव क्षेत्र के बोल्दीरेवका इलाके के पास 104वीं अलग टेरीटोरियल डिफेंस ब्रिगेड के अस्थायी तैनाती स्थल को भी निशाना बनाया गया।

मंत्रालय ने बताया कि सूमी क्षेत्र के पोरोजोक बस्ती में स्थित 119वीं अलग टेरीटोरियल डिफेंस ब्रिगेड के ड्रोन नियंत्रण केंद्र पर भी हमला किया गया। रूसी रक्षा मंत्रालय का कहना है कि इन हमलों में यूक्रेनी बलों के अस्थायी ठिकानों और ड्रोन संचालन से जुड़े ठिकानों को निशाना बनाया गया।

वहीं, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने इन हमलों की निंदा करते हुए कहा कि रूस के हर कदम, चाहे वह बैलिस्टिक मिसाइलों का उत्पादन बढ़ाना हो, उत्तर कोरियाई हथियारों का इस्तेमाल करना हो या नई सैन्य लामबंदी की तैयारी करना हो, यह साफ दिखाता है कि मॉस्को शांति की दिशा में नहीं बल्कि संघर्ष को और बढ़ाने की तैयारी कर रहा है।

पीओके प्रदर्शन : पाकिस्तानी सुरक्षा बलों की फायरिंग में ब्रिटिश नागरिक की मौत

विश्व केसरी

लंदन। पाकिस्तान कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में हुए प्रदर्शनों के दौरान पाकिस्तानी सुरक्षा बलों की फायरिंग में एक ब्रिटिश नागरिक की मौत हो गई। यह जानकारी मीडिया रिपोर्टों में सामने आई है।

ब्रिटिश अखबार द गार्डियन की रिपोर्ट के मुताबिक, ब्रिटेन के पीटरबरो शहर के रहने वाले 50 वर्षीय मोहम्मद अख्तर की 9 जून को मौत हो गई थी। उनके परिजनों का कहना है कि आर्थिक और चुनाव सुधारों की मांग को लेकर हुए प्रदर्शनों पर पाकिस्तानी सुरक्षा बलों की ओर से की गई गोलीबारी के दौरान उन्हें गोली लगी थी।

रिपोर्ट में कहा गया है कि एक अन्य ब्रिटिश नागरिक दो महीने से अधिक समय से पीओके की एक जेल में बंद है। परिवार की ओर से ब्रिटेन के विदेश मंत्रालय की मदद से उनकी रिहाई की कोशिशों के बावजूद अब तक उन्हें रिहा नहीं किया गया है। इन मामलों से पता चलता है कि पीओके में हुए हिंसक घटनाक्रमों का असर उन ब्रिटिश नागरिकों पर भी पड़ा है, जिनके पारिवारिक संबंध इस क्षेत्र से जुड़े हैं। हाल के वर्षों में यह हिंसा पाकिस्तानी अधिकारियों के लिए सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक मानी जा रही है और इसमें कई लोगों की जान जा चुकी है।

मोहम्मद अख्तर पीओके के कोटली शहर में रह रहे थे, जो उस इलाके के करीब है जहां झड़पें हुई थीं। उनके परिवार का कहना है कि पाकिस्तानी बलों की गोलीबारी के दौरान उन्हें गोली लगी। अख्तर के चचेरे भाई मोहम्मद साद ने द गार्डियन से कहा, 'वह प्रदर्शन में शामिल नहीं थे, लेकिन उनके घर के पास प्रदर्शन चल रहे थे। उस दिन सुरक्षा बलों की ओर से गोलीबारी हुई थी और उन्हें एक गोली लग गई। उनके सीने के एक तरफ गोली का घाव था।'

ऑस्ट्रेलिया में एच 5 एन 1 का खौफ! जिन पक्षियों को ज्यादा खतरा

विश्व केसरी

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया में तेजी से फैल रहे एच5एन1 बर्ड फ्लू के बीच सरकार ने अब इसकी चपेट में आने वाले दुर्लभ और संवेदनशील पक्षियों को बचाने के लिए टीकाकरण शुरू करने का फैसला किया है।

कृषि, मत्स्य और वानिकी मंत्री जूली कॉलिन्स ने मंगलवार को कैनबरा में बताया कि सरकार ने एच5एन1 वैक्सीन की शुरुआती 1,500 शीशियां हासिल कर ली हैं। इनका इस्तेमाल सबसे पहले कैद में रखे उन पक्षियों पर किया जाएगा, जिनके इस अत्यधिक संक्रामक वायरस की चपेट में आने का खतरा सबसे ज्यादा है।

सिन्हुआ न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने कहा, 'हम बहुत साफ कह चुके हैं कि हम एच5 बर्ड फ्लू को जंगली पक्षियों में फैलने से नहीं रोक सकते, लेकिन हम उन प्रजातियों को बचाने के लिए जरूरी कदम उठा सकते हैं जिन्हें सबसे ज्यादा रिस्क है, और वैक्सीनेशन अब उसी रणनीति का हिस्सा है।'

ऑस्ट्रेलियाई लोगों को आगाह करते हुए कहा, 'आने वाले समय में देश के अलग-अलग हिस्सों में एच5एन1 का और ज्यादा प्रसार देखने को मिल सकता है। इसके साथ ही बड़ी संख्या में पक्षियों की मौत और मास मॉर्टेलिटी की घटनाएं भी सामने आ सकती हैं।'

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, सोमवार तक ऑस्ट्रेलिया में एच5एन1 के 231 पुष्ट मामले सामने आ चुके थे। यह वायरस पहली बार जून में पाया गया था। अगस्त की शुरुआत से मामलों की संख्या में 300 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। पर्यावरण एवं जल मंत्री मरे वॉट ने कहा कि जहां संभव होगा, वहां जंगली पक्षियों के टीकाकरण पर भी विचार किया जाएगा, लेकिन फिलहाल कैद में रखे पक्षियों को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने बताया कि सरकार ने चिड़ियाघरों में दुर्लभ और संकटग्रस्त पक्षियों के संरक्षण के लिए कैप्टिव ब्रीडिंग कार्यक्रमों को भी मजबूत किया है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि एच5एन1 के कारण बड़ी संख्या में पक्षियों की मौत होने की स्थिति में भी इन प्रजातियों की आबादी बची रहे।

होर्मुज स्ट्रेट संकट पर ईरान-जर्मनी की चर्चा अराघची ने अमेरिका को ठहराया जिम्मेदार

विश्व केसरी

नई दिल्ली। क्षेत्रीय हालात और होर्मुज स्ट्रेट की सुरक्षा को लेकर अब्बास अराघची और जर्मनी के विदेश मंत्री जोहान वाडेफुल ने फोन पर बातचीत की। इस दौरान दोनों मंत्रियों ने ईरान के अमेरिका-इजरायल की सैन्य कार्रवाई को तनाव के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए कूटनीतिक प्रयास जारी रखने पर जोर दिया।

इस्लामिक रिपब्लिक न्यूज एजेंसी (आईआरएनए) की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची और जर्मनी के विदेश मंत्री जोहान वाडेफुल ने आपसी रिश्तों के साथ-साथ क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय हालात पर भी चर्चा की।

अराघची ने वाडेफुल को ओमान के साथ चल रही बातचीत के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इन बैठकों का मकसद होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों की आवाजाही के लिए एक सुरक्षित रास्ता सुनिश्चित करना है।

आईआरएनए के अनुसार, ईरान के विदेश मंत्री ने कहा कि इस अहम समुद्री मार्ग में पैदा हुई असुरक्षा की स्थिति पूरी तरह अमेरिका और इजरायल की ओर से ईरान के खिलाफ की गई सैन्य कार्रवाई का नतीजा है।

उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से आग्रह किया कि होर्मुज स्ट्रेट के बंद होने से पैदा होने वाले सुरक्षा और आर्थिक प्रभावों के लिए अमेरिकी प्रशासन को जवाबदेह ठहराया जाए। आईआरएनए के अनुसार, अराघची ने कहा कि इस जलमार्ग में सुरक्षा बहाल करने के लिए अमेरिका की आक्रामक कार्रवाइयों और गैरकानूनी दखलअंदाजी को समाप्त करना जरूरी है। इसमें समुद्री नाकाबंदी और इस्लामाबाद समझौता ज्ञापन के तहत अमेरिका की प्रतिबद्धताओं के अन्य कथित उल्लंघन भी शामिल हैं।

दोनों विदेश मंत्रियों ने अलग-अलग स्तरों पर कूटनीतिक बातचीत और संपर्क जारी रखने की अहमियत पर भी जोर दिया।

इससे पहले अराघची ये साफ कर चुके हैं कि इस समय हमारी अमेरिका के साथ कोई बातचीत नहीं हो रही है।

ऑस्ट्रेलिया : साउथ-वेस्ट सिडनी में फायरिंग, दो किशोर गिरफ्तार

विश्व केसरी

सिडनी। साउथ वेस्ट सिडनी में मंगलवार तड़के गोलीबारी के आरोप में दो किशोरों को गिरफ्तार किया गया है। न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू) पुलिस ने एक बयान जारी कर इसकी जानकारी दी।

सिंहुआ न्यूज एजेंसी के अनुसार, बयान में कहा गया कि मंगलवार सुबह करीब 2 बजे सिडनी के बाहरी साउथ-वेस्ट इलाके ईगल वेल में एक घर पर गोलियां चलाने की सूचना मिली।

इस गोलीबारी में कोई घायल नहीं हुआ। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शक के आधार पर वहां से तेजी से जाती सफेद हैचबैक कार को रोकने की कोशिश की। गाड़ी नहीं रुकी तो पुलिस ने पीछा शुरू किया। पुलिस से बचने की कोशिश में गाड़ी थंडरबोल्ट ड्राइव पर पेड़ से टकरा गई। इसके बाद गाड़ी में सवार तीन लोग मौके से भाग गए। पुलिस ने इलाके की तलाशी शुरू की। कुछ देर बाद, 15 और 17 साल के दो किशोरों को डकोटा प्लेस और थंडरबोल्ट ड्राइव से गिरफ्तार किया गया और कैंपबेलटाउन पुलिस स्टेशन ले जाया गया, जहां पूछताछ जारी है। तीसरे आरोपी की तलाश की जा रही है।

गाड़ी भी चोरी की थी। चोरी की गाड़ी की तलाशी के दौरान, अधिकारियों ने कथित तौर पर एक बंदूक बरामद की, जिसे फोरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है।

दक्षिण कोरिया : जेजू विमान हादसे की जांच का आदेश, एयरपोर्ट कॉरपोरेशन और परिवहन मंत्रालय पर पुलिस की छापेमारी

विश्व केसरी

सोल। दक्षिण कोरिया में 2024 का जेजू एयर विमान हादसा बेहद घातक हादसों में से एक माना जाता है। कुल 179 विमान सवारों की इसमें मौत हो गई थी। अब सरकार ने उस हादसे की जांच का आदेश दिया है।

योनहाप न्यूज एजेंसी ने बताया कि पुलिस ने मंगलवार को कोरिया एयरपोर्ट्स कॉरपोरेशन (केएसी), परिवहन मंत्रालय और बुसान क्षेत्रीय विमानन कार्यालय में छापेमारी की। अधिकारियों ने हादसे से जुड़े अहम दस्तावेज और अन्य सबूत जुटाने के लिए यह कार्रवाई की।

29 दिसंबर 2024 को मुआन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर जेजू एयर का विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। दक्षिण कोरिया के सबसे घातक विमान हादसों में शामिल इस दुर्घटना की जांच अब इस बात पर भी केंद्रित है कि संबंधित सरकारी और विमानन एजेंसियों ने अपनी जिम्मेदारियां सही तरीके से निभाईं या नहीं।

पुलिस की विशेष जांच टीम के अनुसार, छापेमारी का मकसद उन दस्तावेजों और सामग्रियों को हासिल करना है, जो हादसे से पहले और बाद में संबंधित एजेंसियों की कार्रवाई की पड़ताल में मदद कर सकते हैं।

जांच के दायरे में 45 लोग हैं, जिन पर पेशेवर लापरवाही के कारण मौत या चोट पहुंचाने के संदेह में कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने संकेत दिया है कि जांच के आधार पर उन पर गंभीर सार्वजनिक आपदा पैदा करने से संबंधित अतिरिक्त आरोप भी लगाए जा सकते हैं।

कोरिया एयरपोर्ट्स कॉरपोरेशन दक्षिण कोरिया के अधिकांश प्रमुख घरेलू हवाई अड्डों का प्रबंधन करता है, हालांकि इंचियोन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा इसके दायरे में नहीं आता। इसलिए केएसी और विमानन प्रशासन से जुड़े रिकॉर्ड जांच के लिए महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं।

जेपीएससी-जेएसएससी मुद्दे पर हंगामे के बीच झारखंड विधानसभा का मानसून सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

विश्व केसरी■

रांची। झारखंड विधानसभा का मानसून सत्र मंगलवार को भारी हंगामे और नारेबाजी के बीच निर्धारित समय से एक दिन पहले ही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। जेपीएससी-जेएसएससी भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं, छात्रों पर पुलिस कार्रवाई और झारखंड बंद के मुद्दे को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने-सामने रहे। लगातार जारी शोर-शराबे के कारण सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से नहीं चल सकी।

सदन की कार्यवाही दोपहर 12 बजे दोबारा शुरू होते ही विपक्षी सदस्यों ने जेपीएससी-जेएसएससी मामले को लेकर नारेबाजी शुरू कर दी। इसी दौरान मंत्री इरफान अंसारी ने भाजपा विधायकों के खिलाफ 'चंदा चोर' के नारे लगाए गए। इसके बाद नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने अपनी बात रखने की कोशिश की। हंगामा बढ़ने पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के कई विधायक सदन के वेल में पहुंच गए। सत्ता पक्ष की ओर से मंत्री दीपिका पांडेय सिंह, इरफान अंसारी, शिल्पी नेहा तिर्की और योगेंद्र महतो समेत कई विधायक वेल में पहुंचे। विपक्षी विधायक भी वेल में आकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते रहे। इस बीच वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने सदन में अपना प्रतिवेदन रखा। भारी शोर-शराबे के बीच प्रतिवेदन पारित कर दिया गया। इसके बाद सदन की कार्यवाही दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। बाद में जब सदन की कार्यवाही दोबारा शुरू हुई तो हंगामा थमने का नाम नहीं लिया। जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षाओं में कथित गड़बड़ी, छात्रों पर लाठीचार्ज और मंगलवार को भाजपा के आह्वान पर हुए झारखंड बंद को लेकर विपक्ष सरकार से जवाब मांगता रहा।

इसी हंगामे के बीच मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने जेपीएससी-जेएसएससी विवाद पर अपना भाषण दिया। उन्होंने विपक्ष पर छात्रों के आंदोलन को राजनीतिक रूप देने और उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगाया। लगातार हंगामे के कारण सदन का संचालन मुश्किल हो गया। अंततः विधानसभा अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो ने मानसून सत्र की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने की घोषणा की।

सत्र की कार्यवाही पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 12 अगस्त तक चलनी थी। कार्यवाही स्थगित करते हुए अध्यक्ष ने कहा कि वह बहुत भारी और दुखी मन से सदन को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर रहे हैं। उन्होंने सदन के लगातार बाधित होने पर गहरी नाराजगी जताई और कहा कि विपक्ष के रवैये से ऐसा प्रतीत होता है कि वह सदन को चलने नहीं देना चाहता।

विपक्ष के विरोध के बीच लोकसभा में केरल (नाम परिवर्तन) बिल पास, अब केरलम नाम से जाना जाएगा

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के सांसदों की लगातार नारेबाजी के बीच मंगलवार को 'केरल (नाम परिवर्तन) बिल, 2026' को ध्वनि मत से पास कर दिया गया। इस बिल में केरल राज्य का नाम बदलकर 'केरलम' करने का प्रस्ताव है।

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने सदन में यह बिल पेश किया, जबकि विपक्षी सांसद 20 जुलाई को नीट प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई पर गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी और बयान की मांग करते हुए नारेबाजी करते रहे।

सदन की अध्यक्षता कर रहे कृष्णा प्रसाद टेनेटी ने विपक्षी सांसदों से सदन को सुचारू रूप से चलने देने का आग्रह किया। हालांकि, हंगामा जारी रहा। नित्यानंद राय और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने केरल का नाम बदलने वाले बिल पर चर्चा न करने के लिए विपक्ष की आलोचना की।

रिजिजू ने कहा, 'यह दुखद है कि केसी वेणुगोपाल जैसे वरिष्ठ कांग्रेस नेता भी इस बिल पर नहीं बोलेंगे।' जब हंगामा नहीं थमा, तो बिना चर्चा के ही ध्वनि मत से बिल पास कर दिया गया। इससे पहले इस साल फरवरी में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 'केरल' का नाम बदलकर 'केरलम' करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। गौरतलब है कि केरल विधानसभा ने 24 जून, 2024 को 'केरल' का नाम बदलकर 'केरलम' करने का प्रस्ताव पास किया था। इस प्रस्?ताव में कहा गया, 'मलयालम भाषा में हमारे राज्य का नाम 'केरलम' है।'

पास प्रस्ताव में कहा गया था, '1 नवंबर 1956 को भाषा के आधार पर राज्यों का गठन किया गया था। 1 नवंबर को 'केरल पिरवी दिवस' भी मनाया जाता है। देश की आजादी की लड़ाई के समय से ही मलयालम भाषा बोलने वाले लोगों के लिए 'संयुक्त केरल' के गठन की जोरदार मांग रही है। हालांकि, संविधान की पहली अनुसूची में हमारे राज्य का नाम 'केरल' दर्ज है। केरल विधानसभा सर्वसम्मति से केंद्र सरकार से अपील करती है कि वह संविधान के अनुच्छेद 3 के तहत नाम बदलकर 'केरलम' करने के लिए तत्काल कदम उठाए।' इसके बाद, केरल सरकार ने केंद्र सरकार से अनुरोध किया कि संविधान के अनुच्छेद 3 के तहत 'केरल' का नाम बदलकर 'केरलम' करने के लिए संविधान की पहली अनुसूची में संशोधन करने हेतु आवश्यक कदम उठाए जाएं।

संक्षिप्त खबर

राजस्थान में 5वीं कक्षा के छात्र की करंट से मौत परिजनों ने स्कूल प्रशासन पर लापरवाही का आरोप

विश्व केसरी■

जयपुर। राजस्थान में श्री गंगानगर के सादुलशहर स्थित एक स्कूल में करंट लगने से 5वीं कक्षा के छात्र की मौत हो गई। बच्चे के परिवार ने स्कूल प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया है और शव लेने से इनकार कर दिया है। वे निष्पक्ष जांच और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

यह घटना बाल भारती स्कूल में हुई, जहां देवांश (9) टूर्नामेंट की प्रैक्टिस के दौरान पानी पीने गया था। परिवार के अनुसार, वह बिजली के करंट वाले वॉटर कूलर के संपर्क में आ गया और उसे बिजली का झटका लगा। इस घटना में उसका पैर भी जल गया।

परिवार के अनुसार, वार्ड 23 का रहने वाला देवांश पिछले चार महीनों से हर शाम टूर्नामेंट की प्रैक्टिस में हिस्सा लेने के लिए स्कूल जा रहा था। परिवार का आरोप है कि वॉटर कूलर में पहले से ही बिजली के लीकेज की समस्या थी और स्कूल मैनेजमेंट को इसके बारे में पहले ही बताया जा चुका था। उनका दावा है कि अगर उस खराबी की समय पर जांच और मरम्मत की गई होती, तो इस घटना को रोका जा सकता था। देवांश की मां ने घटना की निष्पक्ष जांच की मांग की है। परिवार चाहता है कि जांच के बाद जो भी दोषी पाया जाए, उसके खिलाफ कार्रवाई हो।

असम राइफल्स और पुलिस ने 13 करोड़ की मॉर्फिन जब्त की

विश्व केसरी■

गुवाहाटी। असम राइफल्स और असम पुलिस ने नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई करते हुए असम के श्रीभूमि जिले में एक संदिग्ध ड्रग तस्कर को पकड़ा है और लगभग 13 करोड़ रुपए कीमत की 8.224 किलोग्राम मॉर्फिन जब्त की है। श्रीभूमि जिले के बदरपुर में स्पीयर कॉर्प्स के तहत असम राइफल्स और असम पुलिस ने मिलकर एक संयुक्त ऑपरेशन चलाया। नशीले पदार्थों की आवाजाही के बारे में मिली खास जानकारी के आधार पर, सुरक्षा बलों और पुलिस ने इलाके में एक कोऑर्डिनेटेड ऑपरेशन चलाया और एक संदिग्ध ड्रग तस्कर को पकड़ा। ऑपरेशन के दौरान टीम ने पकड़े गए व्यक्ति के पास से 8.224 किलोग्राम मॉर्फिन बरामद की। अधिकारियों ने बताया कि जब्त किए गए नशीले पदार्थ की अनुमानित बाजार कीमत लगभग 13 करोड़ रुपए है। ऑपरेशन के दौरान नशीले पदार्थों की तस्करी में इस्तेमाल की जा रही एक गाड़ी को भी जब्त किया गया। यह गिरफ्तारी और बरामदगी सुरक्षा बलों और असम पुलिस के लिए एक बड़ी कामयाबी है, जो पूर्वोत्तर क्षेत्र में गैर-कानूनी ड्रग्स की सप्लाई और वितरण को रोकने के लिए लगातार कोशिशें कर रहे हैं। अधिकारियों ने कहा कि इस ऑपरेशन से क्षेत्र में चल रहे संगठित ड्रग नेटवर्क से निपटने में असम राइफल्स और राज्य पुलिस के बीच बेहतर तालमेल का पता चलता है।

खराब मौसम के कारण बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी के हेलिकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग

विश्व केसरी■

कोलकाता। खराब मौसम की वजह से पश्चिम मिदनापुर जिले के केशपुर जा रहे मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी के हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी। शुरुआती जानकारी के अनुसार, कोलाघाट थर्मल पावर प्लांट के पास कोलाघाट बलाका मंच के फुटबॉल मैदान में हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग की गई।

मुख्यमंत्री ने मंगलवार को कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस इंटरनेशनल एयरपोर्ट से हेलिकॉप्टर से उड़ान भरी थी और उन्हें पश्चिम मेदिनीपुर जिले के केशपुर जाना था। बाद में, हेलिकॉप्टर कोलाघाट से कोलकाता के लिए रवाना किया गया। मुख्यमंत्री केशपुर में बंगाल के महान भारतीय स्वतंत्रता सेनानी खुदीराम बोस की पुण्यतिथि के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जा रहे थे।

केशपुर में ही खुदीराम बोस का जन्म हुआ था, जिन्हें ब्रिटिश शासनकाल में फांसी दी गई थी। केशपुर के बाद मुख्यमंत्री पास के बांकुरा जाएंगे। वहां, वे

वेस्टर्न रीजन डेवलपमेंट बोर्ड के तहत आने वाले सात जिलों के अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पिछली तृणमूल कांग्रेस सरकार पर इस बोर्ड को पूरी तरह से नजरअंदाज करने का आरोप है। पिछले कुछ वर्षों में वेस्टर्न रीजन डेवलपमेंट बोर्ड के लिए कोई फंड आवंटित नहीं किया था। बोर्ड के सभी विकास कार्य लंबे समय से ठप पड़े थे।

नई राज्य सरकार ने अपने पहले बजट में बोर्ड के लिए फंड आवंटित किया। जानकारी सामने आई है कि मंगलवार की बैठक में विकास की रूपरेखा पर चर्चा की जाएगी। कुल सात जिलों के जिला प्रशासन के अधिकारी इस बोर्ड के दायरे में आते हैं। बांकुरा में, मुख्यमंत्री स्थानीय भाजपा विधायक नीलाद्री शेखर दाना के पारिवारिक कार्यक्रम में भी शामिल होंगे।

फर्जी वकीलों और फर्जी लॉ डिग्री पर सीबीआई जांच की मांग वाली याचिका पर 10 सितंबर को होगी सुनवाई

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 'कॉकरोच जनता पार्टी' की गतिविधियों और अदालत की मौखिक टिप्पणियों के कथित व्यावसायिक और सोशल मीडिया इस्तेमाल की जांच की मांग वाली याचिका पर नोटिस जारी किया है।

याचिका में मांग की गई है कि कोर्ट में जज या वकीलों की कही गई मौखिक बातों को व्यावसायिक रूप से इस्तेमाल करने, उनके नाम या पहचान का गलत तरीके से इस्तेमाल करने और सोशल मीडिया पर उनसे पैसे कमाने की भी जांच की जाए।

याचिकाकर्ता वकील राजा चौधरी ने 15 मई की अदालत की सुनवाई का हवाला दिया है जिसमें चीफ जस्टिस ने अपनी टिप्पणी में 'कॉकरोच' शब्द का इस्तेमाल किया था। याचिका में आरोप लगाया गया है कि कोर्ट में हुई बातचीत को काट-छांटकर सोशल मीडिया पर राजनीतिक प्रतीक, मीम और वायरल कंटेंट के रूप में इस्तेमाल किया गया।

पीआईएल में बड़ी संख्या में फर्जी वकीलों और फर्जी लॉ डिग्री के मामले की

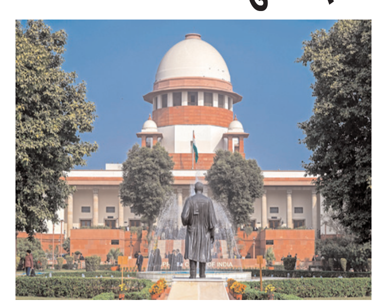

सीबीआई जांच की भी मांग की गई है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में केंद्र सरकार, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई), बार काउंसिल ऑफ इंडिया और सीबीआई को नोटिस जारी किया है। सुप्रीम कोर्ट 10 सितंबर को पीआईएल पर सुनवाई करेगा।

बता दें कि यह पूरा विवाद मई 2026 में सुप्रीम कोर्ट की एक सुनवाई के दौरान आई मौखिक टिप्पणी और उसके बाद उपजे डिजिटल आंदोलन से जुड़ा है। याचिका में चिंता जताई गई है कि अदालत की मौखिक टिप्पणियों को मीम्स, ट्रोलिंग और वायरल कंटेंट के जरिए सनसनीखेज बनाकर उनका व्यावसायिक फायदा उठाया जा रहा है।

असम पुलिस ने 1709 नशीली गोलियां और कफ सिरप जब्त किए, अवैध फार्मेसी संचालक गिरफ्तार

विश्व केसरी■

धुबरी। असम के धुबरी जिले के 'चार' इलाके में एक अवैध फार्मेसी पर पुलिस की ओर से छापेमारी की गई। इस दौरान भारी मात्रा में दवाएं, एक खिलौना बंदूक और नकली भारतीय मुद्रा जब्त की गई। पुलिस ने एक शख्स को गिरफ्तार किया है।

पुलिस की ओर से गिरफ्तार किए गए व्यक्ति की पहचान इलियास सरकार के तौर पर हुई है। एक गुप्त सूचना के आधार पर धुबरी सदर पुलिस ने देर रात 'चार' इलाके में स्थित एक अवैध फार्मेसी पर छापा मारा। यह फार्मेसी ब्रह्मपुत्र नदी के उस पार धुबरी के पास भोगदाह पंचायत के अंतर्गत कालापानी सेकंड पार्ट इलाके में स्थित थी।

ऑपरेशन के दौरान पुलिस ने 6,300 रुपए की नकली भारतीय मुद्रा, 1709 नशीली गोलियां, कफ सिरप और एक खिलौना बंदूक जब्त की। पुलिस ने कथित तौर पर अवैध फार्मेसी चलाने वाले इलियास सरकार को मौके से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के लिए आरोपी को धुबरी सदर पुलिस स्टेशन ले जाया गया, जहां पुलिस उससे पूछताछ कर

रही है। आरोप है कि इलियास सरकार लंबे समय से फार्मेसी से अवैध दवाओं का कारोबार कर रहा था और उस पर नशीली दवाओं से जुड़ी बड़े पैमाने पर गतिविधियों में शामिल होने के गंभीर आरोप हैं।

इससे पहले 28 जुलाई को भी नशे के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की थी। श्रीभूमि जिले में दो अलग-अलग अभियानों के दौरान पुलिस ने प्रतिबंधित कफ सिरप की 31,800 बोतलें जब्त की थी। जब्त किए गए नशीले पदार्थ की अनुमानित कीमत करीब 3.18 करोड़ रुपये आंकी गई थी। इस मामले में पुलिस ने दो कथित तस्करों को गिरफ्तार किया था।

पीएससी परीक्षा रिकॉर्ड मामले में केरल हाईकोर्ट ने सूचना आयोग के आदेश पर एक माह के लिए लगाई रोक

विश्व केसरी■

कोच्चि। केरल हाई कोर्ट ने मंगलवार को राज्य सूचना आयोग के एक आदेश पर एक महीने के लिए रोक लगा दी। इस आदेश में लोक सेवा आयोग (पीएससी) को केरल राज्य योजना बोर्ड की भर्ती परीक्षा में कथित अनियमितताओं से जुड़े मामले में परीक्षा के रिकॉर्ड का खुलासा करने का निर्देश दिया गया था।

कोर्ट ने शिकायतकर्ता तिरुवनंतपुरम के रहने वाले श्याम कृष्ण को भी नोटिस जारी किया है, जिनकी 'सूचना का अधिकार' अर्जी के कारण ही सूचना आयोग का आदेश आया था।

पीएससी ने एक रिट याचिका के जरिए सूचना आयुक्त के आदेश को चुनौती दी। उनका तर्क था कि चयन प्रक्रिया अभी पूरी नहीं हुई है और इस चरण में परीक्षा के रिकॉर्ड सार्वजनिक करने से भर्ती प्रक्रिया की गोपनीयता प्रभावित हो सकती है। पीएससी ने हाई कोर्ट को बताया कि इंटरव्यू, जो चयन प्रक्रिया का ही एक हिस्सा है, अभी पूरा होना बाकी है। उन्होंने

कहा कि चयन प्रक्रिया पूरी होने के बाद परीक्षा के रिकॉर्ड दिए जा सकते हैं। उनका तर्क था कि समय से पहले जानकारी सार्वजनिक करने से परीक्षा की निष्पक्षता और गोपनीयता प्रभावित हो सकती है। पीएससी की दलीलें सुनने के बाद, हाई कोर्ट ने सूचना आयोग के आदेश पर एक महीने के लिए रोक लगा दी। यह मामला श्याम कृष्ण द्वारा दायर एक आरटीआई अर्जी से शुरू हुआ था, जिसमें उन्होंने परीक्षा से जुड़े सभी रिकॉर्ड जैसे आंसर स्क्रिप्ट और इंटरव्यू की मार्क्स लिस्ट मांगे थे। उनकी शिकायत पर कार्रवाई करते हुए, सूचना आयुक्त ने पीएससी को मांगे गए दस्तावेज उपलब्ध कराने का निर्देश दिया था। हालांकि, पीएससी ने उस आदेश का पालन नहीं किया। सूचना आयुक्त ने आदेश का पालन न करने पर आयोग की कड़ी आलोचना की थी और रिकॉर्ड देने में हुई देरी पर नाराजगी जताई थी।

ई-रिक्शा की बैटरी चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश, चार गिरफ्तार

विश्व केसरी■

नोएडा। नोएडा के थाना फेस-1 पुलिस ने ई-रिक्शा की बैटरी चोरी करने वाले एक गिरोह का पर्दाफाश करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई 13 स्मार्ट लीथियम बैटरी, 414 लीथियम बैटरी सेल और 11,800 रुपये की नकदी बरामद की है।

पुलिस के अनुसार, आरोपी दिल्ली, गाजियाबाद और नोएडा के अलग-अलग इलाकों में रेकी करने के बाद सुनसान स्थानों पर खड़े ई-रिक्शा को निशाना बनाते थे। पुलिस के मुताबिक, 10 अगस्त 2026 को थाना फेस-1 पुलिस टीम ने लोकल इंटेलिजेंस और इलेक्ट्रॉनिक

सर्विलांस की मदद से कार्रवाई करते हुए चारों आरोपियों को सेक्टर-14 और सेक्टर-15 के बीच बने पुल के पास से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान कासिम उर्फ लक्की, रहीशउल्ला, शाहनवाज और रिजवान के रूप में हुई है। पुलिस की पूछताछ में आरोपियों ने बैटरी चोरी करने के अपने तरीके का खुलासा किया।

कांग्रेस हाईकमान की बातचीत के बाद जल्द होगा मंत्रालय का बंटवारा : तंगदागी

विश्व केसरी■

बेंगलुरू। कर्नाटक सरकार मंत्रिमंडल में शामिल नए मंत्रियों के नाम पर अंतिम मुहर लगाने के लिए चर्चा करने जा रही है। वरिष्ठ नेताओं ने मंगलवार को बताया कि कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व की ओर से चर्चा संपन्न होने के बाद मंत्रिमंडल का आवंटन हो जाएगा।

अंदरूनी सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व की ओर से मंत्रिमंडल के आवंटन को लेकर बैठक होने जा रही है। इस बैठक में मुख्य रूप से एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, एआईसीसी महासचिव के.सी. वेणुगोपाल और कर्नाटक प्रभारी एआईसीसी महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला शामिल होंगे।

मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को मंत्रियों की अंतिम सूची सौंपे जाने से पहले उसे कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व की ओर से मंजूरी प्रदान की जाएगी।

सूत्रों ने बताया कि सीएम शिवकुमार ने प्रस्तावित मंत्रालय की सूची वेणुगोपाल को सौंप दी है और उम्मीद है कि कांग्रेस शीर्ष नेतृत्व की ओर से इस पर जल्द ही अंतिम फैसला लिया जाएगा। कर्नाटक विधानसभा में मानसून सत्र की शुरुआत 13 अगस्त को होगी। ऐसी स्थिति में सरकार पर यह दबाव बढ़ गया है कि वो मानसून सत्र शुरू होने से पहले ही इस संबंध में फैसला ले।

मंत्री शिवराज तंगदागी ने कोप्पल में पत्रकारों से बातचीत में मंगलवार को कहा कि मंगलवार शाम तक मंत्रालय आवंटन का काम पूरा हो जाएगा। उन्होंने कहा कि इस बात की प्रबल संभावना है कि शाम तक मंत्रालय का आवंटन हो जाएगा। मुझे जिस किसी भी मंत्रालय की जिम्मेदारी दी जाएगी, उसका मैं निर्वहन करूंगा और उस दिशा में काम करूंगा। ऐसी स्थिति में इस संबंध में दिगभ्रमित होने या दुविधा में पड़ने का कोई सवाल ही पैदा नहीं होता।

तंगदगी ने कहा कि बीएस येदियुरप्पा के शासनकाल में भी मंत्रालय आवंटन में विलंब हुआ था। ऐसी स्थिति में उन्हें मौजूदा सरकार से मांग की है कि मंत्रालय आवंटन में विलंब नहीं हो। इस बीच, जल संसाधन मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने कोलार में कहा कि विधानसभा सत्र शुरू होने से पहले मंत्रालय आवंटन का काम पूरा हो जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि पार्टी में कुछ असंतुष्टि जरूरी भी है। 13अगस्त से मानसून सत्र की शुरुआत होने जा रही है। ऐसी स्थिति में सत्र शुरू होने से पहले ही मंत्रालय आवंटन का काम पूरा हो जाएगा।

प्लास्टिक कचरे से बन सकेगा 3डी प्रिंटर का फिलामेंट, शोधकर्ताओं को मिला पेटेंट

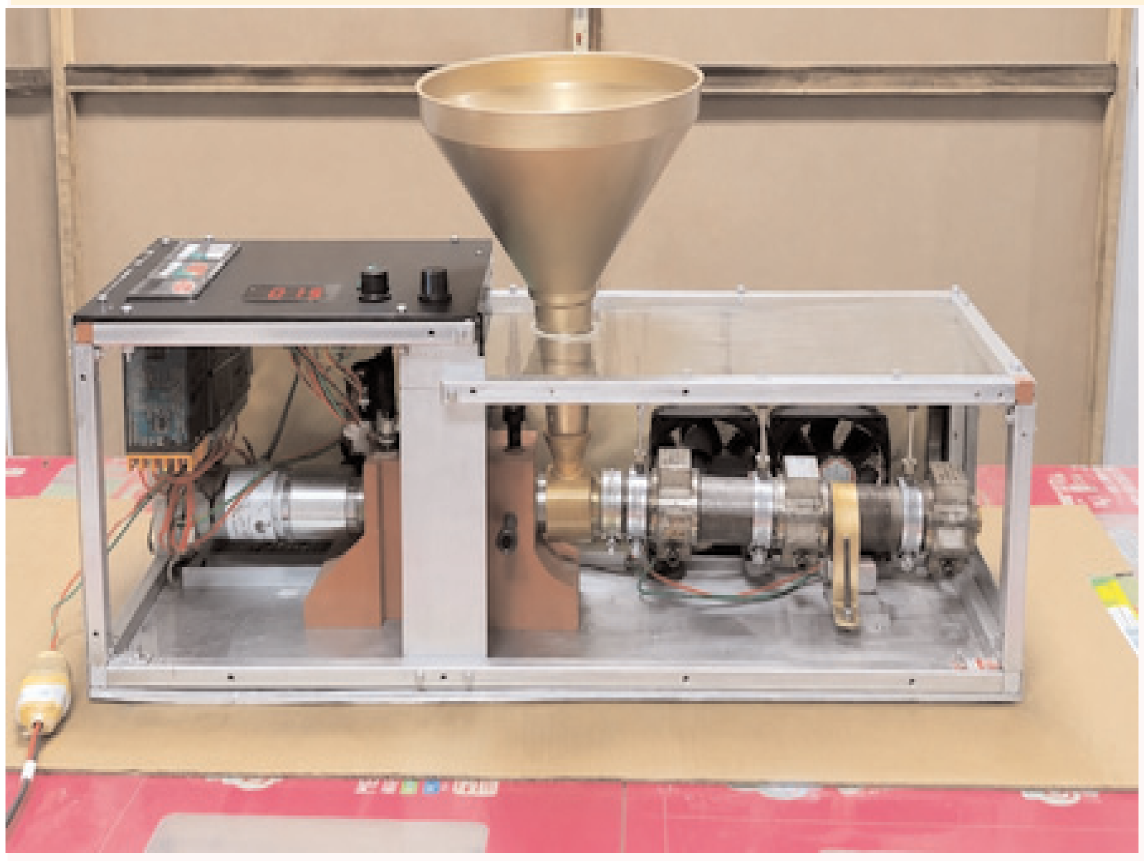

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान राउरकेला के शोधकर्ताओं ने सिर्फ करीब 45,000 रुपए की लागत में ऐसी एक्सट्रूडर प्रणाली विकसित की है, जो प्लास्टिक कचरे से 3डी प्रिंटिंग के लिए मजबूत कंपोजिट फिलामेंट बना सकती है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के इस तकनीकी शिक्षण संस्थान ने इस का पेटेंट भी हासिल कर लिया है।

दरअसल जहां सामान्य प्रिंटर में 'स्याही' का इस्तेमाल होता है वहीं 3डी प्रिंटर में फिलामेंट होता है। आज 3डी प्रिंटिंग का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है। चिकित्सा क्षेत्र में फिलामेंट से शरीर के मॉडल और कृत्रिम अंग बनाने से लेकर ड्रोन के पुर्जे, ब्रैकेट, खिलौने और सजावटी सामान तक बनाए जा रहे हैं। खास बात यह है कि इसमें पुनर्चक्रित प्लास्टिक के साथ दूसरी सुदृढ़ीकरण सामग्री मिलाई जा सकती है। इससे तैयार फिलामेंट ज्यादा मजबूत और टिकाऊ बनता है। इससे नए प्लास्टिक पर निर्भरता घटेगी और प्लास्टिक कचरे का दोबारा उपयोग बढ़ेगा।

संस्थान के मुताबिक, इनमें फ्यूज्ड डिपॉजिशन मॉडलिंग तकनीक सबसे ज्यादा इस्तेमाल होती है। इसमें प्लास्टिक के फिलामेंट को गर्म करके पिघलाया जाता है। फिर उसे एक-एक परत के रूप में जमा किया जाता है। इसी से पूरी वस्तु तैयार होती है। फिलामेंट की मांग बढ़ने के साथ इसकी कीमत भी बड़ी चुनौती है। अच्छी गुणवत्ता वाला फिलामेंट महंगा होता है। वहीं कमजोर गुणवत्ता वाले फिलामेंट से बनी वस्तुओं की मजबूती और सटीकता प्रभावित होती है। पुनर्चक्रित प्लास्टिक से फिलामेंट बनाने की कोशिश पहले भी हुई है। लेकिन ज्यादा प्रसंस्करण लागत, सामग्री की बर्बादी और कम मजबूती जैसी समस्याएं सामने आती रही हैं।

एनआईटी राउरकेला की नई तकनीक इन समस्याओं को दूर करने की कोशिश करती है। नई एक्सट्रूडर प्रणाली में नियंत्रित शीतलन व्यवस्था और पीआईडी तापमान नियंत्रक समेत कई घटक जुड़े हैं। इससे फिलामेंट बनाने की प्रक्रिया पर बेहतर नियंत्रण मिलता है। प्रयोगशाला परीक्षणों में तैयार फिलामेंट में संतोषजनक यांत्रिक गुण और अपेक्षित आयामी सटीकता पाई गई।

एनआईटी राउरकेला के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर प्रो. संध्यारानी बिस्वास ने कहा कि यह तकनीक फिलामेंट उत्पादन में महत्वपूर्ण प्रगति है। उनके अनुसार, इससे बेहतर यांत्रिक गुणों वाले पुर्जे बनाए जा सकते हैं। साथ ही पुनर्चक्रित प्लास्टिक के इस्तेमाल से पर्यावरण को भी फायदा होगा। केमिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर प्रो. सुजीत सेन ने कहा कि यह प्रणाली अलग-अलग प्रकार के प्लास्टिक को उपयोगी 3डी प्रिंटर फिलामेंट में बदल सकती है।

पीएम ई-ड्राइव योजना मार्च 2028 तक बढ़ी, इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों पर मिलेगी 5,000 रुपए तक की सब्सिडी

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री ई-ड्राइव (पीएम ई-ड्राइव) योजना की अवधि दो वर्ष बढ़ाकर 31 मार्च 2028 तक कर दी है। इस योजना के तहत इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों (ईवी-2डब्ल्यू) की खरीद पर प्रोत्साहन राशि जारी रहेगी। सरकार का लक्ष्य देश में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को गति देना, चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार करना और घरेलू ईवी विनिर्माण को मजबूत बनाना है।

भारी उद्योग मंत्रालय के अनुसार, विस्तारित पीएम ई-ड्राइव योजना के लिए 11,900 करोड़ रुपए का कुल प्रावधान किया गया है। योजना का फोकस इलेक्ट्रिक वाहनों को तेजी से अपनाने, चार्जिंग नेटवर्क विकसित करने और भारत को ईवी निर्माण का वैश्विक केंद्र बनाने पर रहेगा।

नई व्यवस्था के तहत 1 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2028 के बीच खरीदे गए पंजीकृत इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों पर खरीद प्रोत्साहन (इंसेंटिव) दिया जाएगा। सरकार ने यह प्रोत्साहन 2,500 रुपए प्रति किलोवाट-घंटा (केडब्ल्यूएच) निर्धारित किया है, जिसकी अधिकतम सीमा 5,000 रुपए प्रति वाहन होगी।

हालांकि, इस लाभ के लिए पात्र इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन की अधिकतम एक्स-फैक्ट्री कीमत 1.5 लाख रुपए से अधिक नहीं होनी चाहिए। सरकार ने योजना के तहत अधिकतम 45.79 लाख इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों को सहायता देने का लक्ष्य रखा है, जिसके लिए मंत्रालय द्वारा 2,767 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

हालांकि नई योजना में मिलने वाली सब्सिडी पहले की तुलना में कम है। वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों पर 5,000 रुपए प्रति केडब्ल्यूएच की दर से प्रोत्साहन दिया जाता था, जिसकी अधिकतम सीमा 10,000 रुपए प्रति वाहन थी।

मंत्रालय ने कहा है कि भविष्य में ईवी की लागत में कमी को देखते हुए प्रति केडब्ल्यूएच प्रोत्साहन राशि की समय-समय पर समीक्षा की जा सकती है।

इसके अलावा, सब्सिडी की राशि वाहन की एक्स-फैक्ट्री कीमत के 15 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी। यानी अधिकतम निर्धारित प्रोत्साहन या वाहन की कीमत का 15 प्रतिशत, दोनों में जो कम होगा, वही लाभ दिया जाएगा।

सरकार ने स्पष्ट किया है कि पीएम ई-ड्राइव एक फंड-सीमित योजना के रूप में संचालित होगी। इसका मतलब है कि कुल भुगतान 11,900 करोड़ रुपए के निर्धारित बजट तक ही सीमित रहेगा। यदि योजना के लिए निर्धारित राशि या किसी विशेष घटक के लिए आवंटित फंड पहले ही समाप्त हो जाते हैं, तो उस घटक को बंद किया जा सकता है और उसके बाद नए दावों पर विचार नहीं किया जाएगा।

योजना के तहत सभी श्रेणियों के लिए 31 मार्च 2028 अंतिम तारीख होगी, जबकि सब्सिडी दावों को जमा करने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर 2027 निर्धारित की गई है।

बच्चों का स्क्रीन टाइम बढ़ने की वजह सिर्फ बच्चे नहीं, नई स्टडी में चौंकाने वाला खुलासा

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली । आज के समय में बच्चों को स्क्रीन से पूरी तरह दूर रखना माता-पिता के लिए आसान नहीं है। पढ़ाई, मनोरंजन से लेकर कभी-कभी बच्चे को शांत कराने तक, मोबाइल, टीवी या टैबलेट परिवार की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन चुके हैं। इस बीच फ्लोरिडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी (एफआईयू) की एक नई स्टडी में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है।

एफआईयू के सेंटर फॉर चिल्ड्रन एंड फैमिलीज की इस रिसर्च में 4 से 8 साल की उम्र के बच्चों की देखभाल करने वाले 822 लोगों को शामिल किया गया। शोधकर्ताओं ने यह समझने की कोशिश की कि माता-पिता का तनाव बच्चों के स्क्रीन इस्तेमाल से किस तरह जुड़ा हुआ है। स्टडी के नतीजे फैमिली रिलेशन्स जर्नल में प्रकाशित हुए हैं।

रिसर्च में सामने आया कि जिन माता-पिता में भावनात्मक तनाव ज्यादा था, वे बच्चों के स्क्रीन टाइम पर लगातार नियम लागू करने में अपेक्षाकृत कम सक्षम थे। वहीं, जिन

माता-पिता को बच्चे के व्यवहार से ज्यादा परेशानी या दबाव महसूस होता था, वे मुश्किल परिस्थितियों में बच्चे को शांत कराने या व्यस्त रखने के लिए स्क्रीन का सहारा ज्यादा लेते थे।

स्टडी की प्रमुख लेखिका और एफआईयू की मनोविज्ञान की डॉक्टरेट छात्रा एनिड मोरेरा के मुताबिक, रिसर्च में सबसे महत्वपूर्ण बात यह सामने आई कि बच्चों के मीडिया इस्तेमाल से जुड़े फैसलों पर माता-पिता का अपना तनाव भी असर डालता है। इसलिए बच्चों के साथ-साथ माता-पिता को भी सहयोग देना जरूरी है।

शोधकर्ताओं का कहना है कि हर परिवार से सिर्फ यह कहना कि बच्चे का स्क्रीन टाइम कम कर दीजिए, हमेशा व्यावहारिक समाधान नहीं हो सकता। कई बार माता-पिता के लिए स्क्रीन किसी मुश्किल पल को संभालने का एक आसान जरिया होती है।

ऐसे में सवाल यह होना चाहिए कि बच्चा स्क्रीन पर क्या देख रहा है और उसका असर कैसा है। रिसर्चर्स का सुझाव है कि माता-पिता बच्चों की उम्र के हिसाब से ऐसा कंटेंट चुनें, जो उन्हें कुछ सिखाए, उनकी रुचि बढ़ाए और उनके विकास में मदद करे। साथ ही यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि स्क्रीन की वजह से बच्चे की नींद, खेलकूद, परिवार के साथ समय या पढ़ाई प्रभावित न हो।

अमेरिकन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स भी परिवारों को सिर्फ स्क्रीन के मिनट गिनने के बजाय कंटेंट की गुणवत्ता, रोजमर्रा की दिनचर्या और बच्चे के स्वस्थ विकास पर ध्यान देने की सलाह देती है।

जोड़ों के दर्द से राहत दिलाएगा घुटना संचालन, आयुष मंत्रालय से जानिए सही विधि

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। घुटना संचालन योग के उन व्यायामों में से एक है जिसे अभ्यास की शुरुआत में किया जाता है। यह अभ्यास विशेष रूप से घुटनों और कूल्हों के जोड़ों को मजबूत बनाने में सहायक होता है। आजकल की जीवनशैली में घंटों बैठकर काम करना, शारीरिक गतिविधि की कमी और उम्र के साथ जोड़ों में जकड़न की समस्या आम हो गई है। ऐसे में घुटना संचालन शरीर को अंदर से गर्म करता है, रक्त संचार को बेहतर बनाता है और मांसपेशियों को अगले योगाभ्यास के लिए तैयार करता है।

आयुष मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर घुटना संचालन योग करने की पूरी विधि बताई। इस अभ्यास को करने के लिए सबसे पहले किसी शांत और हवादार स्थान पर चटाई बिछाकर सीधे खड़े हो जाएं। दोनों पैरों के बीच लगभग एक फुट की दूरी रखें और रीढ़ को सीधा रखें। अब अभ्यास शुरू करें। श्वास लेते हुए दोनों भुजाओं को धीरे-धीरे

कंधों के स्तर तक ऊपर उठाएं और ध्यान रखें कि हथेलियां नीचे की ओर रहें। भुजाएं कंधे की सीध में और जमीन के समानांतर होनी चाहिए। इसके बाद श्वास छोड़ते हुए घुटनों को धीरे-धीरे मोड़ें और शरीर को आधे बैठे हुए स्थिति में लाएं।

इस स्थिति में ऐसा महसूस होना चाहिए जैसे आप किसी कुर्सी पर बैठने जा रहे हैं। पीठ सीधी रखें, पेट अंदर और कंधे ढीले रखें। अंतिम स्थिति में पहुंचकर कुछ सेकंड रुकें। इस अवस्था में दोनों भुजाएं और दोनों घुटने जमीन के समानांतर रहने चाहिए। दृष्टि सामने और शरीर संतुलित रखें।

अब श्वास लेते हुए धीरे-धीरे शरीर को वापस सीधा करें और साथ ही भुजाओं को भी नीचे ले आएं। इस पूरी प्रक्रिया को एक चक्र माना जाता है। शुरुआत में इसे दो बार दोहराएं। धीरे-धीरे अपनी क्षमता के अनुसार आप इसे 3 से 5 बार तक बढ़ा सकते हैं। अभ्यास पूरा होने के बाद सामान्य स्थिति में वापस आकर कुछ देर विश्राम करें।

अभ्यास के दौरान कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है। सबसे जरूरी है कि श्वास को सहज और सामान्य रखें। श्वास को न रोकें और न ही झटके से कोई गति करें। यह अभ्यास अपनी क्षमता के अनुसार ही करें। यदि अभ्यास के दौरान घुटनों या कमर में तेज दर्द महसूस हो तो तुरंत रुक जाएं। खासतौर पर आर्थराइटिस यानी गठिया के गंभीर दर्द, सूजन या हाल ही में हुई सर्जरी की स्थिति में इस अभ्यास को बिल्कुल न करें।

लंबे समय तक बैठने से होने वाली समस्याओं में कारगर है ऊर्ध्वमुख पश्चिमोत्तानासन, जानिए इसके फायदे

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। लंबे समय तक बैठे रहने, कंधा जकड़े रहने और पैरों में खिंचाव आम हो गया है। ऐसे में योग सिर्फ शरीर को मोड़ने का नाम नहीं है, बल्कि खुद से जुड़ने का एक जरिया है। ऐसे ही योग पद्धति में ऊर्ध्वमुख पश्चिमोत्तानासन सबसे शरीर की जकड़न खोलने, पाचन तंत्र को बेहतर बनाने समेत कई शारीरिक स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं का समाधान है।

ऊर्ध्वमुख पश्चिमोत्तानासन तीन शब्दों से मिलकर बना है, ऊर्ध्व मुख का अर्थ है ऊपर की तरफ चेहरा, पश्चिम का अर्थ होता है शरीर का पिछला हिस्सा, उत्तान का अर्थ होता है, गहरा खिंचाव और आसन की अर्थ मुद्रा।

इस आसन को अंग्रेजी में अपवर्ड फेसिंग इंटेंस वेस्ट स्ट्रेच कहते हैं। इस आसन में आप उभय पादांगुष्ठासन की तरह पैर के अंगूठों को पकड़कर बैलेंस बनाते हैं और साथ ही धड़ को आगे की तरफ पैरों की ओर झुकाते हैं। यह आसन अष्टांग योग की प्राथमिक श्रृंखला में आता है और उभय पादांगुष्ठासन के बाद का अगला लेवल माना जाता है।

योग परंपरा में ऊर्ध्वमुख पश्चिमोत्तानासन एक उन्नत आसन है, जो पश्चिमोत्तानासन और संतुलन का मिला-जुला रूप है।

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने भी इस आसन को लेकर प्रतिक्रिया दी। उनके अनुसार, ऊर्ध्व मुख पश्चिमोत्तानासन एक उन्नत योगासन है, जिसमें शरीर का संतुलन कूल्हों (सिट बोन्स) पर रखा जाता है और दोनों पैरों को ऊपर आकाश की ओर सीधा खींचकर हाथों से पंजों को पकड़ा जाता है। यह अभ्यास कोर शक्ति, रीढ़ के लचीलेपन और संतुलन को सुधारता है।

यह एक ऐसा योग आसन है जिसमें बैठकर पैर सीधे रखते हुए आगे झुकते हैं और अंगूठे पकड़कर रीढ़ और पैरों के पिछले हिस्से को गहराई से स्ट्रेच करते हैं।

इस आसन के नियमित अभ्यास करने से हैमस्ट्रिंग यानी जांघ के पीछे की मांसपेशियां, पैसिव तरीके से लंबी और लचीली होती हैं। यह एकमात्र ऐसा योग आसन है जो शरीर के पीछे वाले हिस्से का लचीलापन और आगे वाले हिस्से की ताकत दोनों को एक साथ बढ़ाता है।

रोजाना करें भेकासन, शरीर में आएगी नई ऊर्जा और लचीलापन

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आधुनिक जीवनशैली में सुकून और ताजगी की तलाश के लिए योग से बेहतर और कोई उपाय नहीं हो सकता है। योगासन पद्धति में भेकासन एक ऐसा आसन है, जो शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए बेहतर बताया गया है।

भेकासन संस्कृत भाषा के दो शब्दों से मिलकर बना है। भेक का अर्थ मेंढक होता है, जबकि आसन का अर्थ मुद्रा होता है। इस आसन को करने के दौरान शरीर की मुद्रा कुछ-कुछ मेंढक के समान होती है, जिस वजह से इसे मेंढक आसन भी कहते हैं।

भेकासन में पीठ को पीछे की तरफ मोड़कर स्ट्रेच किया जाता है। इसे करने के लिए शरीर के मध्य हिस्से की रीढ़ की हड्डी में काफी

लचीलापन और ताकत चाहिए। इसके निरंतर अभ्यास से एडियां, घुटने और टखने मजबूत होते हैं।

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने भी इस आसन को लेकर अपनी राय दी है। उनके अनुसार, भेकासन करने से रीढ़ की हड्डी में लचीलापन आता है, जिससे चलने-फिरने में आसानी होती है और शरीर हल्का महसूस होता है।

इस आसन से शरीर के कई हिस्सों की मांसपेशियों को फायदा होता है। खासकर पीठ के निचले हिस्से, बाइसेप्स, ट्राइसेप्स, पेट की मांसपेशियां, पैर, टखने, घुटने और जांघों की मांसपेशियां मजबूत होती हैं। इस आसन को करने से मांसपेशियों में खिंचाव आता है और धीरे-धीरे उनकी ताकत बढ़ती है, जिससे शरीर ज्यादा फुर्तीला और मजबूत बनता है।

भेकासन मांसपेशियों की ताकत बढ़ाने में काफी असरदार माना जाता है। इसे करने से शरीर के कई हिस्सों पर दबाव पड़ता है, जिससे मांसपेशियां मजबूत होती हैं और उनकी ताकत धीरे-धीरे बढ़ने लगती है। खासकर हाथ, पैर, पीठ और पेट की मांसपेशियां मजबूत बनती हैं। रोजाना अभ्यास से शरीर में एक अलग ही मजबूती का एहसास होता है। भेकासन करने के लिए सबसे पहले आराम से पेट के बल जमीन पर लेट जाएं। अब धीरे-धीरे अपने घुटनों को मोड़ें और पैरों को पीछे की ओर लेकर सिर के करीब लाने की कोशिश करें। दोनों हाथों से अपने टखनों या पैरों को पकड़ लें। ध्यान रखें कि छाती जमीन से लगी रहे और सांस सहज बनी रहे।

चेन्नई में बड़े पैमाने पर चलेगा एंटी-रेबीज अभियान, हर दिन 3 हजार कुत्तों को वैक्सीन लगाने का लक्ष्य

विश्व केसरी ■

चेन्नई । ग्रेटर चेन्नई कॉर्पोरेशन मंगलवार को शहर में स्ट्रीट डॉग्स के लिए एंटी-रेबीज टीकाकरण और कृमिनाशक अभियान शुरू करेगा। चेन्नई को रेबीज-मुक्त बनाने के लिए 75 दिनों में दो लाख जानवरों को टीके लगाने का लक्ष्य है। इस अभियान में कुत्तों को क्षेत्रवार पकड़कर पशुचिकित्सक दल टीके लगाएगा।

जानवरों को अंदरूनी और बाहरी पैरासाइट्स (परजीवियों) के लिए दवा भी दी जाएगी, फिर पहचान के लिए पेंट से निशान लगाकर उन्हें वहीं छोड़ दिया जाएगा, जहां से उन्हें पकड़ा गया था। कॉर्पोरेशन ने इस अभियान के लिए 30 टीमें तैनात की हैं और हर दिन लगभग 3,000 स्ट्रीट डॉग्स को वैक्सीन लगाने की योजना है। यह अभियान शुरू में जोन 1, 2 और 4 में चलाया जाएगा और फिर धीरे-धीरे इसे ग्रेटर चेन्नई कॉर्पोरेशन के सभी जोन में फैलाया जाएगा।

अधिकारियों ने कहा कि यह काम व्यवस्थित तरीके से किया जाएगा, ताकि शहर के स्ट्रीट डॉग्स की अधिक से अधिक आबादी को कवर किया जा सके और रेबीज फैलने का खतरा कम हो। नगर निकाय ने पिछले साल भी इसी तरह का बड़े पैमाने पर टीकाकरण कार्यक्रम चलाया था, जिसके दौरान कॉर्पोरेशन की सीमा में आने वाले 1,47,545 आवारा कुत्तों को एंटी-रेबीज वैक्सीन और डीवॉर्मिंग की दवाएं दी गई थीं। पिछले साल के अभियान को आगे बढ़ाते हुए कॉर्पोरेशन ने इस साल एक बड़ा लक्ष्य रखा है, जिसके तहत 75 कामकाजी दिनों में लगभग दो लाख आवारा कुत्तों को कवर किए जाने की उम्मीद है।

इस साल के कैंपेन के दौरान पालतू कुत्तों और बिल्लियों को मुफ्त एंटी-रेबीज़ वैक्सीन देने का इंतजाम भी किया गया है। पालतू जानवरों के मालिकों से अपील की गई है कि वे इस सुविधा का फायदा उठाएं और पक्का करें कि उनके जानवर इस जानलेवा वायरल बीमारी से सुरक्षित रहें।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में पदक जीतने वाले शर्मिला, लवलीना, और झंडू 'कौन बनेगा करोड़पति' में मेहमान बनेंगे

एजेंसी ■

मुंबई । कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में पदक जीतने वाली शर्मिला धनखड़, लवलीना बोरगोहेन और झंडू कुमार टेलीविजन के लोकप्रिय क्विज शो कौन बनेगा करोड़पति में मेहमान बनेंगे।

मीडिया को मिली जानकारी के मुताबिक, तीनों पदक विजेताओं को बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन के सामने 'हॉट सीट' पर बैठने का मौका मिलेगा। ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स के पदक विजेताओं वाला विशेष एपिसोड 15 अगस्त के बाद प्रसारित होने की उम्मीद है।

पैरा एथलीट धनखड़ ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में एफ57 शॉट पुट इवेंट में स्वर्ण पदक जीता था। जीत के बाद धनखड़ पूरे देश में खासकर, महिलाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत के रूप में उभरी हैं। घरेलू हिंसा से बचने से लेकर कॉमनवेल्थ गेम्स में देश के लिए पदक जीतने तक उनकी कहानी देश के लिए प्रेरणादायी है।

बॉक्सर लवलीना बोरगोहेन भी महिलाओं की 75 किग्रा कैटेगरी में रजत पदक जीता था। वहीं, पैरा-पावरलिफ्टर झंडू कुमार ने पुरुषों के हैवीवेट इवेंट में कांस्य पदक जीता था। झंडू ने 190 किग्रा के बेस्ट लिफ्ट, जो 130.9 पॉइंट्स के बराबर था, की मदद से बीते खेलों में देश को पहला पदक दिलाया था।

केबीसी के ताजा सीजन का 10 अगस्त को सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रीमियर हुआ, जिसमें यह स्पोर्ट्स तिकड़ी आइकॉनिक हॉट सीट पर अपने संघर्ष और उपलब्धियों की कहानियां लेकर आई है। तीनों पदक विजेताओं की कहानियां निश्चित रूप से देश के युवाओं को अपने सपने को हासिल करने की हिम्मत और प्रेरणा देगी।

ग्लासगो में आयोजित कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत का प्रदर्शन अच्छा रहा था। भारतीय टीम कुल 39 पदक जीतकर पदकतालिका में चौथे स्थान पर रही थी। इन पदकों में 13 स्वर्ण, 17 रजत और 9 कांस्य पदक थे। कुश्ती, शूटिंग और हॉकी जैसे खेलों के न होने के बावजूद भारत का शानदार प्रदर्शन एथलेटिक्स में देश के बेहतर भविष्य का संकेत है। भारत के लिए कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 मुक्केबाजी के लिहाज से बेहद यादगार रहा। भारतीय मुक्केबाजों ने कुल 7 स्वर्ण जीते। यह कॉमनवेल्थ गेम्स के किसी भी एक संस्करण में मुक्केबाजी में सर्वाधिक स्वर्ण जीतने का रिकॉर्ड है। भारत ने मुक्केबाजी में 7 स्वर्ण के अलावा 3 रजत सहित कुल 10 पदक जीते।

सिंकफील्ड कपः आर. प्रज्ञानंदा ने सेवियन के खिलाफ आसान ड्रॉ के साथ अभियान शुरू किया

विश्व केसरी ■

सेंट लुइस। ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानंदा ने ग्रैंड चेस टूर के आखिरी से पहले इवेंट के शुरुआती राउंड में अपने अमेरिकी साथी सैमुअल सेवियन के खिलाफ आसान ड्रॉ के साथ अपने सिंकफील्ड कप कैंपेन की शुरुआत की।

काले मोहरों से खेलते हुए, आर. प्रज्ञानंदा ने रुई लोपेज के आर्कान्जेस्क वेरिएशन ने काफी शांत मुकाबला किया। मुकाबले के दौरान भारतीय खिलाड़ी ज्यादा बेहतर और तैयारी लगे।

खिलाड़ियों ने जल्दी ही मोहरों की अदला-बदली शुरू कर दी, और 11वीं चाल में ही रूक की एक जोड़ी बोर्ड से हट गई। आगे की अदला-बदली के बाद क्वीन-और-माइनर-मोहरे का एंडगेम हुआ जिसमें दोनों खिलाड़ियों के पास दो-दो घोड़े थे, जिससे दोनों में से किसी के भी जीतने का कोई खास मौका नहीं बचा।

एक बार जब क्वींस ट्रेड हो गईं, तो नतीजा लगभग तय हो गया और गेम आखिरकार 48 चालों के बाद ड्रॉ पर समाप्त हुआ, हालांकि खिलाड़ी पहले पॉइंट बांटने पर सहमत हो सकते थे।

टॉप सीड फैबियानो कारुआना 10 खिलाड़ियों वाले, नौ राउंड के टूर्नामेंट के शुरुआती राउंड में जीत दर्ज करने वाले अकेले खिलाड़ी थे। अमेरिकी खिलाड़ी ने नीदरलैंड्स के जॉर्डन वैन फॉरेस्ट को हराकर शुरुआती बढ़त हासिल की।

कारुआना ने एक बार फिर दिखाया कि वह इस सीजन में ग्रैंड चेस टूर के सबसे अच्छे खिलाड़ी क्यों रहे हैं। उन्होंने शुरू में बराबरी की स्थिति से वैन फॉरेस्ट को हराया। डच खिलाड़ी की मिडिलगेम में एक रणनीतिक गलती की वजह से उन्हें एक पॉन गंवाना पड़ा, जिससे कारुआना को फायदा मिल गया। इसके बाद अमेरिकी खिलाड़ी ने 55 चालों के बाद खास तकनीक दिखाई।

दूसरी तरफ, वर्ल्ड चैंपियनशिप के दावेदार उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंडारोव ने अर्मेनियाई से अमेरिकी बने लेवोन एरोनियन के साथ ड्रॉ खेला। सफेद मोहरों से खेलते हुए, सिंडारोव ने अनियमित क्वीन पॉन सेट-अप चुना और ऐसा लगा कि जब एरोनियन ने एक पॉन गिरा दिया तो उन्हें मौका मिल गया।

हालांकि, इसके नतीजे में उलटे रंग के बिशप के एंडगेम में जीतने का कोई असली मौका नहीं मिला, और गेम आखिरकार ड्रॉ हो गया।

जर्मनी के विंसेंट कीमर को भी अमेरिका के वेस्ली सो के खिलाफ आधे पॉइंट से ही संतोष करना पड़ा। कीमर ने सो के किंग के खिलाफ अटैक करने की कोशिश की, लेकिन अमेरिकन ने आराम से डिफेंड किया और खतरे को बेअसर कर दिया।

नीदरलैंड के अनीश गिरी ने फ्रांस के मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव के खिलाफ दिन का दूसरा ड्रॉ पूरा किया।

गिरी कुछ खास प्रोग्रेस नहीं कर पाए और गेम आखिरकार रूक-एंड-पॉन्स एंडिंग पर पहुंच गया, जो आखिर तक चला, इससे पहले कि खिलाड़ी ड्रॉ पर सहमत हुए।

अश्विन की कमी खलेगी, जडेजा, कुलदीप, सुथार होंगे अहमः महारूफ

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली । श्रीलंका के पूर्व तेज गेंदबाज फरवीज महारूफ का मानना है कि संन्यास ले चुके ऑफ-स्पिनर रविचंद्रन अश्विन की कमी भारतीय टीम को श्रीलंका सीरीज में खलेगी। महारूफ ने कहा कि रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव और मानव सुथार की स्पिन तिकड़ी भारत के लिए इस सीरीज में अहम हो सकती है।

महारूफ ने मंगलवार को सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क द्वारा आयोजित एक ऑनलाइन बातचीत में आईएएनएस से ??कहा, 'अश्विन की कमी बहुत खलेगी। साथ ही, विराट, रोहित और जसप्रीत की कमी भी खलेगी। मुझे लगता है कि ये लोग गेम के लेजेंड हैं। रिकॉर्ड खुद बोलते हैं। अश्विन ने जब भी श्रीलंका का टूर किया, उन्होंने अच्छा किया। ऐसा इसलिए है क्योंकि श्रीलंका में, आप सभी टर्न के बारे में बात करते हैं। अगर आप सच में गहराई से देखें, तो यह बाउंस ही है जो स्पिनर्स के लिए विकेट लेता है। इस टीम में रवि अश्विन, इन कंडीशंस में गेंदबाजी के लिए आदर्श होते। साथ ही टीम इंडिया को वॉशिंगटन सुंदर की कमी भी बहुत खलेगी।'

उन्होंने कहा, 'अश्विन की जगह भरना मुश्किल है। नंबर खुद ही सब कुछ बताते हैं - सिर्फ गेंदबाजी ही नहीं, बल्कि नंबर छह पर उनकी बल्लेबाजी भी काफी अहम होती थी।

महारूफ ने कहा, 'भारतीय टीम के बाकी स्पिनर्स की बात करें तो, मुझे सच में पसंद आया कि मानव सुथार ने कुछ महीने पहले अफगानिस्तान के खिलाफ अपना डेब्यू कैसे किया और वार्म-अप गेम में भी उन्होंने कैसी गेंदबाजी की। उनकी पेस और बाउंस, मुझे सच में पसंद हैं। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि क्या इंडिया रवि जडेजा और मानव सुथार को एक ही टीम में खिलाएगा? आइडियली दो लेफ्ट-हैंड स्पिनर्स और सारांश जैन ने अभी तक अपना डेब्यू नहीं किया है, लेकिन वे अच्छे बॉलर लगते हैं।

श्रीलंका जैसी क्वालिटी और अनुभवी बैटिंग लाइन-अप के खिलाफ डेब्यू पर उनसे बहुत उम्मीदें होंगी। अगर आप मुझसे पूछें, तो मैं कुलदीप यादव के साथ-साथ दो लेफ्ट-हैंड स्पिनर्स के साथ जाऊंगा।'

केरलः जी.वी. राजा स्टेडियम के पुनर्निर्माण पर 100 करोड़ खर्च करने की योजना

विश्व केसरी ■

तिरुवनंतपुरम। केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम के ऐतिहासिक जी.वी. राजा स्टेडियम को अंतरराष्ट्रीय स्तर और ओलंपिक आयोजन की मेजबानी करने लायक बनाने के लिए सरकार 100 करोड़ रुपये खर्च कर सकती है। केंद्रीय पर्यटन राज्य मंत्री सुरेश गोपी केरल विश्वविद्यालय के शीर्ष अधिकारियों के साथ बातचीत के बाद इस पहल को आगे बढ़ा रहे हैं।

सुरेश गोपी ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, 'अधिकारियों के साथ बातचीत हो चुकी है और अब स्टेडियम के प्रस्तावित बड़े बदलाव को आकार देने के लिए कदम उठाए जाएंगे, जिसका मालिकाना हक और संचालन केरल विश्वविद्यालय के पास है।

तिरुवनंतपुरम में लंबे समय से रहने वाले गोपी ने केरल विश्वविद्यालय के वाइस-चांसलर डॉ. मोहनन कुन्नुमल के साथ स्टेडियम का दौरा किया। बैठक में विश्वविद्यालय सिंडिकेट के वित्तीय सदस्य आर.एस. शशिकुमार भी मौजूद थे।

शशिकुमार ने आईएएनएस को बताया, 'गोपी ने बताया कि केंद्र सरकार जी.वी. राजा स्टेडियम को नया बनाने और इसे ओलंपिक के लिए उपयुक्त बनाने के लिए 100 करोड़ रुपये दे सकती है। केरल विश्वविद्यालय जल्द ही स्टेडियम के बड़े बदलाव के लिए एक मास्टर प्लान तैयार करेगी। गोपी के भी बहुत सकारात्मक होने से, हमें उम्मीद है कि इस स्टेडियम को एक विश्व-स्तरीय खेल केंद्र में बदल दिया जाएगा।'

यह प्रस्तावित बदलाव 2036 के समर ओलंपिक्स की मेजबानी के लिए भारत की बोली के बाद आया है।

भारत सरकार ओलंपिक 2026 की मेजबानी गुजरात के अहमदाबाद शहर में करना चाहती है। भारत ने गेम्स की मेजबानी के लिए आधिकारिक रूप से आवेदन किया है इंटरनेशनल ओलंपिक कमेटी 2029 के बीच मेजबान चुन सकती है।

जी.वी. राजा स्टेडियम, तिरुवनंतपुरम, को एक बड़ा इंटरनेशनल एथलेटिक्स वेन्यू दे सकता है। जी.वी. राजा स्टेडियम ने पहले एक अंतरराष्ट्रीय वनडे मैच की मेजबानी की है। इसके बावजूद, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसे नजरअंदाज किया गया है।

स्टेडियम का सिंथेटिक ट्रैक और दूसरी सुविधाएं खराब हालत में हैं। विश्वविद्यालय से अगले कदम के तौर पर एक विस्तृत रिपोर्ट और मास्टर प्लान तैयार करने की उम्मीद है। यह विकास इसलिए भी जरूरी है क्योंकि स्टेडियम, जो 1937 में बना था।

जी.वी. राजा स्टेडियम का नाम कर्नल गोदावर्मा राजा के नाम पर रखा गया है। उन्हें केरल के खेल अभियान का मार्गदर्शक माना जाता है।

टी20 विश्व कप 2024 जीतने के बाद के समय को हमेशा याद रखूंगाः टी. दिलीप

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत के पूर्व फील्डिंग कोच टी. दिलीप ने बारबाडोस में भारत की 2024 टी20 वर्ल्ड कप जीत के बाद के समय टीम इंडिया के साथ गुजारे अपने 5 साल की अवधि का सबसे यादगार लम्हा बताया है। उन्होंने कहा कि ड्रेसिंग रूम के अंदर की भावनाओं ने खिताब से पहले के सफर का बोझ दिखा दिया।

टी. दिलीप ने जियोस्टार पर कहा, 'अगर मैं अपने सबसे अच्छे पल पर वापस जाऊं, तो मुझे लगता है बारबाडोस 2024, सिर्फ ट्रॉफी ही नहीं, बल्कि उसके बाद ड्रेसिंग रूम का माहौल, कुछ सेकंड के लिए शांति। मुझे लगता है कि उस शांति में, मैं महसूस कर सकता था कि लड़कों ने उन चार सालों में कितनी मेहनत की है।

मैं उस फ्रेम को हमेशा अपने दिमाग में रखूंगा। ब्रिजटाउन में खेले गए फाइनल में सूर्यकुमार यादव का कैच भारतीय जीत की खिताबी जीत के सबसे यादगार लम्हों में से एक था। सूर्यकुमार यादव ने आखिरी ओवर में डेविड मिलर का बेहतरीन और यादगार कैच पकड़कर देश को खिताब दिलाने में कभी भी न भूलने वाली भूमिका निभाई थी।

सूर्यकुमार यादव के कैच को याद करते हुए दिलीप ने बताया कि खुशी के बावजूद मैं तब यह पता करने की कोशिश कर रहा था कि कैच कानूनी तौर पर पूरा हुआ था या नहीं।

मैं मैनेजमेंट के लिए मुझे प्लेइंग इलेवन से बाहर रखना मुश्किल बनाता हूंः ब्यू वेबस्टर

विश्व केसरी ■

डार्विन । ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के बीच 2 टेस्ट मैचों की सीरीज की शुरुआत 13 अगस्त से हो रही है। दूसरा टेस्ट 22 अगस्त से शुरू होगा। ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर ब्यू वेबस्टर का कहना है कि वह इस सीरीज को टीम में अपनी जगह पक्की करने के अवसर के रूप में देख रहे हैं।

32 साल के वेबस्टर ने मंगलवार को कहा, 'अपने डेब्यू के बाद से मैंने जो सबसे बड़ी बात सीखी है, वह यह है कि मैं इस लेवल पर काफी अच्छा हूं। पहले टेस्ट से पहले, सवाल था, 'क्या तुम तैयार महसूस कर रहे हो?' मैं खुद से कह रहा था 'बिल्कुल,' लेकिन आपको तब तक सच में पता नहीं चलता जब तक आप दूसरे देशों के गेंदबाजों का सामना नहीं करते और खुद को बड़ी भीड़ के साथ दबाव वाली स्थिति में अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद की जाती है। पिछले 12 महीनों की सबसे जरूरी बात यही थी।'

उन्होंने कहा, 'मैंने रन बनाकर इस टीम में अपनी जगह बनाई। बल्लेबाज होने का मतलब है रन बनाना, और यही टीम में आने और टीम में बने रहने का मेरा तरीका रहा है। मैंने अपने पहले आठ टेस्ट में बल्ले से जो किया है, उससे शायद पता चलता है कि मुझे असली टॉप-सिक्स बैटर के तौर पर देखा जा सकता है।'

प्लेइंग इलेवन में जगह के लिए वेबस्टर को कैमरन ग्रीन से कड़ी टक्कर मिलने की उम्मीद है। इस पर वेबस्टर ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि ऐसा क्यों नहीं हो सकता। टॉप सात में गेंद के साथ ज्यादा विकल्प होना पक्का फायदेमंद है। मैं इसे सीधे कॉम्पिटिशन के तौर पर नहीं देखता। यह कप्तान के लिए ज्यादा विकल्प और फायदे तभी देता है जब हम दोनों बैट से अच्छा कर रहे हों और फील्ड में भी अच्छा कर रहे हों।'

उन्होंने कहा, 'मुझे कैमरन के साथ खेलने में मजा आता है। मुझे यह पसंद है कि बॉल के साथ कौन अच्छा कर रहा है। जरूरत पड़ने पर हम चीजें बदल सकते हैं। इसलिए मैं बहुत खुश हूं। मैं बल्ले और गेंद दोनों से प्रदर्शन पर ध्यान लगाता हूं और मैनेजमेंट के लिए मुझे 11 से बाहर रखना मुश्किल बनाता हूं।'

ईटीपीएल प्रवासी भारतीय खिलाड़ियों के लिए बड़ा मौकाः जोंटी रोड्स

विश्व केसरी■

मुंबई । यूरोपियन टी20 प्रीमियर लीग के पहले सीजन का आगाज 26 अगस्त से हो रहा है। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर और अपनी बेहतरीन फिल्डिंग के लिए मशहूर रहे जोंटी रोड्स और बॉलीवुड अभिनेता जॉन अब्राहम ने इस लीग को क्रिकेटरों के लिए बेहतरीन और रोमांचक मौका बताया है।

मीडिया से बात करते हुए रोड्स ने कहा, 'यूरोपियन टी20 प्रीमियर लीग (ईटीपीएल) 26 अगस्त से शुरू हो रही है। यह बस आने ही वाली है। रॉटरडैम डॉकर्स एक फ्रेंचाइजी हैं, जो छह टीमों में से एक है। हम यह देखने के लिए बहुत उत्साहित हैं कि हम यूरोपियन क्रिकेट को कहां ले जा सकते हैं, और आप जानते हैं कि यह एक बहुत ही शानदार मौका है। यह लगभग आखिरी जगह है जहां क्रिकेट पूरी दुनिया में आश्चर्यजनक रूप से खेला जाता है। मुझे पता है कि भारत और दक्षिण अफ्रीका में हमें ऐसा लगता है कि आप जानते हैं कि यह वास्तव में यूरोप में नहीं खेला जाता है, लेकिन यहां क्रिकेट का फैलाव है।

उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि फ्रेंचाइजी क्रिकेट जो करता है, वह ग्रासरूट क्रिकेट को बढ़ाने में मदद करता है क्योंकि यह युवा खिलाड़ियों को अपनी स्किल्स दिखाने के लिए एक प्लेटफॉर्म देता है। इसके बिना, वे काफी क्रिकेट नहीं खेलते हैं। मुझे लगता है कि उस नजरिए से, एक फ्रेंचाइजी के तौर पर, हमारा दक्षिण अफ्रीका से एक मजबूत कनेक्शन है, मालिकाना हक के जरिए, निवेश के जरिए हमारा भारत से एक मजबूत कनेक्शन है।

जोंटी रोड्स ने कहा, 'मुझे लगता है कि यह सिर्फ युवा खिलाड़ियों के सीखने के बारे में नहीं है। क्रिकेट एक ऐसा खेल है जहां जिस पल आपको लगता है कि आपने इसे नियंत्रित कर लिया है, आपको एहसास होता है कि आपने इसे नियंत्रित नहीं किया है। मुझे लगता है कि हम सभी सीनियर खिलाड़ियों के तौर पर, युवा खिलाड़ियों के तौर पर एक ऐसी स्थिति में हैं, यह एक ब्रांड है।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रींटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित

समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेलः vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415